परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	राजस्व		627.00	1396.00				
	पूंजी		..	39.00				
	योग		627.00	1435.00				
	क). सचिवालय सामाजिक सेवा	मंत्रालय की सफल कार्यक्षमता के लिए कार्यालय का आधुनिकीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी सहायता को भी प्रदान करना। कार्यालय उपस्करों का अनुरक्षण सूचना प्रौद्योगिकी लेखन सामग्री की खरीद।	23.55	2.30	मंत्रालय के पुराने और अप्रचलित कम्प्यूटरों को बदलना। सुव्यवस्थित कार्य वातावरण के लिए अनुभागों/एककों में पड़े पुराने अभिलेखों का डिज़िटलाइजेशन। कार्यालय स्थल का आधुनिकीकरण। और कमरों का नवीकरण। और इसके अलावा, 2012–13 में एनआईसी सैल और वेतन तथा लेखा कार्यालय संस्कृति के सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग का उन्नयन किया जाना है।	एनआईसी और वेतन का लेखा कार्यालय (संस्कृति) सहित संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को आधुनिक, कार्यदक्ष और समकालीन कार्य वातावरण उपलब्ध कराना।	पूरे वर्ष के लिए एक सतत् प्रक्रिया है।	सामान्यतः प्रशासनिक स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
	ख). केन्द्रीय सचिवालय ग्रंथागार (सीएसएल)	नीति आयोजकों, शिक्षाविदों, अनुसंधान अध्येताओं आदि को अनुसंधान सेवाएं तथा सूचना उपलब्ध कराना। समस्त प्रयोजनों के लिए यह प्रमुख संदर्भ प्रस्तकालय है।	1.30	2.36	एनआईसी स्थल पर स्थापित किए जाने वाले डाटाबेस के लिए उच्च स्तरीय सर्वर सीएसएल के पुराने संग्रह को सुरक्षित रखने के लिए पुराने	पाठकों की संख्या बढाना तथा ज्ञान का प्रसार करना। माइक्रोफिल्म का प्रस्तुतीकरण और	पूरे वर्ष के दौरान क्योंकि ये अनवरत कार्यकलाप हैं।	सामान्यतः प्रशासनिक स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					कंप्यूटरों के स्थान पर नई प्रणाली स्थापित कर कंप्यूटरों की संख्या बढ़ाना।	पुस्तकालय का कार्य सुचारू रूप से चलाना, सफाई का स्तर और बेहतर प्रयोक्ता सेवाएं मुहैया करना।		अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
	क्ला और संस्कृति का संवर्धन							
2.	**क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र**	क्षेत्रीय सीमाओं से बाहर बुनियादी संस्कृति और सांस्कृतिक बंधुत्व तथा स्थानीय संस्कृति के प्रति जागरूकता पैदा करना और स्थानीय संस्कृति की जानकारी प्रेरित करना तथा उसका संवर्धन करना।	––	**39.50**	विभिन्न स्कीमों, सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रमों आदि के अधीन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यकलापों का सुदृढ़ीकरण संवर्धन और प्रदर्शन	जैसा कि विभिन्न कार्यकलापों के अधीन दिया गया है।	
(i)	राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम	भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन हेतु देश के भीतर विभिन्न क्षेत्रों के कलाकारों, संगीतकारों, कला प्रदर्शकों तथा मूर्तिकारों आदि का आदान–प्रदान।			एनसीईपी के अंर्तगत लगभग 905 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिनसे बड़ी संख्या में कलाकारों, मंच कलाकारों, शिल्पकारों, संगीत–शास्त्रीयों विद्वानों, विद्धार्थियों और कला पारखियों का आदान प्रदान किया जाएगा।	राष्ट्रीय अखंडता को सुदृढ़ करना और उसका संवर्धन करना तथा लोक कलाओं का परिरक्षण, संवर्धन तथा प्रचार करना।	वर्ष के दौरान समय–समय पर यथा आवश्यक कलाकारों का आदान–प्रदान किया जाएगा।	
(ii)	प्रलेखन	विभिन्न लोक एवं जनजातीय कला रूपों			लुप्त हो रही कलाओं का प्रलेखन	लोक परंपराओं	चूंकि यह एक	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		विशेषतः लुप्त हो रहे कला रूपों के समुचित परिरक्षण हेतु प्रलेखन।			और प्रकाशन। शैक्षिक विस्तार और उपलब्धियों एवं लोक कलाकारों के अंशदान को दिखाने के प्रयोजन से विभिन्न कलारूपों पर वृत्त चित्र की सीडी तैयार की जाएगी।	का परिरक्षण तथा कला प्रेमियों और विधार्थियों/विद्वानों को ज्ञान का संभव सृजन (आईपीआर) का संभव सृजन।	सतत् प्रक्रिया है, अतः परियोजना कार्य शुरू करने में लगने वाला समय बढ़ सकता है।	
(iii)	लोक तरंग, लोक नृत्य उत्सव	यह उत्सव प्रत्येक वर्ष हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा राष्ट्रीय अखंडता के संवर्धन के लिए आयोजित किया जाता है।			यह उत्सव राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न भागों के लोक कलाकारों को अपनी कला प्रदर्शित करने का विशिष्ट अवसर प्रदान करता है।	राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित क्षेत्रीय सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में जागरूकता बढ़ेगी।	प्रत्येक वर्ष जनवरी में आयोजित किया जाता है।	
(iv)	कुरुक्षेत्र उत्सव	महाभारत से संबंधित पावन स्थल कुरुक्षेत्र में गीता जयंती समारोह के अवसर पर मनाया जाता है।			भारतीय कला व संस्कृति के संवर्धन हेतु उपयुक्त अवसर है। शास्त्रीय और लोक कलाकार कला प्रदर्शन करते हैं जिससे काफी लोग लाभान्वित होते हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में शिल्पकलाकारों को अपने उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री करने का अवसर प्राप्त होता है।	मंच कलाओं तथा शिल्प का संवर्धन और प्रसार करना और स्थानीय शिल्पों को जानकारी देना।	नियमित कार्यकलाप है।	
(v)	गुरू शिष्य परंपरा	लुप्त हो रहे कला रूपों का संवर्धन एवं परिरक्षण करना।			वर्ष के दौरान लगभग 330 गुरूओं तथा 1382 शिष्यों के लाभान्वित होने की संभावना है। कला रूपों का निर्धारण	गुरू शिष्य परंपरा को सुदृढ़ करना।	यह एक सतत् प्रक्रिया है।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					समय–समय पर राज्य सरकारों के परामर्श से किया जाता है।			
(vi)	रंगमंच सुदृढ़ीकरण	रंगमंच कलाकारों को नाटकों तथा अन्य रंगमंच कार्यकलापों के मंचन का अवसर प्रदान करना। साथ ही संयुक्त मंच पर एक दूसरे के साथ मेलजोल करना।			लगभग 245 रंगमंच समूह अपने नाटक प्रस्तुत करेंगे और रंगमंच के संवर्धन में 2112 से अधिक कलाकार और बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित होंगे। रंगमंच संबंधी कौशल को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाएंगी।	लोक तथा परंपरागत रंगमंच को बढ़ावा मिलेगा।	समय–समय पर रंगमंच संगठनों को रंगमंच संबंधी कला प्रदर्शन प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।	
(vii)	युवा प्रतिभावान कलाकार स्कीम	विभिन्न लोक कला रूपों में युवा प्रतिभावान कलाकारों को सम्मान देना और उन्हें प्रोत्साहित करना।			लगभग 238 युवा कलाकारों को चुना जाएगा।	लोक परंपराओं से जुड़े युवाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा।	समाचार–पत्रों में एक विज्ञापन दिया जाएगा और अन्य सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थानों से संपर्क किया जाएगा।	
(viii)	शिल्पग्राम	क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों द्वारा स्थापित शिल्पग्राम भारतीय कला एवं संस्कृति के संवर्धन एवं परिरक्षण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और प्रतिभावान दस्तकारों को मंच प्रदान कर रहे हैं। मुख्य उद्देश्य शिल्पग्राम/कलाग्राम में कार्यकलापों को बढ़ावा देना है।			बड़ी संख्या में कलाकार और दस्तकार लाभान्वित होते हैं। बड़ी संख्या में लोगों को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जानकारी दी जाती है।	दस्तकार लाभान्वित हुए और शहरी लोगों को परंपरागत शिल्पों के बारे में और अधिक जागरूक बनाया गया।	वर्षभर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यकलाप किए जाते हैं।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(ix)	पूर्वोत्तर उत्सव–ऑक्टेव	पूर्वोत्तर के इस प्रस्तावित उत्सव का उद्देश्य समान्यतः लोगों की और विशेषतः पूर्वोत्तर के कलाकारों की देश के शेष भाग से घनिष्ठ मेल–जोल बढ़ाने में सहायता करना है। इससे पूर्वोत्तर और शेष भारत के बीच की तथाकथित दूरी को कम करने में मदद मिलेगी।			लोक कलाकारों, संगीतकारों, आदि सहित पूर्वोत्तर के लगभग 2350 कलाकार देश के विभिन्न भागों में आयोजित किए जाने वाले अनेक कार्यक्रमों में कला प्रदर्शन करेंगे।	दर्शकों को पूर्वोत्तर क्षेत्र की रंग–बिरंगी तथा सजीव कला और संस्कृति प्रदर्शित करना।	जनवरी से मार्च, 2014 तक	
(x)	जनजातीय उपयोजना	पूर्वोत्तर राज्य के कलाकारों एवं दस्तकारों को उनकी कौशल परियोजना के लिए स्थाई मंच उपलब्ध कराना।			जनजातीय समुदायों को लाभ पहुंचाने के लिए सदस्य राज्य में कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे।	जनजातीय संस्कृति का अनुरक्षण और संवर्धन		
3.	**संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली**	अकादमी भारतीय संगीत, नृत्य व नाटक के संवर्धन व विकास, मंच कलाओं में प्रशिक्षण के मानकों को बनाए रखने, संगीत नृत्य नाटक के विभिन्न रूपों से संबंधित सामग्रियों के पुनरूज्जीवन, परिरक्षण, प्रलेखन तथा प्रसार के लिए और उत्कृष्ठ कलाकारों को सम्मान देने के लिए कार्य करती है।	9.85	13.00	अकादमी भारत की मंच कलाओं को आगे बढ़ाने में समर्पित है और यह प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से युवा पीढ़ी के प्रतिभावान कलाकारों तथा प्रख्यात वयोवृद्ध कलाकारों की कला प्रस्तुतियों की व्यवस्था करके तथा छात्रवृत्तियाँ प्रदान करके और प्रलेखनों द्वारा अपने इस उद्देश्य को प्राप्त करने का प्रयास करती है।			सामान्यतः प्रशासनिक स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	मंच कलाओं	मंच कलाओं की दुर्लभ परंपराओं की			1500 घंटे की श्रव्य और	मंच कलाओं के	नियमित सतत	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	की दृश्य–श्रव्य रिकॉर्डिंग, आंकडों का प्रलेखन एवं कंप्यूटरीकरण, राज्य / क्षेत्रवार सर्वेक्षण एवं सांस्कृतिक मानचित्रण, आईसीएच की राष्ट्रीय सूची का विकास एवं रख–रखाव, प्रलेखन में संगठनों एवं व्यक्तियों को विशेषज्ञता हेतु परियोजनाओं के लिए सहायता।	रिकार्डिंग का परिरक्षण और संग्रह, मंच कलाओं के सैद्धांतिक और शैक्षिक ज्ञान का विकास और मंच कलाओं के संबंध में साहित्य प्रकाशित करना।			दृश्य रिकार्डिंग, 12 वीडियों सीडी, 3000 फोटों शामिल किए जाएंगे। 10–15 स्टूडियों और फील्ड रिकॉर्डिंग, अभिलेखागार सामग्री से संबंधित डाटाबेस के निकास साफ्टवेयर कार्यक्रम आईसीएच कार्य के लिए प्रस्तुत किए जा रहे नामांकन के लिए शुरू किए जाने वाली 4 राज्यों में मानचित्र परियोजनाएं संसाधन केन्द्र और डाटाबेस स्थापित करना। वित्तीय सहायता दी जाने वाली 4 परियोजनाएं।	संबंध में डाटा आधार का विस्तार, छात्रवृत्तियों का विकास और युवा छात्रों को प्रोत्साहन, सूचना और साहित्य को और अधिक मात्रा में उपलब्ध कराना ताकि छात्रों, शिक्षकों और कलाकारों द्वारा अपने नीति निर्माण और वास्तविक अनुप्रयोग की योजना बनाई जा सके।	स्कीम	
(ii)	राष्ट्रीय मंच कला संग्रहालय, अभिलेखागार एवं पुस्तकालय नई दिल्ली	एक पृथक भवन/परिसर का अधिग्रहण करके अकादमी के मौजूदा संग्रहालय में संगीत उपकरण, कठपुतलियाँ, मुखौटे			एनएमपीए के लिए डीडीए से भूमि, रबीन्द्र भवन में उपलब्ध स्थान का उन्नयन, कोलकाता में संगीत वाद्ध यंत्र संग्रह बनाने के लिए केन्द्र। संगीत उपकरणों, मुखौटों, कठपुतलियों,	अमूर्त रूपों का परिरक्षण (भारतीय मंच कलाओं की		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	मंच कला अभिलेखागार मंच कला पुस्तकालय	और अन्य कलावस्तुओं को लाकर उसे मंच कलाओं के राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय में विकसित करना। अकादमी के अपने अभिलेखागार के समृद्ध संग्रह के अलावा देश में बिखरे हुए दुर्लभ संग्रहों को प्राप्त करके और अकादमी के मौजूदा विशिष्ट पुस्तकालय का विस्तार करके दक्षिण भारत में एक समानांतर अभिलेखार सहित भारत की मंच कलाओं के श्रव्य–दृश्य और फोटोग्राफी रिकार्डों के एक अन्यतम अभिलेखागार का विकास करना। मंच कलाओं पर अकादमी के मौजूदा विशेषीकृत पुस्तकालय का विस्तार करना और इसके संपूर्ण संग्रह का डिज़िटलीकरण करना तथा इसे ऑन–लाइन उपलब्ध कराना।			पोशाकों आदि जैसी 200 संग्रहालयों वस्तुओं का अधिग्रहण करना। संगीत उपकरण बनाने पर समर्थन परियोजना 3 सूची पत्रों की तैयारी करना, 110 वस्तुओं का अधिकरण करना, उपकरण और मुखौटा बनाने में 3 कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना। गुवाहाटी, तिरूअनंतपुरम आदि में एसएनए केन्द्र में विषय–वार अभिलेखागारों की स्थापना करना। समाचार पत्रों , क्लिपिंग्स, मौनोग्राफों और फोटोग्राफी आदि का डिजीटिकरण।	संपदा, संग्रहालयों, अभिलेखागारों और पुस्तकालयों की सुविधा को जोड़ते हुए इस संपदा के विषय में सूचना और ज्ञान की एक समेकित प्रणाली का विकास करना।) मौजूदा अभिलेखीय सम्पत्ति का अनतंकाल तक परिरक्षण करना। कलाकारों तथा शोध छात्रों के लिए पुस्तकालय के संग्रह में वृद्धि करना।		
(iii)	भारत के विशिष्ट क्षेत्रों/रूपों के लिए राष्ट्रीय	विशिष्ट प्रशिक्षण के माध्यम से व्यवसायिक मानदंड के कथक नृतक तैयार करना। कुटियट्टम के लिए अकादमी की			वर्ष में नृत्य नाट्य की 3–4 नई प्रस्तुतियाँ। विभिन्न राज्यों में 3–4 मंचकला उत्सव, नृत्य की 5–6 नई प्रस्तुतियां कथक	राष्ट्रीय स्तर के मंच कलाकार संस्थानों का विकास, प्रशिक्षण	यह चल रही स्कीम है और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए	*(कॉलम 5 से)प्रख्यात मास्टरों और अग्रणी संस्थाओं के

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	संस्थान और केन्द्र : ज्वाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, कथक केन्द्र, नई दिल्ली, कुटियट्टम केन्द्र, केरल, सतरिया केन्द्र, गुवाहाटी, पुतुल केन्द्र नई दिल्ली, छऊ केन्द्र, बारीपदा/जमशेद पुर, द्रुपद केन्द्र, हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक संगीत में विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय परियोजना और अन्य राष्ट्रीय परियोजनाएँ	परियोजना सहायता का उन्नयन और विकास करना। पूर्वी क्षेत्र के छऊ नृत्यों को सहायता की चल रही परियोजना का उन्नयन और विकासकरना। भारत के परंपरागत भूमि लोक रंगमंच रूपों–कर्नाटक का यक्षगान, तमिलनाडु का भगवत मेला में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकास करना। विशिष्ट प्रशिक्षण पाठ्क्रम के माध्यम से व्यावसायिक मानदंड के मणिपुरी नृत्य तैयार करना। सतरिया नृत्य और संबंधित संगीत और रंगमंच परंपराओं के लिए अकादमी की परियोजना सहायता का विकास करना।			पर सेमिनार, कथक केन्द्र रिपर्टरी कम्पनी का विस्तार 3 कथक उत्सव, कथक महोत्सव। कुटियट्टम की चल रही परियोजना, जिसमें कई परियोजनाएँ, प्रशिक्षण, प्रस्तुतियाँ, शोध और प्रदर्शन शामिल हैं, से संस्थाओं के अनेक कलाकारों और विद्वानों को सीधे लाभ प्राप्त होगा। सट्टारिया नृत्य आदि नृत्य पर्व वार्षिक उत्सव/कठपुतलियां बनाने में प्रशिक्षण और कठपुतलियां नचाना और वार्षिक उत्सव का आयोजन। छऊ नृत्य की चल रही परियोजना जिसमें कई परियोजनाएँ, प्रशिक्षण, प्रस्तुतियाँ, शोध और प्रदर्शन शामिल हैं, से शहरी और अर्द्ध शहरी क्षेत्रों के लगभग 300 कलाकारों और छात्रों को सीधे लाभ प्राप्त होगा। ध्रूपद पर विशेष ध्यान देने सहित संगीत का फैस्टल/विशेष प्रलेखन और	एवं अभिनय के उच्च मानकों की स्थापना, बडी संख्या में दर्शकों एवं अकादमी आधारित संस्थान सृजित किए जायेंगे।	निर्धारित रूप में स्कीम कार्यान्वित की जाएगी।	अधीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए सहायता। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना और वित्तीय सहायता देना और रामलीला और वैदिक मंत्रों के लिए सांस्कृतिक समारोह। आईसीएच की तत्काल सुरक्षा सूची एवं प्रतिनिधिमंडल सूची संबंधी कूटलेखन के लिए मंचकला उम्मीदवारों का सांस्कृतिक मानचित्रण और सूची बनाना। यूनेस्को के लिए 20 डोजियर पर

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					प्रशिक्षण शुरू करना।			कार्य करना। संगीत, ग्वालियर के लिए स्थापना/विकास परियोजना केन्द्र। कठपुतली कला के लिए केन्द्र, नई दिल्ली ; ओडिशी नृत्य एवं संगीत, भूवनेश्वर आदि के लिए केन्द्र।
(iv)	अनुसंधान और प्रकाशन (अनुसंधान, प्रकाशन, मंचकला, डाटा बेस, मंचकला का विश्वकोश और शैक्षणिक सेमिनार आपसी साक्षात्कार कार्यशाला)	संगीत, नृत्य एवं थिएटर के विभिन्न रूपों को सहायता देना। पारंपरिक कला के युवा सदस्यों को प्रोत्साहित करना। घरानों, पारंपरिक स्टाइल आदि, ऐसे रूपों को सहायता देना जो परिवर्तन से भयभीत हैं। मंचकला के सिद्धांत एवं शैक्षणिक ज्ञान का विकास, इस क्षेत्र के अनुसंधान अध्येताओं को सहायता, मंचकला संबंधी विचारों एवं तकनीकों का विस्तृत आदान–प्रदान।			कर्नाटक संगीत संबंधी 3 अनुसंधान कार्य, तेलगु नाटक/थियेटर और पूर्वी भारत का लोक गायन (झूमर) 6 पुस्तकें, 8 पत्रिकाएं, 12 समाचार बुलेटिन (हिन्दी और अंग्रेजी), 1 वार्षिक रिपोर्ट। विशिष्ट परियोजनाओं को चालू करने से पूर्व कलाकृतियों जैसे मुद्रित और अन्य संसाधनों के क्षेत्र का विस्तृत मानचित्रण। विश्वकोष के लिए 5 विद्वानों	उत्कर्ष ज्ञान का विस्तार, कलात्मक पद्धति के परिरक्षण और नवीकरण दोनों के संबंध में वी जटिलताओं सहित भारत में मंचकला विरासत का समृद्ध होना। मंचकला के क्षेत्र मामलों की		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					को लगाया जाएगा।	जागरूकता के ज्ञान का विकास और सज़ातीय विषयों में परसंसेचन।		
(v)	**संगीत को सहायता :** संगीत की मुख्य क्षेत्रीय परंपराओं को सहायता। संगीत के चिन्हित रूपों/ विषयों में प्रशिक्षण कार्यक्रम, संगीत में प्रयोगिक सृजनात्मक कोरल और समस्टी को सहायता, युवा कलाकारों को सहायता, उत्सव कार्यशाला/सेमि	क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर जीवंत अभ्यास में भारतीय संगीत, नृत्य, थिएटर और जनजातीय लोक परम्पराओं का अनुरक्षण, संवर्धन और विकास करना तथा संपूर्ण राष्ट्र में विचारों, विषयों और तकनीकों के आदान प्रदान को सहायता।			ब्राहदेसी और मांड परंपरा संबंधी पर 2 उत्सव एवं उत्तर पूर्व, पश्चिम, दक्षिण और केंद्रीय क्षेत्रीय परंपराओं के एक–एक राष्ट्रीय उत्सव। चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम और 12 नए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संस्तुति करना। प्रयोगात्मक सर्जनात्मक कोरल एवं संगीत में समाविष्ट कार्य। पर जोर देने वाला 1 उत्सव। पूर्व एवं दक्षिण क्षेत्र में युवा संगीतज्ञों के लिए 2 उत्सव। भुवनेश्वर में संगीत संगम;ढुमरी और ध्रुपद उत्सव; टप्पा संबंधी उत्सव, सेमिनार एवं कार्यशाला। प्रस्ताव प्राप्त होने पर 5–6 अनुसंधान परियोजनाओं को सहायता दी जाएगी। 250 से अधिक सांस्कृतिक संस्थानों को वित्तीय	सांस्कृतिक संगठनों की बडी संख्या स्थिर की जाएगी ; विद्वतापूर्ण एवं शैक्षणिक कार्यों में तेजी आएगी।	यह एक जारी स्कीम है एवं पूरे वर्ष अनुदान जारी किया जाएगा। यह एक जारी स्कीम है एवं पूरे वर्ष अनुदान जारी किया जाएगा। यह एक जारी स्कीम है एवं पूरे वर्ष अनुदान जारी किया जाएगा। यह एक जारी स्कीम है एवं	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	नार आदि।				सहायता द्वारा मदद दी जाएगी। आंध्र नाट्यम, मोनिअट्टम, पारंपरिक युद्धकला आदि संबंधी नृत्य पर्व उत्सव, प्रशिक्षण कार्यक्रम। पूर्वोत्तर में निर्देशकों द्वारा युवा नर्तकों हेतु उत्सव। मुख्य प्रोयागत्मक एवं नवोन्मेशी नृत्य उत्सव। 2–3 उत्पादोन्मुख नाटककारों की कार्यशाला। लोक/जनजातीय रूपों में 10 नए प्रशिक्षण कार्यक्रम, लोक उत्सव संबंधी 5 क्षेत्रीय उत्सव/ सेमिनार। 10 अनुसंधान परियोजनाओं को सहायता दी जाएगी एवं लोक/जनजातीय कला के लिए 100 संस्थानों/ पुस्तकों को वित्तीय सहायता दी जाएगी।		पूरे वर्ष अनुदान जारी किया जाएगा।	
(vi)	पुरस्कार, सम्मान और ईनाम – एसएनए अध्येतावृत्तियाँ और पुरस्कार (अकादमी रत्न	मंच कलाओं में उत्कृष्टता और स्थाई योगदान को पहचानना और प्रतिष्ठित पुराने कलाकारों को सहायता देना। अकादमी, अध्येतावृत्तियॉ और अकादमी पुरस्कार प्रदान करती है। (अध्येतावृत्तियाँ 30 जीवित व्यक्तियों तक सीमित है।)			33 अकादमी पुरस्कार, 2 अध्येतावृतिया और युवा कलाकारों को 33 युवा पुरस्कार।	कलाकारों को उनकी मंच कला को आगे प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय सम्मान।		बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार 35 वर्ष से कम आयु के युवा कलाकारों को मान्यता देने एवं प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	सदस्यता और पुरस्कार) बिस्मिल्ला खाँ युवा पुरस्कार, युवा पुरस्कार,	35 वर्ष से कम आयु के युवा कलाकारों के लिए उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ युवा पुरस्कार का आरंभ किया गया है। इस पुरस्कार के लिए 25,000 रू. की राशि प्रदान की जाती है। अकादमी पुरस्कार प्रतिवर्ष अधिकतम 33 कलाकारों को दिए जाते हैं। अध्येतावृत्तियां एवं पुरस्कार स्वरूप 3,00,000/– रू. एवं 1,00,000/– रू., तामपत्र एवं एक साल प्रदान किया जाता है।				युवा कलाकारों को राष्ट्रीय सम्मान।		2006 से अकादमी द्वारा उस्ताद बिस्मिल्लाह खान के नाम पर इस पुरस्कार को प्रारंभ किया गया। पुरस्कार स्वरूप 25000/– रू. की राशि प्रदान की जाती है।
(vii)	अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम मंचकला इंडो एशियाई परियोजना अन्य देशों के राष्ट्रीय मंच कला संस्थानों के साथ वार्ता। एनआरआई एवं पीआईओ कलाकारों एवं अध्येताओं के	भारत सरकार विभिन्न देशों के साथ सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रमों का संचालन करती है जिससे प्रत्येक अन्य सांस्कृतिक विरासतों को बेहतर समझा जा सके। सांस्कृतिक आदान–प्रदान के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, भारत सरकार विभिन्न देशों के साथ सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रमों का संचालन करती है जिससे प्रत्येक अन्य सांस्कृतिक विरासतों को बेहतर समझा जा सके।ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित ट्रेनेल की तर्ज पर भारत एवं विदेशों में सांस्कृतिक संस्थानों के साथ बेहतर समझ के			विदेशों के साथ कार्यक्रमों में शामिल सांस्कृतिक आदान प्रदान। पडोसी देशों की राष्ट्रीय अकादमियों के साथ संयुक्त निष्पादन। प्रमुख एशियाई उत्सवों में 6 समूहों को प्रायोजित करना। भारत और चीन के उत्सवों में सेमिनार / प्रदर्शनी आयोजित करना। प्रतिनिधिमंडल का चीनी दौरा, ब्राजील एवं मैक्सिको में भारत का उत्सव, आईएफसीईपी के तहत 6 पारस्परिक सांस्कृतिक	देश के वृहद वैश्विक छवि निर्माण के लिए भारत के सांस्कृतिक संबंधों और विचारों, विषयों, तकनीकों, प्रारूपों आदि के आदान–प्रदान के विकास के लिए।		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	लिए उन्नयन एवं रिफ्रेशर पाठ्यक्रमों के लिए सहायता। आईसीएच, एवं सांस्कृतिक विविधता के यूनेस्को सम्मेलन का कार्यान्वयन। भारत–विदेशी सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम। प्रदर्शनियां एवं सेमिनार तथा अंतरराष्ट्रीय उत्सव।	उद्देश्य और विचारों के आदान–प्रदान तथा वार्ता हेतु बेहतर अवसर सृजित करने के लिए मंचकला के अंतरराष्ट्रीय उत्सवों का आयोजन करने का निश्चय किया है।			आदान प्रदान का कार्यान्वयन।			
(viii)	**मंचकला संबंधी फिल्मों वृत्तचित्रों,टी.बी. कार्यक्रमों डीवीडी और एसीडी का निर्माण।** तानसेन,				प्रख्यात व्यक्तियों पर 2–3 फिल्मों जैसे शुरु की गईं परियोजनाएं। 2–3 वृत्तचित्रों का निर्माण।			

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	कालीदास, स्वामी हरिदास, त्याग राजा जैसे महान एतिहासिक व्यक्तितों पर उच्चस्तरीय फिल्में, प्रख्यात कलाकारों एवं टीवी चैनलों के लिए मंचकला के महत्वपूर्ण विषयों पर विडियों वृत्तचित्र, संगीत नाटक अकादमी के अभिलेखीय संग्रह से डीवीडी एवं ऑडियों सीडी। **बाह्य छात्रों एवं शैक्षिक संस्थानों के लिए विशेष रूप से**							

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	डिजाइन किए गए मॉडयूल							
(ix)	**भवन संरचना, विकास एवं रख–रखाव** मेघदूत थिएटर परिसर, रबीन्द्र रंगशाला, नई दिल्ली, कथ्थक केन्द्र नई दिल्ली, के लिए नया कैम्पस, एनएमपीए, नई दिल्ली के लिए कैम्पस, रबीन्द्र भवन सुविधाओं का विकास, एसएनए शिलांग का पूर्वोत्तर केन्द्र, कुटिअट्टम केन्द्र के लिए कैम्पस,	केन्द्रीय दिल्ली में एक महत्वपूर्ण परिसर बनाए रखने, रबीन्द्र रंगशाला नई दिल्ली का रख–रखाव, चाणक्यपुरी नई दिल्ली में कथक केन्द्र के लिए भवन का निर्माण करने, परिसर की संयुक्त सेवाओं द्वारा रबीन्द्र भवन सुविधाओं में सुधार, अकादमी के कार्य हेतु कलाकारों की बेहतर पहुंच के लिए प्रस्तावित किए गए अकादमी के क्षेत्रीय केन्द्र, क्षेत्र में सफल कार्यकलापों के समन्वय एवं विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करना, जेएनएमडीए के लिए नया कैम्पस – इंफाल, मणिपुर में जेएनएमडीए के नए भवन का निर्माण करना और विद्यार्थियों को उपयुक्त हॉस्टल उपलब्ध कराना, अनेक कलारूपों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्रदर्शनी एवं कार्यशाला के परिरक्षण एवं विकास को सुविधाजनक बनाना। आसाम के पारंपरिक सतरिया नृत्य का संचालन।			कलात्मक प्रयोग के लिए एक मुक्त थिएटर, एक बंद थिएटर, एक प्रदर्शनी वीथि का रख–रखाव एवं सुधार किया जाएगा। रबीन्द्र रंगशाला का रख–रखाव। किराए पर लिए गए परिसर में स्थित कथक केन्द्र। 5 तलों के एक भवन का निर्माण पूरा होने वाला है जिसमें सौन्दर्यकरण आधुनिक तकनीकी उपकरणों से सुसज्जित कलाकृतियों के प्रदर्शन के लिए संग्रहालय, अनुसंधान कार्य के लिए अनुसंधान अध्येताओं हेतु स्थान जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इंफाल में जेएनएमडीए परिसर के लिए नए भवन का निर्माण/ नवीनीकरण का कार्य शुरू किया जाएगा। गुवाहाटी में किराए पर लिए			

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	सतरिया केन्द्र के लिए तिरूअनंतपुरम कैम्पस, **छऊ केन्द्र के लिए कैम्पस।**				गए परिसर में स्थित एवं स्थापित केन्द्र। तिरूअनंतपुरम में किराए के परिसर में स्थापित एवं चल रहा कुटिअट्टम केन्द्र। गुवाहाटी में किराए के परिसर में स्थापित एवं चल रहा सतरिया केन्द्र। किराए के परिसर में चल रहा छऊ केन्द्र।			
4	**ललित कला अकादमी**	दृश्य तथा प्लास्टिक कलाओं का संवर्धन। इसका उद्देश्य आधुनिक और समकालीन कला की गहरी समस्या को प्रोत्साहित करना है।	9.60	8.00	स्थापना सीर्श के तहत के.सा. स्वा.स्कीम का भुगतान, चिकित्सिय व्यय, सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान भी गैर–योजना बजट से किया जाएगा।	समूहों एवं किराए की दरों एवं करों संबंधी व्यय भी गैर–योजना बजट से किया जाएगा (क्षेत्रीय कार्यालयों सहित)।		सामान्तया प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	दृश्य तथा प्लास्टिक कला के क्षेत्र में संवर्धनात्मक कार्यकलाप। **कला विकास/कला**	अकादमी के मुख्य उद्देश्य विशेषतः समकालीन कला के क्षेत्र में देश के कला कार्यकलापों के विकास हेतु कलाकार समुदाय को बुनियादी ढांचागत सुविधाएं प्रदान करना है।			प्रदर्शनी : राष्ट्रीय – 1 सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत शिष्टमण्डल कार्यक्रमों का आदान–प्रदान – 5 बाहर जाने वाली प्रदर्शनियाँ – 5 आने वाली प्रदर्शनियाँ – 4 चल प्रदर्शनी – 3	ललित कला के क्षेत्र में लगे हुए लोगों को लाभ होगा और राज्य अकादमियों और ज़ेडसीसी के साथ कार्यक्रम आयोजित करके जनसाधारण को	पूरे वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	संवर्धन सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम, आवक प्रदर्शनी, राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी, कला संचार व प्रसार, अभिलेख व स्लाइड व्यय, व्याख्यान व सेमिनार, शिविर व कार्यशालाएं, साहित्य अकादमी व कलाकार संगठनों को अनुदान, मुख्यालय कला विधि, वातानुकूलन व्यय, जावक प्रदर्शनी, विशेष प्रदर्शनी, लोक				संरक्षित/विशेष प्रदर्शनी – 2 शिविर एवं कार्यशालाएं – 10 कलाकार निवास कार्यक्रम –3 कुमार स्वामी स्मारक व्याख्यान – 1 एलकेए दीर्घा में प्रदर्शनी – 170 कला संगठनों को सहायता अनुदान – 25 कला कृतियों का संरक्षण/जीर्णोद्धार – 150 12वां ट्रायनल इण्डिया–1 छात्रवृतियां–40, अध्येतावृत्ति–1, कला फिल्मशो/सलाइड शो/व्याख्यान – 50 प्रकाशन–25, **क्षेत्रीय** कार्यक्रम–35, आर्ट फिल्मशो/स्लाइड शो/व्याख्यान–30, पूर्वोत्तर कला का कॉन्कलेव – 1 राष्ट्रीय कला उत्सव–1 'आक्टेव' के तहत पूर्वोत्तर आदान–प्रदान कार्यक्रम–1, पूर्वोत्तर कैम्प एवं कार्यशाला – 3, पूंजीगत कार्य–3, गढ़ी स्टूडियों, नई दिल्ली व क्षेत्रीय	जागरूक बनाना। छात्रवृत्तियां, अध्येतावृत्तियां मुहैया करना, स्मारक व्याख्यान/कार्यशालाओं का प्रबन्ध करना कला प्रकाशन निकालना।		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	जनजातीय व पारम्परिक कला पर सर्वेक्षण, संरक्षण व पुनरूद्धार, पूर्वोत्तर के कार्यक्रमों के अलावा कला उत्सव 19वें राष्ट्रमण्डल खेल, कार्यक्रम व बुनियादी ढांचागत सुविधाएं रविन्द्र नाथ टैगोर की 150वीं वर्षगांठ, कार्यक्रम, अध्येतावृति व शिक्षावृति व प्रलेखन क्षेत्रीय केन्द्र पूर्वोत्तर कार्यक्रम, नए क्षेत्रीय केन्द्रों, कोलकाता, गढी				केन्द्र, कोलकाता के पहले चरण का निर्माण, **जनजातीय कार्यक्रम** राष्ट्रीय आदिवासी कैम्प –1, आदिवासी और लोक कला प्रदर्शनी –1 क्षेत्रीय कैम्प – 3, सामान्य परिषद का चुनाव।			

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	की स्थापना।							
5	**साहित्य अकादमी**	24 भाषाओं में भारतीय साहित्य का प्रकाशन तथा संवर्धन कार्य करना। नई दिल्ली और क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता, मुम्बई और बंगलौर स्थित पुस्तकालयों का निर्माण और उन्नयन करना।	8.10	13.00	स्थापना शीर्ष के अधीन के.स. स्वा.यो. (सीजीएचएस) अंशदान का भुगतान, सेवानिवृत्ति लाभ का भुगतान भी गैर–योजना बजट से किया जाता है।	आकस्मिकताओं और किराया पर खर्चे, दरें और कर भी गैर–योजना बजट से पूरे किए जाते हैं (इसके क्षेत्रीय कार्यालयों सहित)		सामान्तया प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान का इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	पुस्तकालयों तथा सूचना सेवाओं का उन्नयन।	पाठकों/प्रबुद्ध व्यक्तियों को पुस्तकों की समग्र श्रृंखला प्रदान करना और एक ही स्थान पर भारत में लेखकों तथा साहित्यिक कार्य*कलापों* के बारे में मूल सूचना को अद्यतन करना, दृश्यों की आधुनिक अभिलेखागार यूनिट के साथ साहित्य के क्षेत्र में प्रख्यात लेखकों तथा विद्वानों पर वृत्तचित्र बनाना।			विदेशी पुस्तकों सहित 6000 पुस्तकों की खरीद, समाचार पत्र, पत्रिकाएं, जर्नल्स, फोटोकॉपी मशीन का किराया प्रभार, पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के लिए एएमसी, यूपीएस, सर्वर, सीसीटीवी, पांच कंप्यूटरों की खरीद, प्रिंटर और कोलकाता, मुम्बई, बंगलौर और मुख्यालय में 3 क्षेत्रीय पुस्तकालयों के लिए 2 स्कैनर, पुस्तकालय एवं पठन कक्ष का विकास जिसमें सामान्य भंडारण, ऑन लाइन डाटाबेस, प्रलेखन, ग्रंथ सूची जिसमें 24 भाषाओं एवं ग्रंथ सूची परियोजना में रेट्रो रूपांतरण	24 भाषाओं में साहित्यिक मूल्यवान प्रलेखों/पुस्तकों का पुनरूद्धार और सिस्टम को पाटकों के अधिक अनुकूल बनाया जाएगा। इस अभिलेखागार यूनिट का विकास, आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आधुनिक गैजेट की सुसज्ति करना	यह एक अनवरत स्कीम है तथा लक्ष्य तिमाही आधार पर प्राप्त किए जाएंगे।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					सहित पुस्तकालय विकास के लिए प्रावधान शामिल होंगे। भारतीय लेखक – प्रकाशन कौन क्या के 2 खंड।			
(ii)	**प्रकाशन स्कीम**	भारतीय साहित्य के अकादमी प्रसार के बुनियादी उद्देश्य को पूरा करना और बहुभाषी सोसाइटियों को अन्य भाषा से भारतीय साहित्य की उत्कृष्ट कृतियों को उनकी भाषाओं में उपलब्ध कराना, साहित्य का इतिहास, भारतीय लेखकों पर विनिबंधों, महत्वपूर्ण भारतीय तथा विदेशी प्राचीन ग्रंथों का अनुवाद, काव्य, लघु कथाओं, एकांकी नाटकों, साहित्यिक निबंधों आदि के संग्रह।			इन प्रकाशन स्कीम के तहत कागजातों की खरीद, छपाई, बाइंडिंग, संपादन, डिजाइनिंग, प्रूफ रीडिंग, प्रसंस्करण अथवा साहित्य अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भाषाएं इत्यादि शामिल हैं। इसमें पुस्तक प्रयोग पुरस्कार, नवोदय श्रंखलाएं, बाल साहित्य, भारतीय श्रेण्य ग्रंथ, विदेशी श्रेण्य ग्रंथ आदि भी शामिल होंगे। इसके अलावा जर्नल्स भारतीय साहित्य की राष्ट्रीय ग्रंथ सूची और रॉयलटी विषय मुद्दे शुरू किए जाएंगे जिसके तहत विभिन्न जर्नल्स भारतीय साहित्य की राष्ट्रीय सूची के पांच खंडों की प्रिंटिंग आदि शुरू की जाएगी।	इसमें पुस्तकों, अकादमी के तीन जर्नलों का प्रकाशन, महत्वपूर्ण पुस्तकों का पुनः मुद्रण और विदेशी भाषाओं का संग्रह निकालना आधुनिक भारतीय साहित्य की शास्त्रीय कृतियां शामिल हैं। यह स्कीम अकादमी के मूल उद्देश्यों को पूरा करने के लिए है। नामतः भारतीय साहित्य का प्रकार और अन्य भाषाओं से देश के पाठकों का उपलब्ध	लक्ष्यों को प्राप्त करना	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						कराना। इस स्कीम में भारतीय भाषाओं के राष्ट्रीय ग्रंथ सूची को अद्यतन करने की भी परिकल्पना है। भारतीय साहित्य और समकालीन भारतीय साहित्य का वार्षिक प्रत्येक 10 भाषाओं में प्रकाशित किया जाएगा।		
(iii)	**साहित्यिक कार्य तथा कार्यक्रम**	महान लेखकों की जयंतियाँ मनाना, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, लेखक शिविर, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ आदि आयोजित करना। 'लेखक से भेंट' पुरूष और पुस्तकें आदि योजित करके समय–समय पर मेलजोल के लिए लेखकों को मंच प्रदान करना।			24 भाषाओं में 111 सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। जबकि प्रत्येक भाषा में 30–40 भागीदार भाग लेंगे। 2 अंतरराष्ट्रीय सेमिनार उर्दू में / 2 अंतरराष्ट्रीय सेमिनार अंग्रेजी में। 75 साहित्यिक मंच, 60 लेखक बैठक, 40 व्यक्ति एवं पुस्तकें, पूरे भारत, पूर्वोत्तर से 24 भाषाओं में परिसंवाद आयोजित किए जाएंगे। 4 राष्ट्रीय सेमिनार अथवा युवा	प्रख्यात लेखकों और कवियों के साहित्यक कार्यों को जनता में संवर्धन करना और लेखकों और साहित्य पर विचारों के आदान–प्रदान के लिए आम आदमियों हेतु सुविधा मुहैया	यह एक अनवरत स्कीम है और कार्यक्रमों का आयोजन समितियों की सिफारिशों के अनुसार किया जाएगा।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					लेखक बैठक और 2 महिला लेखक बैठक आयोजित की जाएगी।	करना।		
(iv)	**लेखकों को सेवाएं/ पुरस्कार**	भारतीय भाषा के सृजनात्मक युवा और अनुभवी लेखकों को, सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत विदेश भेजना और विदेशी लेखकों के शिष्टमंडल की मेजबानी करना, अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त सभी 24 भारतीय भाषाओं में उन साहित्यिक कार्यों को पुरस्कार देना जिनकी गुणवत्ता की सराहना की गई है और जो उत्साहवर्धक हों। प्रसिद्ध लेखकों को भारतीय साहित्य में उनके योगदान के लिए मानद अध्येतावृत्तियाँ देना।			क) लेखकों को यात्रा अनुदान (24 भाषाओं में 10 लेखकों के लिए 15000/–रू. की राशि प्रति लेखक)। ख) साहित्यिक आदान–प्रदान ग) लेखकों और अध्येताओं को वार्षिक पुरस्कार (24 भाषाओं में 24 लेखकों के लिए 1,00,000/–रू. की राशि का 1–1 पुरस्कार)। घ) सदस्यों को यात्रा भत्ता (2 सामान्य परिषद बैठकों के लिए 80 सामान्य परिषद सदस्यों को यात्रा भत्ता, प्रतिभागिता शुल्क, रहने–खाने आदि, 2 वित्त समिति बैठकों आदि, 3 ईबी बैठकों के लिए कार्यकारी बोर्ड के 30 सदस्यों, और भाषा के लिए, 24 भाषा सलाहकार बोर्ड और 24 भाषा सलाहकारी बैठकों के लिए भत्ता)। ड.) राज्य अकादमियों को	युवा लेखकों, रचनाकारों, अध्योताओं आदि को वित्तीय लाभ देकर उनमें साहित्यिक संस्कृति को प्रोत्साहित करेगी और उसका संवर्धन करेगी। यह युवा लेखकों को अपने विचारों और अपने देशवासियों के जीवन और साहित्यिक अध्ययन के संबंध में आदान–प्रदान के लिए एक प्लेटफार्म के रूप में कार्य करेगी और इस प्रकार उनकी जागरूकता	यह एक अनवरत स्कीम है।	अकादमी विभिन्न भारतीय उत्सव, विभिन्न देशों के साथ सहयोग और पुस्तक मेलों में सक्रिय रूप से भाग लेगी जिनकी आई.सी.सी. के जरिए मेजबानी की जा रही है।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					सहायता (3 प्रख्यात लेखकों के लिए यात्रा भत्ता एवं मानदेय उपलब्ध कराना)। च) 70 लेखकों/ विद्वानों जो भारतीय नागरिक हों के लिए 6 माह के लिए 25000/– रू. की दर से 105 लाख रू. निवासी लेखकों को) छ) लेखकों को चिकित्सीय सहायता (प्रख्यात भारतीय लेखकों जो स्थायी बीमारी से पीडित हों)	और सूक्ष्मग्रहिता को बढ़ायेगी।		
(v)	**अकादमी प्रकाशनों/पुस्तक की बिक्री/ प्रदर्शनियों का संवर्धन**	इसका उद्देश्य गहन रूप से अकादमी के प्रकाशनों की बिक्री बढ़ाने साहित्यिक जर्नलों के माध्यम से अकादमी के प्रकाशनों का विज्ञापन करना है। क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुस्तक प्रदर्शनियाँ आयोजित करना और उनमें भाग लेना।			पुस्तक प्रदर्शनी एवं मेले, अंतरराष्ट्रीय नामतः विश्व पुस्तक मेला, अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में भागीदारी सहित पूरे देश में 160 प्रदर्शनियां आयोजित की जानी हैं।	पुस्तक प्रदर्शनियों के आयोजन करके विभिन्न राज्यों एवं देशों के प्रख्यात लेखकों की नवीनतम पुस्तकों को बढ़ावा देना तथा प्रसार करना।	यह एक अनवरत स्कीम है।	अकादमी के प्रकाशनों के संवर्धन के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों में पुस्तकों की दुकाने खोलने में कार्यक्रम 12 योजना के दौरान भी जारी रहेगा।
(vi)	अनुवाद स्कीम क्षेत्रीय साहित्य अध्ययन	यह स्कीम की साहित्यिक गतिविधियों की धुरी है जिसके अधीन वार्षिक 24 भाषाओं में अनुवाद पुरस्कार दिए जाते हैं			इसके 4 अनुवाद केन्द्र बैंगलोर, कोलकाता, नई दिल्ली और अहमदाबाद में हैं तथा	अनुवाद भाषाओं और साहित्यिक कार्यकलापों के	यह एक अनवरत स्कीम है तथा	बल साहित्य के संवर्धन के लिए, युवा लेखकों को

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	परियोजनाएं भाषाओं का विकास, अध्येतावृति, कुमार स्वामी व प्रेमचंद, बाल साहित्य पुरस्कार और युवा, पुरस्कार।	अन्तर क्षेत्रीय अध्ययन स्वीकार करने के लिए 4 क्षेत्रीय बोर्ड का गठन करना, 24 मान्यता प्राप्त भाषाओं का विकास और प्रोत्साहित करना। भाषाओं के विकास के लिए अकादमी द्वारा बड़ौदा में स्थापित एक प्रोजेक्ट कार्यालय विभिन्न साहित्यिक गतिविधियां चलाता और आयोजित है और अनुवाद कार्यशालाएं आयोजित करता है। विदेशी लेखक और विद्वान उनकी विशिष्ट अवधि के लिए आमंत्रित किए जाते हैं ताकि भारती/साहित्य/भाषाओं के संबंध उनकी साहित्यिक जागरूकता को बढ़ाया जा सके, युवा सृजनात्मक लेखकों बच्चों को पुरस्कार देना।			आधुनिक–पूर्व प्राचीन और आधुनिक भारतीय श्रेण्य ग्रंथों का अनुवाद शुरू किया गया है और नियमित कार्यशालाएं भी चल रही हैं। 50,000/–रू. प्रत्येक पुरस्कार देते हुए 24 भाषाओं में उत्कृष्ठ अनुवाद के लिए अनुवाद पुरस्कार दिए जाएंगे। पुरस्कार पानी वाली पुस्तकों का अनुवाद और बाल साहित्य का अनुवाद शुरू किया जाएगा। क्षेत्रीय साहित्यिक अध्ययन प्रयोजना के तहत 4 कार्यशालाएं वार्षिक आधार पर 4 सेमिनार भी 4 क्षेत्रीय बोर्डों के अंतर्गत आयोजित किए जाएंगे। मध्यकालीन एवं प्राचीन भारतीय साहित्य संबंधी कार्य भी नए शिरे से शुरू किए जाएंगे। भाषा विकास बोर्ड ने सिफारिश की है कि अकादमी को 24 भाषाओं में साहित्य को बढ़ावा देना चाहिए जिससे पृथक परियोजना कार्यालय की स्थापना की जा सके।	लिए एक प्रभावशाली गतिशील तंत्र है। क्षेत्रीय और आदिवासी भाषाओं में साहित्यिक कार्यकलापों के संवर्धन और विकास के लिए अकादमी द्वारा निर्धारित विभिन्न लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भारतीय/विदेशी, युवा और बाल लेखकों को साहित्यिक क्षेत्र में वार्षिक पुरस्कार/प्रोत्साहन दिए जाते हैं।	सलाहकार बोर्ड के अनुमोदन के अनुसार कार्यान्वित की जाएगी।	प्रोत्साहित करने के लिए अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भारतीय भाषाओं में बाल साहित्य पुरस्कार और युवा पुरस्कार दिए जाएंगे।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					अकादमी ने लेखकों, विद्वानों, संपादकों आदि के लिए 50,000/– प्रत्येक की दर से भाषा सम्मान पुरस्कार संस्थापित किया है।			
(vii)	प्रशासनिक कार्यकलापों का आधुनिकीकरण/ सुधार	इसका उद्देश्य मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में साहित्यिक क्षेत्रों में कंप्यूटर अनुप्रयोग मुहैया करना है। पुराने उपकरण/कंप्यूटर बदले जाएंगे।			एएमसी सहित सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए कंप्यूटरों, स्कैनरों आदि की खरीद। भारतीय साहित्य और सभी कार्यालयों के विक्रय अभिलेखों का कंप्यूटरीकरण। कार्यालयों का सुधार एवं रख–रखाव।	अकादमी के प्रयोक्ताओं/ अधिकारियों और स्टाफ के लिए प्रौद्योगिकी को उन्नति के साथ में रहना।	यह अनवरत योजना है।	
(viii)	**नई परियोजनाएं/स्कीमे : भारतीय** साहित्य की राष्ट्रीय ग्रंथ सूची, भारत साहित्य का विश्वकोश, यूरोपियन भाषाओं में अनुवाद, भारतीय प्रवचन का मानव	इसका उद्देश्य पुस्तकाध्यक्षों, प्रकाशकों और जो संदर्भ के मूल्यवान औंकार के रूप में पुस्तक संसार में इच्छुक हैं की सेवा करना है। विश्वकोश के जरिए भारतीय साहित्य की वृद्धि और विकास के लिए व्यापक विचार देना। तर्कमूलक सामग्री के कुछेक निकाय से संबंधित व्यापक भिन्न भिन्न विचार को एक साथ लाना।			विश्वकोष भारतीय साहित्य की वृद्धि और विकास का व्यापक विचार प्रदान करता है। सभी लेखक, पुस्तके और सामान्य विषय संबंधित सलाहकारी बोर्ड द्वारा सारणीबद्ध किए गए हैं और संकेतक समिति द्वारा इन्हें अंतिम रूप दिया जाएगा। पूरे देश के सैंकडों लेखक अनेक विषयों पर लेखों का सहयोग करेंगे। विश्वकोश के 6 खंड परियोजनाओं की योजना बनाई गई है जिसमें	साहित्य प्रेमी लोगों के इस्तेमाल के लिए भारतीय और विदेशी में विभिन्न साहित्यिक कार्यों का संवर्धन और जनता में जानकारी सृजित करना।	नई योजना 2013–14 में कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।	पुस्तक संसार में संदर्भ के मूल्यवान उपकरण के रूप में। द्वितीय श्रंखला में साहित्यिक उच्चता वाली सभी पुस्तकें और 1 जनवरी, 1954 एवं 31 दिसम्बर, 2000 के मध्य प्रकाशित जुडे विषयों और साहित्य के क्षेत्र

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	विज्ञान				से 2 खंड पहले ही प्रकाशित किए जा चुके हैं और अधिकाश खंड प्रकाशित किए जा रहे हैं। 1000 पृष्ठ अर्धचौपेजी आकार के हैं। एनबीआईएल की दूसरी श्रंखला 1954 – 2000 की अवधि को कवर करते हुए विद्वानों, पुस्तकालयध्क्षों, प्रकाशकों, पुस्तक विक्रेताओं और इच्छुक लोगों की सेवा के लिए शुरू की जाएगी।			में स्थायी मूल्य को शामिल किया जाएगा। 24 भारतीय भाषाओं के ग्रंथ सूची आंकडों को संकलित करने की परियोजना। संकलन को डील करने वाली 4 परियोजनाओं को शुरू करने के लिए एसए का प्रस्ताव है।
(ix)	डीडीए द्वारा आवंटित प्लाट पर कार्यालय भवन का निर्माण	इसका उद्देश्य बिक्री कार्यालय के बेसमेंट में अलग गोदाम रखना और पहली और दूसरी मंजिल पर कार्यालय रखना।			दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने एचएएफ, पॉकेट बी, सेक्टर–11 द्वारका, नई दिल्ली में 2011.65 वर्ग मीटर का प्लाट आवंटित कर दिया है। बेसमेंट में गोदाम और प्रथम तल पर बिक्री कार्यालय रखने का प्रस्ताव है और द्वितीय तल को लेखक गृह के रूप में उपयोग किया जा सकता है।	अधिक स्थान वाला कार्यालय होगा जिसमें अन्य सुविधाएं हो और 75 लाख रूपये प्रति वर्ष किराए से बचा जा सके।	नई योजना 2012–13 में कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।	
6	**भारत महोत्सव**	चुनिंदा देशों में प्रमुख सांस्कृतिक उत्सव	**2.00**	–	कला/संग्रहालय प्रदर्शनियां,	अन्य देशों को	पूरे वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		आयोजित करना ताकि और अधिक समझ और सहयोग बढ सके।			साहित्यिक सेमिनार रगंमंच/कला प्रस्तुतियां/सेमिनार/कार्यशालाएं आयोजित करके	भारतीय सांस्कृतिक समृद्धता के बारे में जागरूकता पैदा करना और इन देशों में भारतीय कलाकारों को अपनी रचनात्मक सांस्कृतिक प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर पैदा करना।		
7	**इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आई जी एन सी ए)**	इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र की स्थापना स्वर्गीय पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी की स्मृति में स्मरणोत्सव मनाने के लिए की गई थी। इसकी परिकल्पना अनुसंधान, शैक्षिक अनुसरण और कला के क्षेत्र में प्रसार करने के केन्द्र के रूप में की गई है।	––	31.63				

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(i)	**भवन का निर्माण**	भवन परियोजना, समारोह हाल, राष्ट्रीय थियेटर आदि			सुत्राधार भवन का निर्माण समारोह हाल और राष्ट्रीय थियेटर आदि का प्राथमिक निमार्ण कार्य।	सुत्राधार भवन का निर्माण समारोह हाल और राष्ट्रीय थियेटर आदि का प्राथमिक निमार्ण कार्य।	एक वर्ष	
(ii)	**समग्र निधि**	समग्र निधि पर इच्छित आय की वृद्धि के संबंध में अपेक्षित समग्र निधि को बढाना जो कि आईजीएनसीए के आय का मुख्य स्रोत है।			यह राशि वर्तमान समग्र निधि 50.00 करोड रूपये बढकर 10.00 करोड रूपये हो जाएगी।	समग्र निधि पर इच्छित आय बढ जाएगी। आईजीएनसीए के सभी प्रशासनिक एवं स्थापना व्यय की पूर्ति समग्र निधि से इच्छित आय द्वारा की जा रही है। इच्छित आय में वृद्धि आईजीएनसीए की कमी को कम करेगी।		
(ii)	क. विविध कलाकारों के बीच विविध अनुशासनिक	इतिहास मौलिक शब्दों के कोश का प्रकाशन, अन्तः उपभाषा और अन्तः विषयी शब्दावली, शब्दकोश, कला और विज्ञान के संबंधों का का पता लगाना,			**निम्नलिखित आयामों पर अध्ययन :–** (क) अभिज्ञान के बहुविध स्तर और कलाओं में उनकी	क) मौलिक पाठों के आलोचनात्मक संस्करणों का प्रकाशन,	एक वर्ष	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	अनुसंधान और आलोचनात्मक संवाद का संवर्धन	भारत और विश्व के कलाकारों के बीच संबंध और आयामों का पता लगाना। उत्तर पूर्व और इसके सांस्कृतिक आयामों पर विशेष संकेन्द्रीकृत करना।			अभिव्यक्ति (ख) भाषा और सांस्कृतिक विविधता (ग) विवेक परम्परा, परिस्थिति विज्ञान, स्त्रोत प्रबंधन और सतत विकास (घ) धार्मिक विशिष्टताएं, परम्पराओं का संगम और मिश्रित संस्कृतियां (ड.) अन्तर – सांस्कृतिक संवाद (च) भारतीय कला और संस्कृति में महिलाओं का योगदान	जनजातीय और लोक संस्कृति पर विनिबध प्रसिद्ध विद्वानों के पाठों का पुनः प्रकाशन करना। (ख) अनुसंधान और फील्ड अध्ययन। (ग) दृश्य–श्रव्य प्रलेखन (घ) सम्मेलन, सेमीनार और कार्यशालाएं (ड.) प्रदर्शनी और विविध मीडिया समारोह। (च) फिल्मों का निर्माण, सी डी दृश्य–श्रव्य रिकार्डिंग।		
	(ख) संसाधन बढाना और आधुनिकीकरण	इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र की मौलिक स्त्रोत सामग्री – लिखित, मौखिक, श्रवण संबंधी, श्रव्य दृश्य और चित्रात्मक के निधान को बढाना, ताकि इसे कला और संस्कृति के लिए राष्ट्रीय			(क)निम्नलिखित की खरीद – i) पुस्तक, ii)पत्र–पत्रिकाएं, iii)दुर्लभ पुस्तकें, iv)निजी संग्रह (ख) इन हाउस डिजिटल	(i) पुस्तकालय में पत्रिकाओं,जर्नलों पुस्तकों का परिपर्यपन। (ii) पुस्तकालय		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		केन्द्र के रूप में माना जाएं तथा इसके अन्तर्गत आने वाले अन्य प्रभागों के अनुसंधान और प्रकाशन कार्यों में सहायता करना, प्रौद्योगिकी उपकरणों और पद्धतियों तथा आधुनिक प्रबंधन को बढाना तथा प्रतिस्थापित करना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अधीन विभिन्न केन्द्रों में स्रोत सामग्री को पुननिर्माण बढ़ाना, प्राद्योगिकी का उन्नयन तथा प्रदर्शन और प्रदर्शनी के लिए स्थायी वीथियाँ बनाना।			फोटोग्राफी के माध्यम से स्लाइडों का संग्रहण और स्लाइडों की खरीद (ग) पांडुलिपियों की माइक्रो फिल्मिंग (घ) सांस्कृतिक अभिलेखीय सामग्री का अर्जन (ड) i) डिज़िटल पुस्तकालय सूचना प्रणाली ii)विस्तृत पुस्तक सूची, iii)रेपोग्राफिक इकाई, iv)श्रृव्य–दृश्य उपकरणों का आधुनिकीकरण (च) सांस्कृतिक सूचना विज्ञान (छ) वीथियों का सृजन	सेवाओं का आधुनिकीकरण रिप्रोग्राफी में अत्याधुनिक उपकरण 7, अ कम्प्यूटर केन्द्र और मीडिया निर्माण। (iii) कला और शिल्पों के प्रदर्शन के लिए 3 दीर्घाओं की स्थापना करना। (iv) पांडुलिपियों, आन्तरिक आधानों, आदि का डिजिटाइजेशन। (v) सांस्कृतिक क्षेत्र में इ–गवर्नेन्स प्रारम्भ करना (vi) उत्तर पूर्व क्षेत्र से प्राचीन सामग्री का संग्रह करना।		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	(ग) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के कार्यान्वय उपकरणों का आधुनिकीकरण	फर्नीचर और उपकरण सहित कार्यालय को सज्जित करना अत्याधुनिक भवन के डिजाइन और संरचना को बनाए रखना।			फोटो कापियर, फैक्स मशीनों, मेजों, अलमारियों की खरीदारी करना, वर्कस्टेशन लगाना और सूचना प्रौद्योगिक औजार और उपकरण मुहैया करना।	आधुनिक उपकरण लगाना, कार्य क्षमता और बेहतर कार्य स्थितियों में वृद्धि करना।		
	(घ) सांस्कृतिक मानचित्रकला	भारत के विविध समुदायों के बीच प्रचलित परम्परागत कला और शिल्प के विशिष्ट रूपों सहित परिस्थितिकी की योजना तथा सांस्कृतिक रूपरेखा।अत्याधुनिक भवन की संरचना और डिजाइन को ध्यान में रखकर कार्यालय को फर्नीचर और उपस्कर से सज्जित करना।			(i) कक्ष का सृजन। (ii) अनुसंधान और क्षेत्र अध्ययन (iii) मानचित्रावली तैयार करना।	(i) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण (ii) प्रकाशन (iii) सेमिनार, सम्मेलन एवं कार्यशालाएं।	पूरे वर्ष के दौरान।	
7 (क)	**राष्ट्रीय दृश्य–श्रव्य सामग्री अभिलेखागार**	यह अमूर्त सांस्कृतिक विरासत संबंधी केन्द्रीय आंकडें बैंक और एकीकृत जानकारी एवं वास्तवकि प्रलेखित सामग्री के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।	––	––	इस स्कीम के लिए ब्यौरा संबंधी कार्य किया गया है और यह अभिलेख एसएनए, आईजीएनसीए अथवा किसी अन्य संस्थान में रखे जाएगें।	प्रसार के लिए एकीकृत, जानकारी, सूचना और वास्तविक प्रलेखन सामग्री जो प्रणालीबद्ध रूप से व्यवस्थित किया गया है, की जागरूकता सृजित करना।		इस स्कीम का आईजीएनसीए के तहत विलय कर दिया गया है।
8.	**राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय,**	रंगमंच का संवर्धन और रंगमंच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।	**9.04**	**16.25**				सामान्तया प्रशासनिक

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	नई दिल्ली							स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	देश के विभिन्न भागों रंगमंच कार्यशाला और अंशकालिक कार्यक्रम पाठ्यक्रम आयोजित करना तथा अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम दिल्ली और दिल्ली से बाहर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम/बाल रंगमंच कार्यशालाएं आयोजित करना।	विविध भाषाओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में रंगमंच के उत्साही कलाकारों को लाभ देना तथा उनमें रंगमंच की जागरूकता पैदा करना।			पूरे देश में 55 रंगमंच कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी। इनमें अल्पावधि और गहन रंगमंच कार्यशालाएं शामिल हैं।	विविध भाषाओं तथा विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति रंगमंच जागरूकता।	वर्ष के दौरान	
(ii)	दिल्ली और दिल्ली से बाहर बाल रंगमंच/	बच्चों का व्यक्तित्व विकास करना तथा उनकी अभिव्यक्तियों और आत्मविश्वास को उद्घाटित करना।			वर्ष के दौरान लगभग 8 बाल रंगमंच कार्यशालाएं आयोजित करने का प्रस्ताव है।	बच्चों को रंगमंच की नई–नई तकनीकें सीखने	वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन करना।					का अवसर मिलेगा।		
(iii)	गांवों में पारंपरिक समूह का सहयोगात्मक कार्यक्रम तथा रंगमंच उत्सव/प्रदर्शनी का आयोजन	गांवों में परम्परागत समूहों के साथ सहयोगी कार्यशालाएं आयोजित कर देश के विभिन्न क्षेत्र में अपनाई जा रहे कला रूपों सहित नाट्य कला में 3 वर्षीय डिप्लोमा मुहैया करना, रंगमंच उत्सव और प्रदर्शनियां			पारंपरिक समूहों के साथ रंगमंच कार्यशालाएं और अभिनय। – विद्यार्थियों अध्येताओं और सहयोगी रंगमंच समूहों द्वारा अभिनय। – प्रदर्शनी का प्रदर्शन – विद्यार्थियों के निर्माण सहित सांस्कृतिक आदान–प्रदान के तहत विदेशी दौरें। – सहयोगी रंगमंचोत्सव और रंगमंच संस्थानों के साथ सहयोगात्मक उत्सव / अभिनय, अन्य देशों आदि के सथ सांस्कृतिक आदान–प्रदान।	देश के विभिन्न क्षेत्रों में परंपरागत समूहों द्वारा अपनाई जा रही रंगमंच कला/संस्कृति से विद्यार्थियों को परिचित कराना और रंगमंच के परंपरागत रूपों को लोकप्रिय बनाना।	वर्ष के दौरान	
(iv)	लोक, जनजातीय कलाओं और शैक्षिक यात्राओं का संवर्धन	विद्यमान लोक और जनजातीय कला से विद्यार्थियों को परिचित कराना।			पारम्परिक समूहों के साथ कार्यशाला और पहले, दूसरे तीसरे वर्ष के छात्रों के लिए शैक्षिक भ्रमण।	विभिन्न क्षेत्रों के लोक, संगीत और जनजातीय कला रूपों से विद्यार्थियों को परिचित कराने के लिए शैक्षिक	वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						भ्रमण आयोजित करना।		
(v)	बच्चों के प्रदर्शन के लिए वयस्कों की रंगमंडल कम्पनी का गठन। टीआईई	बच्चों के लिए युवा प्रस्तुति की एक रिपेरेटरी कंपनी के गठन के लिए बच्चों के लिए रंगमंचीय प्रदर्शनों के संवर्धन का लक्ष्य।			दिल्ली/एनसीआर में स्कूल में नाटक प्रदर्शन करना। दिल्ली में लगभग केन्द्रों में बच्चों के साथ ग्रीष्म कालीन रंगमंच कार्यशाला, रविवार कलब कार्यकलाप (प्रत्येक समूह के साथ 30सत्र) सहयोजित बाल उत्सव में भाग लेना। दिल्ली से बाहर टीआईई कं. का दौरा शो।	बच्चों के बीच रंगमंच का संवर्धन।	वर्ष के दौरान	क्लाकार और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, नये निर्माण, नए निर्माण का प्रदर्शन।
(vi)	रंगमंडल कम्पनी का विस्तार	भारत तथा देश के बाहर भारतीय नाटकों का प्रचार			दिल्ली में और दिल्ली से बाहर नाटकों का मंचन, नई निर्माण प्रस्तुतियों के प्रदर्शन, ग्रीष्मकालीन उत्सव में प्रदर्शन, प्रयोजन अभिनय, बीआरएम में भागीदारी, समूहों के साथ सहयोगात्मक अभिनय, हिंदी चल थिएटर सह रिपर्टरी का विकास, – राष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव का आयोजन – भारत रंग महोत्सव। – राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय	रंगमंच संस्कृति का संवर्धन। रंगमंच संस्कृति और विद्यार्थियों और रंगमंच प्रेमियों को यह पता लगाने का अवसर प्रदान करना कि इस समय रंगमंच की स्थिति क्या है और रंगमंच के सामने पेश आई चुनौतियों का	वर्ष के दौरान जनवरी, 2013 महीने में 15वां बीआरएम आयोजित किया जाएगा।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					प्रत्येक वर्ष बच्चों के लिए जश्न–ए–बचपन/बाल संगम आयोजित करता है।	सामना करने के लिए वर्तमान विद्यार्थियों को बेहतर सज्जित करना।		
	राष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव और समानांतर रंगमंच महोत्सव राष्ट्रीय बाल रंगमंच महोत्सव– बाल संगम/ जश्न–ए–बचपन स्वतंत्र कैंपस की स्थापना, क्षेत्रीय संसाधन केन्द्र बंगलौर/ विद्यार्थियों और अध्येताओं के लिए समालोचन, पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं/				अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम ओजित करना। बाल तथा युवा दोनों द्वारा प्रस्तुत बाल रंगमंच के क्षेत्रों को कवर करते हुए कार्यक्रम करना/ प्रख्यात रंगमंच व्यक्ति पर सेमिनार ओजित करना। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के प्रकाशन कार्यक्रम। 2–3 समालोचन पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी। पुस्तकालय के लिए पुस्तकों, जर्नलों आदि की खरीदारी। – अध्येताओं, विद्यार्थियों और रंगमंच प्रेमियों के लिए रंगमंच साहित्य का प्रसार और प्रचार। ज्ञान और अनुभव के संदर्भ में सृजनात्मक रंगमंचीय कार्य का विस्तार करना। नाट्य में विश्व स्तरीय व्यावसायिक प्रशिक्षण मुहैया करना। रंगमंचीय	दूर दराज के क्षेत्रों में थिएटर का संवर्धन, हल्की सृजनात्मक प्रतिभाओं को लाना, सांस्कृतिक अवसंरचनात्मक स्तरोन्नयन, एक दूसरे के रंगमंच अभ्यास को बेहतर तरीके से समझना, प्रणाली विज्ञान, निर्माण प्रक्रिया आदि।	वर्ष के दौरान।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	शिक्षावृत्ति और अध्येतावृत्तियां/ पुस्तकालय का विकास। – अनुसंधान कार्य एवं प्रकाशन कार्यक्रम				कार्यकलापों के लिए उन्नयन सुविधाएं।			
	नई स्कीमें **क.** प्रलेखन और अभिलेखागार यूनिट के संचालन की स्थापना करना। **ख.** हिन्दी मोबाइल रंगमंच एवं रंगमंडली का विकास करना और प्रेरित करना।	– प्रसिद्ध निर्माणों सहित हिन्दी भाषी क्षेत्रों में हिन्दी मोबाइल रंगमंच एवं रंगमंडल का विकास करना। –विभिन्न भाषाओं में रंगमंच पद्धति की सुविधा देना और दर्शकगनों में लगातार वृद्धि करना। – अधिक और बेहतर पैमाने में सांस्कृतिक गतिविधि सुविधाए मुहैया			– अभिलेखीय रंगमंच संगीत, रंगमंडल कंपनी और टीआईई कंपनी के राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय निर्माण। – दूरदराज क्षेत्रों में मोबाइल रंगमंच शो आयोजित करना। – राज्य सरकारों के सहयोग से विभिन्न भाषाओं में क्षेत्रीय	दूर दराज क्षेत्रों के रंगमंच का संवर्धन करना, सृजनात्मक कम प्रतिभा वालों को लाना, सांस्कृतिक अवसंरचना का उन्नयन, एक दूसरे की रंगमंचीय पद्धति की बेहतर समझबूझ, तौर तरीके, निर्माण प्रक्रिया आदि।	वर्ष भर के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	ग. विभिन्न भाषाओं में क्षेत्रीय रंगमंच कंपनियों की स्थापना करना। **घ.** सुविधाओं/प्रशासनिक पद और अवसंरचना सुविधाओं के आधुनिकीकरण को बढ़ाने के लिए पुनः विकास योजना। **ड.** विश्व प्रतिष्ठा की अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ वैश्वीकरण बातचीत के संदर्भ में सीईपी। **च.** रंगमंच समूहों के लिए	करना। – नई तौर तरीकों और रंगमंच पद्धति के लिए सांस्कृतिक आदान–प्रदान करना।			कं. की स्थापना करना। – वास्तुकार द्वारा तैयार किए गए अनुमान के अनुसार किए जाने वाले जीर्णोद्धार और निर्माण कार्य। – अन्य देशों और हमारे देश के रंगमंच अकादमियों का दौरा किए जाने वाले प्रस्तावित विद्यार्थियों/समूहों शैक्षिक वर्ष में दो दल। – उन क्षेत्रों की पहचान करना जहां रंगमंच स्थानों को सुदृढ़ करना और विकास करना अपेक्षित होगा, वहां कार्य शुरू किया जाएगा।			

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	रंगमंच स्थानों और अवसंरचनात्मक सुविधाओं का सुदृढीकरण और विकास। **छ**. देश के राज्यों और क्षेत्रों में स्थानीय टीआईई कं. को सहायता देना।	– छोटे रंगमंच समूहों को सहायता करना, देश के विभिन्न भागों में ही स्थानीय टीआईई क. को सहायता देना।			– राज्य एवं क्षेत्रों में कार्यक्रम विशेष आधार पर वर्ष के दौरान 1 अथवा 2 स्थानीय टीआईई कं. को सहायता दी जाएगी।			
9	**राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एनजीएमए)**	सामान्य रूप से भारतीय लोगों में दृश्य और प्लास्टिक कलाओं के प्रति समझ और संवेदनशीलता पैदा करना तथा विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनुसार समकालीन कला के विकास का संवर्धन करना।	5.17	14.00				सामान्तया प्रशासनिक स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	नई दिल्ली, मुम्बई और बंगलुरु स्थित आधुनिक कला संग्रहालय का	अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के समतुल्य समकालीन कला के विकास का संवर्धन करना।			दिल्ली, मुम्बई और बंगलोर में अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के बराबर कला वस्तुओं के शानदार प्रदर्शन के रूप वाली आधुनिक कला के सुसंगठित संग्रहालय	समकालीन कलाओं के बारे में जनता की आपसी समझ तथा सौंदर्यबोध	पूरे वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	उन्नयन, आधुनिकीकरण और अनुरक्षण				का अनुरक्षण। 15 विशेष प्रदर्शनियां आयोजित की जाएंगी। सभागार में कला पर न्यूनतम 700 फिल्म शो आयोजित करना। लगभग 300 दौरे आयोजित करना। प्रत्येक रविवार को संग्रहालय परिसर में आर्ट क्लब स्केच का आयोजन किया जाता है। ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला का आयोजन किया जाना। कला प्रयोग पर प्रख्यात कलाकारों द्वारा 20 सेमिनार आयोजित किया जाना। विशेष प्रदर्शनियों के 3 सूचीपत्र एवं विशेश प्रदर्शनियों के 10 पोर्टफोलियों जारी किए जाने हैं। एनजीएमए, मुम्बई, बंगलोर और दिल्ली में संग्रहालय शॉप को कला संबंधित प्रकाशनों और स्मृति चिन्हों से अच्छा भंडार इकट्ठा किया जाएगा। कला संदर्भ पुस्तकालय का आधुनिकीकरण, कला संग्रह का डिज़िटलाइजेशन और प्रलेखन,	जागरूकता बढ़ी।		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					वर्ष के दौरान कलाकृतियों का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार तथा आरक्षित संग्रहों की सफाई एवं उनका सुधार किया जाना है। लगभग 25,0000 कला प्रेमियों द्वारा संग्रहालय का दौरा करने की आशा है।			
10	**एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता**	इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया। भाषा, साहित्य, संस्कृति और सामाजिक–आर्थिक पहलुओं पर अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करना।	**9.67**	**7.55**				सामान्यता प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए गैर–योजना अनुदान का इस्तेमाल करना।
(i)	पुस्तकालय प्रणाली का विकास	मानविकी और विज्ञान में अनुसंधान के संवर्धन के लिए संस्थान स्थापित करना, तैयार करना और उसका रख–रखाव करना।			पुस्तकों, पत्र–पत्रिकाओं आदि का अर्जन, पाठकों को पुस्तकें और संदर्भ उपलब्ध कराने के लिए उनका परिरक्षण और अनुरक्षण करना।	अतिरिक्त पुस्तकालय सुविधाएं प्रदान करके शोध छात्रों/पाठकों को सेवा प्रदान की जाएगी। विदेशी पाठ्यों सहित लगभग 9985 पुरूषों और महिलाओं के	वर्ष भर	यह एक सतत प्रक्रिया है।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						पुस्तकालय या दौरा करने की आशा है।		
(ii)	संग्रहालय तथा उपभोक्ता सुविधा का विकास	संग्रहालय में पाण्डुलिपियों का परिरक्षण जिनमें अभिलेख रिकार्डों, सिक्कों, शिलालेखों तथा अत्यधिक मूल्यवान अश्म लेखों का समृद्ध संग्रह है। एम.एस.एस. के इस प्रदर्शन का बहुत अधिक संख्या में शोधकर्ताओं द्वारा इस्तेमाल किया जाता है।			एमएसएस पुरावस्तुओं, चित्रों, सिक्कों आदि का अधिग्रहण, एमएसएस, पुरावस्तुओं , पेंटिंग, सिक्के आदि की प्राप्ति। चालू और पिछले दोनों के साथ–साथ अभिलेखीय सामग्री का कैटलाग बनाना तथा प्रलेखन करना।	लगभग 544 भारतीय और 194 विदेशी आगंतुकों, शोध छात्रों को पुस्तकालय और संग्रहालय के क्षेत्रों में अधिक कार्यकलाप उपलब्ध कराए जाएंगे।	पूरे वर्ष के दौरान	यह एक सतत प्रक्रिया है
(iii)	दुर्लभ पुस्तकों, पांडुलिपियों, और अन्य दस्तावेजों का संरक्षण और परिरक्षण	सोसाइटी के संग्रहालय और पुस्तकालय में रखी गई खराब और नष्ट हो रही पाण्डुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों और अन्य प्राचीन वस्तुओं के परिरक्षण के लिए प्रभावी उपाय करना। उनकी माइक्रो फिल्म सुविधाएं और माइक्रोफिश सेवाएं।			कार्यात्मक और सेवा विभाग की दुर्लभ पुस्तकों और जर्नल एमएसएस आदि का परिरक्षण, दुर्लभ पुस्तकों और एमएसएस का प्रलेखन।	पुस्तकालय, संग्रहालय और अन्य विभागों की दुर्लभ पुस्तकों, एसएसएस चित्रों आदि का परिरक्षण। पुस्तकालय, संग्रहालय और अन्य सेवा विभागों को सेवाएं दी जाएंगी	पूरे वर्ष के दौरान	यह एक सतत प्रक्रिया है।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(iv)	प्रकाशन कार्यक्रम	उच्च शैक्षिक स्तर का प्रकाशन करना जिसके लिए संस्था अध्येताओं के बीच जानी जाती है। बिबिलियोथिका इंडिका श्रृंखला के अन्तर्गत पुस्तकों के प्रकाशन पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है।			वर्ष के दौरान पुस्तकों का पुनः मुद्रण–7 जर्नल – 4 मासिक बुलेटिन – 10 बुकलेट – 8 प्रकाशित की जाती है।	नए प्रकाशनों के माध्यम से आगतुंको तथा शोध छात्रों के लिए बहुमूल्य ज्ञान का संवर्धन व उन्हें इसका प्रचार करना।	पूरे वर्ष के दौरान	यह एक सतत प्रक्रिया है
(v)	अनुसंधान संवर्धन	विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य, प्रशिक्षण देना, सेमिनार, व्याख्यान, कार्यशालाओं आदि का आयोजन।			विभिन्न क्षेत्रों में अनसंधान कार्य, प्रशिक्षण देना और सेमिनार व्याख्यान तथा कार्यशाला आदि आयोजित करना एनईआर में 26 परियोजनाएं, 14 बाहरी परियोजनाएं, 5 सेमिनार, 32 व्याख्यान, 4 प्रदर्शनियां/ 2 कार्यशालाएं	40 अनुसंधान परियोजनाओं के संवर्धन भाषा, साहित्य, संस्कृय,क` संवर्धन के जरिए और सामाजिक आर्थिक पहलू किए जाऐंगे।	पूरे वर्ष के दौरान	यह एक सतत प्रक्रिया है।
(vi)	विकासात्मक कार्य और सुरक्षा प्रबंध	इसकी स्थान बाध्यताओं से निपटने के लिए विस्तार कार्यक्रम			भवन निर्माण, विद्युतीकरण और अन्य सुविधाओं के प्रबंधन सहित वर्तमान सुविधाओं का विस्तार। सिक्योरिटी प्रबंध के उपकरण की खरीद, आधुनिकीकरण और कंप्यूटरीकरण।	सोसायटी के लिए कंप्यूटर नेटवर्किंग और उन्नयन कार्य सहित निर्माण कार्य पूरा होने की आशा है।	पूरे वर्ष के दौरान	
11	**सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण**	संस्कृति के साथ शिक्षा को जोड़ने के क्षेत्र में कार्यरत अकादमियों के माध्यम	**4.21**	**16.00**	2013–14 के दौरान केन्द्र सांस्कृतिक स्वैच्छिक स्कीम और	कॉलम 4 (ii) में प्रदर्शित योजना		सामान्यतः प्रशासनिक

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	केन्द्र, नई दिल्ली	से जीवन की गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य है।			सांस्कृतिक स्रोतो के प्रबंधन के लिए केन्द्र का भी कार्यान्वयन करेगा।	प्रावधान में टीएसपी के तहत सांस्कृतिक कार्यकलापों को चलाने के लिए निधि शामिल है।		स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	स्कूली छात्रों में संस्कृति का प्रचार	देश के विभिन्न भागों में स्कूली अध्यापकों, अध्यापक प्रशिक्षकों आदि के लिए अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम , कार्यशालाएं, सेमीनार, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आदि जैसे विभिन्न सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि आयोजित करना। सरकारी और गैर–सरकारी संगठनों के स्कूली छात्रों के लिए शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करना। पुनर्स्थापित और बस्ती कॉलोनियों के बच्चों और शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों के लिए कार्यशालाएं आयोजित करना।			– 6500 शिक्षकों/ शिक्षक प्रशिक्षकों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जाना है। – 6000 शिक्षकों को प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाना है। – 60000 छात्रों को समुदाय और विस्तार कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया जाना है। देश के विभिन्न राज्यों में 250 नए संस्कृति क्लबों की स्थापना की जानी है। – भारतीय कला और संस्कृति पर 50 व्याख्यान आयोजित किए जाने हैं। **निर्माण :** – सीडी रोम के निर्माण सहित 4 वीडियों निर्माण। पुनर्मुद्रण सहित 20 प्रकाशनों	शिक्षकों और विद्यार्थियों में सांस्कृतिक जागरूकता।	सीसीआरटी के पात्रता मानकों के अनुसार संबंधित राज्य शिक्षा विभागों द्वारा शिक्षकों को प्रतिनियुक्त किया जाता है।	सीसीआरटी गुवाहाटी स्थित अपने क्षेत्रीय केन्द्र के जरिए एन.ई.आर. में विभिन्न प्रशिक्षण/शैक्षणिक सेमिनार/ कार्यशाला भी आयोजित करता है।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					का प्रकाशन। – 1100 शैक्षिक किटों का निर्माण।			
(ii)	सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति स्कीम (सीटीएसएस)	10–14 वर्ष आयु वर्ग के उत्कृष्ट युवा बच्चों के अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करके उनको सुविधाएं प्रदान करने का लक्ष्य है।			सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति स्कीम के अंतर्गत 520 छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएंगी। छात्रवृत्ति प्राप्त बच्चों के लिए 2 संस्कृति उत्सवों का आयोजन।	उत्कृष्ट युवा बच्चों को मंच तथा अन्य कलाओं के अध्ययन हेतु छात्रवृत्तियां प्रदान करके सुविधाएं देना।		छात्रवृत्तियां प्रदान किए जाने के लिए बच्चों का चयन विभिन्न चयन समितियों की संस्तुति पर किया जाता है।
11 (क)	**सांस्कृतिक विरासत स्वयंसेवी (सीएचवी) स्कीम/सांस्कृतिक विरासत युवा नेतृत्व कार्यक्रम**	युवा लोगों की उनके सामाजिक समावेश तथा नागरिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी सुनिश्चित करके उन्हें उपेक्षा और दरकिनार होने से बचाना।	––		यह स्कीम सांस्कृतिक युवा नेतृत्व कार्यक्रम के लिए पुनः तैयार की गई है और 12वीं योजना के पहले वर्ष में कार्यान्वित की जाएगी।	भारतीय संस्कृति और विरासत के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करना।	सीसीआरटी के तहत इस स्कीम के लिए योजना परिव्यय शामिल है।	इस योजना का सीसीआरटी में विलय का विचार है।
11 (ख)	**राष्ट्रीय संस्कृति और विरासत प्रबंधन संस्थान (सांस्कृति संसाधन प्रबंधन केन्द्र)।**	संस्कृतिक और इसके प्रबंधन पर विशेषीकृत पाठ्यक्रमों की पेशकश करने का उद्देश्य।	––		यह स्कीम 11वीं योजना में कार्यान्वित नहीं की जा सकी और अब 2012–13 में कार्यान्वित की जाएगी। राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान का विशेषीकृत पाठ्यक्रम चलाने के लिए किया जाएगा।	सांस्कृतिक संस्थान के प्रबंध के लिए बढ़ती हुई मांग, सांस्कृतिक प्रबंधन में स्थान बढ़ रहे हैं। चूंकि प्रशिक्षित व्यावसायियों की	इस स्कीम के लिए योजना परिव्यय सीसीआरटी के तहत शामिल।	इस स्कीम का सीसीआरटी में विलय करने पर विचार किया जा रहा है।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						अधिक मांग है।		
12	**कला एवं संस्कृति के संवर्धन के लिए वित्तीय सहायता**		--	65.30	इस स्कीम में क्रम संख्या (i) से (iv) में प्रदर्शित स्कीम सहित जारी स्कीमों के 6 संघटक हैं।			
(i)	**विशिष्ट मंच कला परियोजनाओं (नृत्य, नाटक और रंगमंच मंडलियों) के लिए व्यावसायिक समूहों और व्यक्तियों को वित्तीय सहायता।**	गुरू–शिष्य परंपरा का संवर्धन तथा मंच कलाओं के क्षेत्र में कार्यरत संगठनों/व्यक्तियों को सहायता प्रदान करना।	1.55	–	सांस्कृतिक कार्यकलापों से जुडे व्यक्तियों/संगठनों से प्रस्ताव प्राप्त होने पर और विशेषज्ञ समिति की सिफारिश पर सहायता दी जाती है। लगभग 500 गुरूओं और 4500 कलाकारों को 2013–14 के दौरान सहायता दी जाएगी।	मंच कलाओं के क्षेत्र में कार्यरत संगठनों समूहों और व्यक्तियों को प्रोत्साहन तथा सहायता देना।	विज्ञापनों को समय पर निकाला जाएं ताकि उचित अनुक्रम में निधियां जारी करने के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक निर्धारित की जा सके।	महिलाओं के लिए 30% प्रावधान और टीएसपी के अधीन आने वाले अनुत्र जाति आवेदकों के लिए भी प्रावधान शामिल है।
(ii)	**राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता**	राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यकलाप में कार्यरत संस्थानों/संगठनों को सहायता देना।	2.75	*	यह अनुदान आर. के. मिशन, इन्टैक तथा स्पाइकमैके जैसे प्रख्यात संस्थानों को दी जाएगी।	राष्ट्रीय स्तर पर विचारों, ज्ञान तथा धर्मविज्ञान कार्यकलाप का संवर्धन एवं जागरूकता।	पूरे वर्ष के दौरान	* कं.सं.. 12 (क) के तहत योजना प्रावधान में शामिल।
(iii)	**जनजातीय/लोक कला के लिए वित्तीय सहायता**	जनजातीय कला और संस्कृति का संवर्धन तथा प्रचार करना।	--	--	सांस्कृतिक कार्यकलापों में संलग्न व्यक्तियों/संगठनों ए प्रस्ताव प्राप्त होने और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के	लुप्त होने से बचाने के लिए जनजातीय लोक कला का संरक्षण		यह स्कीम 2008–09 से बंद कर दी गई है। तथापि,

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					आधार पर सहायता दी जाती है। योजना प्रावधान क्र.सं. 12 (क) के तहत शामिल।	तथा संवर्धन।		अनुदानग्राही कागजात प्राप्त होने के बाद चल रहे मामलेां पर कार्रवाई की जाएगी।
(iv)	**सांस्कृतिक कार्य अनुदान स्कीम** **(सांस्कृतिक संगठनों का विकास)**	महत्वपूर्ण सांस्कृतिक विषयों पर सम्मेलन, सेमिनार एवं परिसंवाद आयोजित करने के लिए सांस्कृतिक कार्यकलापों में लगे हुए राष्ट्रीय ख्याति के स्वैच्छिक संगठनों को अनुदान प्रदान करना।	––	*	विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के अनुसार संगठनों को अनुदान दिया जाना है।	सांस्कृतिक कार्यकलापों और भारतीय संस्कृति पर अनुसंधान में लगे हुए गैर–सरकारी और राष्ट्रीय प्रसिद्धि प्राप्त संगठनों को वित्तीय सहायता।	स्कीम पूरे वर्ष खुली रहेगी।	* क्रं.सं. 12 (क) के तहत योजना प्रावधान में शामिल।
(v)	**हिमालय की सांस्कृतिक विरासत के परिरक्षण और विकास के लिए वित्तीय सहायता**	हिमालय की सांस्कृतिक विरासत का संवर्धन, प्रसार और परिरक्षण करना।	––	––	पात्र आवेदनों की प्राप्ति तथा विशेषज्ञ सलाहकार समिति की सिफारिशों पर निर्भर करता है। योजना प्रावधान क्र.सं. 12 (क) के तहत शामिल।	गैर–सरकारी संगठनों/व्यक्तियों को वित्तीय सहायता देकर हिमालय की सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण और विकास।	संस्कृतिक मंत्रालय राज्य सरकार द्वारा संस्तुत एवं अग्रेषण के आधार पर हिमालय की स्कीम के तहत अग्रणी/समाचार पत्रों में विज्ञापन देकर इस स्कीम के अधीन सहायता	विशेषज्ञ समिति द्वारा अनुमोदित प्रस्तावों की संख्या परियोजना की गुणवत्ता और संगठन की क्षमता पर निर्भर करेगी।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
							अनुदान करने हेतु पात्र संगठनों से अनुरोध करेगा। आवेदन प्राप्ति के पश्चात यह मंत्रालय उसे विशेषज्ञ सलाहकार समिति के समक्ष उसकी संस्तुतियों के लिए रखता है।	
(vi)	**एम आई एस स्कीम और सहायता अनुदान के स्वचलन की स्कीम।**	उपर्युक्त प्रणाली के लिए प्रतिष्ठ व्यावसायिक एजेन्सी का नियुक्त करना और इसके बाद ऑन लाइन आवेदन का विकास करना।	--	--	अनवरत कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए मंत्रालय अन्य स्तर पर मामला उठाएगी ताकि संस्कृति मंत्रालय द्वारा अनुदान जारी करने के लिए पूर्णतया आनलाइन प्रणाली का इस्तेमाल करके पूर्ण पारदर्शिता लाई जा सके।	उचित प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन करके सभी स्कीमों का मूल्यांकन करना ताकि XIIवी योजना में स्कीमों की समीक्षा और संशोधन किया जा सके जैसा, कि आवश्यक समझा जाता है।	इस स्कीम को 12वीं योजना में कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।	इस स्कीम का जारी स्कीम में विलय करने पर विचार किया जा रहा है।
13	**गांधी शांति पुरस्कार**	भारत सरकार ने महात्मा गांधी की 125वीं जयंती के एक भाग के रूप में	1.55	--	इस पुरस्कार को प्राप्त करने वाले का चयन निर्धारित प्रकिया	गांधीवादी मूल्यों का प्रसार करना।	प्रकिया विधि के अनुसार प्रत्येक	2005 से कोई जीपीपी

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		अहिंसा और अन्य गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक परिवर्तन के लिए वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय गांधी शांति पुरस्कार संस्थान की घोषणा की है।			के अनुसार माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक ज्यूरी द्वारा किया जाता है।		वर्ष 30 अप्रैल तक सक्षम व्यक्तियों से नामांकन मंगवाए जाते हैं।	नहीं दिया गया है। प्रत्येक नामांकित व्यक्ति के संबंध में सारांश तैयार किया जाता है। जिसके बाद पुरस्कार के चयन का कार्यजारी का है।
14	**राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ)**	राष्ट्रीय संस्कृति निधि का उद्देश्य स्वयं खोजबीन करना, अधिक से अधिक लोगों के साथ काम करना, नियमित क्षेत्र के साथ अधिक सहयोग के लिए पहल करना और लोगों को इस बात से अवगत करना है कि उनके सहयोग से संस्कृति समृद्ध होगी।	--	**0.01**	एनसीएफ को 4 परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं और 3 नई परियोजनाएं शुरू की हैं। अनेक नए संमझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करना प्रस्तावित है। एनसीएफ के अध्यक्ष द्वारा संस्वीकृत परियोजनाओं के कार्यान्वयन भी शुरू किए जाने हैं।	सार्वजनिक निजी भागीदार (पी.पी. पी से सांस्कृतिक विरासत का विकास और उन्नयन करना)	पूरे वर्ष के दौरान।	
15	**शताब्दियां एवं वर्षगांठ स्कीम**	महत्वपूर्ण व्यक्तियों और समारोहों की वर्ष गांठ और शताब्दियाँ मनाना।	--	**90.00**	इस शीर्ष में समारोह और वर्षगांठ स्कीम के तहत शामिल सभी कार्यक्रम शामिल हैं।			
15.0	**लाल बहादुर**	(i). इंदौर (मध्य प्रदेश) और मांडा	**0.01**	--	इलाहाबाद और मांडा में दो	3.00 करोड	2013–14 और	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
1	**शास्त्री की जन्म शताब्दी मनाना।**	(उत्तर प्रदेश) में दो लाल बहादुर शास्त्री पॉलिटेक्निक की स्थापना। (ii). रक्षा अध्ययन संस्थान और विश्लेषण, नई दिल्ली में लाल बहादुर शास्त्री पीठ की स्थापना करना। (iii). लाल बहादुर शास्त्री स्मारक न्यास, नई दिल्ली को वार्षिक अनुरक्षण अनुदान।			पोलिटेकनिक स्थापित करने के लिए 8.00 करोड़ रूपये अनुमोदित किए गए थे। 4 करोड रूपए (2 करोड रू. वर्ष 2010–11 के दौरान और 2 करोड रू. वर्ष 2011–12 के दौरान) उपलब्ध 2 करोड़ रूपये में से (इस शीर्ष के तहत बचत के रूप में समर्पित 1 करोड रू.) चालू वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान जारी किए जाऐंगे। इस स्थाई पीठ पर आए वास्तविक व्यय का भुगतान किया जाएगा। स्मारक के रख–रखाव के लिए निधियों को स्मारकों के रख–रखाव के लिए वित्तीय सहायता की गैर–योजना स्कीम के तहत उपलब्ध कराए जाने का प्रस्ताव है।	रूपए की शेष राशि 2013–14 और 2014–15 में जारी होना अपेक्षित है।	2014–15 में दोनों पॉल्टेक्निक का कार्य पूरा हो जाएगा।	
15.02	**प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, 1857 की 150 वीं जयंती मनाना।**	देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले महान नायकों, नेताओं के बलिदान को उजागर करना तथा उनको श्रद्धांजलि देना। स्वतंत्रता संग्राम के बारे में लोगों को विशेषतः युवा पीढी को जागरूक बनाना ताकि	**0.20**	**--**	लोगों को शिक्षित करने के लिए महान नायकों/नेताओं की याद में एनआईसी द्वारा अनुमोदित शेष कार्यक्रमों को वर्ष के दौरान शुरू किया जाएगा। अनुमोदित परियोजनाओं के लिए	एनआईसी द्वारा अनुमोदित परियोजनाओं जिन्हें शुरू किया जा रहा है, से राष्ट्रीय एकता का	परियोजना की पूर्णता निधियों की उपलब्धता पर निर्भर है। तथापि, परियोजनाएं 2013–14 तक	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		उनमें राष्ट्रीय एकता का भाव पैदा हो सके तथा पिछले 63 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र की उपलब्धियों को भी उजागर किया जा सके।			निर्धारित निधियों को शेष कार्यक्रमों के लिए व्यय किया जाएगा।	संवर्धन करेगा तथा समारोहों से संबंधित स्थलों का जीर्णोद्धार / रख रखाव में सहायता प्रदान करेंगे। इन नायकों / नेताओं के बलिदानों को याद किया जाएगा। युवा पीढी को 60 वर्षे की आजादी की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में भी बताया जाएगा।	पूरी हो सकती हैं।	
15.03	**भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण की 2550 वीं जयंती मनाना।**	आनन्द बुद्ध विहार न्यास द्वारा रसोई सहित डोरमेटरी का निर्माण। सिकन्दराबाद, आंध्र प्रदेश	**0.10**	--	1.00 करोड़ रूपये की अनुमोदित राशि में से अनुदान की पहली किस्त के रूप में 50.00 लाख रूपये की राशि जारी कर दी गई थी। पहली किस्त का उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त न होने के कारण अनुमोदित राशि की 10,00 लाख रू. की तीसरी किस्त	भारत सरकार के हिस्से की निधि इस राशि के जारी होने के बाद पूरी हो जाएगी।	2013–14 में निधियन के पूरी हो जाने की अपेक्षा है।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					2012–13 में जारी नहीं की जा सकी।			
15.04	**खालसा विरासत परियोजना को वित्तीय सहायता**	खालसा विरासत संबंधी महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में जनता विशेषतः युवाओं में इन महान घटनाओं के महत्व के प्रति भावना पैदा करना।	––	*	खालसा विरासत परियोजना के लिए निधियां केन्द्र सरकार (योजना) के 1/3 भाग के रूप में पंजाब सरकार को दी जानी है क्योंकि परियोजना पर खर्च की गई राशि की प्रतिपूर्ति तिमाही आधार पर की जाती है। * इस स्कीम के लिए प्रावधान शताब्दियां और वर्षगांठ की स्कीम के तहत शामिल हैं।	महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना तथा प्रसार करना।	अनवरत प्रक्रिया	यदि चालू वर्ष के दौरान 6.00 करोड़ रू. की पूरी राशि जारी की जाती है तो 1.55 करोड रू. की शेष राशि भारत सरकार के वचनबद्धता के अनुसार देय होगी।
16.	**अन्य स्कीमें/संस्थान**	**(कला और संस्कृति का संवर्धन)**						
(क)	**केन्द्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान, सारनाथ, केंद्रीय तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय**	भारत के तिब्बत और हिमालयी सीमा क्षेत्र के युवाओं को शिक्षित करने के विचार से संस्थान स्थापित किया गया है।	**9.75**	**7.50**				सामान्तया प्रशासनिक स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	पुस्तकालय का	पुस्तके और जर्नल ई. प्रलेख और			2400 पुस्तक और जर्नल ई.	पुस्तकालय	पूरे वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	विकास	उपकरण खरीदे जाएंगे।			प्रलेख और कुछ उपकरणों की खरीद की जाएगी।	कार्यकलापों के विकास द्वारा तिब्बती संस्कृति और परंपरा संबंधी साहित्य का प्रसार करना।		
(ii)	प्रकाशन और मुद्रण	पुस्तकों का प्रकाशन			12 पुस्तकों का प्रकाशन।	तिब्बती संस्कृति और साहित्य का परिरक्षण।	पूरे वर्ष के दौरान	
(iii)	दुर्लभ बौद्ध पाठों का अनुसंधान, अनुवाद एकक को पनः स्थापित करना, भाषा और प्रयोगशाला की स्थापना, बौद्धिक करार का संवर्धन, विद्वानों सम्मेलनों सेमिनारों का आदान प्रदान, दरभंगा संस्थान के महायान बौद्ध संस्कृत सीरीज पाठ परियोजना का पुनर्मुद्रण और प्रकाशन, विश्वकोश	भारतीय सीमा क्षेत्र के विद्यार्थियों, जिन्होंने पहले तिब्बत में उच्चतर शिक्षा प्राप्त की है, को वैकल्पिक शिक्षा की सुविधा पेशकश करना।			दीह का वार्षिक प्रकाशन, एक कार्यशाला आयोजित की जाएगी 34 अध्यायों का सम्पादन और पाण्डुलिपि का सर्वेक्षण किया जाएगा, ग्रंथ के 685 पृष्ठों (तिब्बती और संस्कृत) का अनुवाद और पुनः मुद्रण करना/एक कार्यशाला आयोजित की जाएगी। भाषा प्रयोगशाला आयोजित की जाएगी/राष्ट्रीय सेमिनार परिसंवाद आयोजित किए जाएंगे। एम.बी.एस.एस.टी. दरभंगा के पुनः मुद्रण का कार्य प्रगति पर है। तिब्बती मेडिकल कोष 7200 शब्द प्रविष्टि*	पुस्तक रूप में दुर्लभ और अप्रकाशित पांडुलिपियों के अर्जन से शोधार्थियों को लाभ हुआ। इगनों के साथ दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम में सहयोग देना।	पूरे वर्ष के दौरान	*तिब्बती संस्कृत ज्योतिष –3550 शब्द प्रविष्टि, विनया कोष 2500 प्रविष्टि, संस्कृत तिब्बत कोष 35000 शब्द प्रविष्टि, नामा कोष 2000 शब्द प्रविष्टि। तिब्बती संस्कृत ज्योतिष – 5000 शब्द

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	और तकनीकी शब्द कोशों का संकलन।							प्रविष्टि
	नई स्कीमें कंप्यूटर सेन्टर, इंटर बौद्ध तिब्बत संस्थान सहयोग, इंटर यूनिवर्सिटी सहयोग, विस्तार व्याख्यान और विज्ञान पर अल्पकालीन पाठ्यक्रम, पुणे में शाखा स्थापित करना, सोवा रिगपा की संकाय का विकास और इसके भवन का निर्माण, शिल्पा विद्या का विकास – तिब्बती संस्कृति का संग्रहालय और इसके भवन का निर्माण, औषध संयंत्र पर परियोजना कार्य।	इन संस्थानों के साथ सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग को बढ़ावा देना संस्कृत और तिब्बती स्रोतों से बौद्ध कार्य का अनुवाद, तिब्बती/बौद्ध दर्शन का प्रसार, सेवा रेगपा का विस्तार और इसकी जागरूकता का संवर्धन तिब्बती पुरावस्तुओं का संग्रह।			सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के लिए अवसंरचना सुविधाएं मुहैया करना, अन्य संस्थानों के साथ सहयोग करना, संस्कृत और तिब्बती स्रोतों से बौद्ध कार्य का अनुवाद करना, तिब्बती बौद्ध दर्शन का प्रसार करना, सेवा रेगपा का विस्तार और इसकी जागरूकता का संवर्धन तिब्बती पुरावस्तुओं का संग्रह।	तिब्बती और बौद्ध परम्परागत संस्कृति और ललित कला का विभिन्न स्कीमों के जरिए संवर्धन और प्रसार और विद्वानों और इच्छुक लोगों के लिए परियोजनाएं।	वर्ष के दौरान	12वीं योजना में प्रस्तावित नई स्कीमों को कार्यान्वित किया जाएगा।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(ख)	**केन्द्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, लेह**	बौद्ध विचारों और साहित्य की शिक्षा के प्रसार के माध्यम से छात्रों के बहुपक्षीय व्यक्तित्व का विकास करना और उन्हें आधुनिक विषयों से अवगत कराना। इसके साथ दुर्लभ पुस्तकों का प्रकाशन, अनुवाद परिरक्षण, संग्रहण करना तथा बौद्ध अध्ययनों आदि से संबंधित अनुसंधान कार्य करना।	**6.90**	**7.85**	147 कर्मचारियों के लिए वेतन और विद्यार्थियों के लिए वजीफे गैर–योजना शीर्ष के तहत कवर किए गए हैं। योजना के तहत प्रावधान में टीएसपी के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यकलाप के लिए निधियां शामिल हैं।			सामान्यतः प्रशासनिक स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	भवन निर्माण	सी.आई.बी.एस और डी पी एस, जांस्कर के लिए वास्तविक अवसंरचना का निर्माण।			सीआईबीएस और डीपीएस जंस्कार के लिए के.लो.नि.वि. और राज्य लोक निर्माण विभाग के जरिए चरणबद्ध रूप से निर्माण कार्य इस वर्ष जारी रहेगा।	संस्थान के प्रयोगकर्त्ताओं के लिए बेहतर सुविधाएं।		सी पी डब्ल्यू डी और राज्य पी डब्ल्यू डी के माध्यम से निर्माण कार्य किया जा रहा है।
(ii)	वर्तमान गोन्पा/मठीय विद्यालयों के लिए प्रावधान दुर्लभ पुस्तकों / पाण्डुलिपियों का प्रकाशन, पारम्परिक लद्दाखी कला व संस्कृति का	विद्यार्थियों के लिए शिक्षक नियुक्त करके और वजीफा देकर गोनपाओं के शैक्षिक कार्यकलापों को सहायता देना।			नए सृजित संकाय और गैर संकाय पदों के लिए वेतन का प्रावधान। 50 गोंपा/ननरी स्कूल चल रहे हैं। डी.पी.एस. जांस्कर के लिए अध्यापकों के पदों का वेतन और विद्यालयों के स्तरोन्नयन के लिए प्रोफेसर यूजीसी के स्वीकृत पैटर्न पर छात्रवृत्तियों एवं अध्येतावृत्तियों के लिए शोध	शिक्षा की मठीय पद्धति का परिरक्षण और संवर्धन।		हिमालयी बौद्ध संस्कृति के विश्वकोश के संकलन का कार्य प्रगति पर है। हिंदी और अंग्रेजी में दार्शनिक पाठ। हिंदी–तिब्बती

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	परिरक्षण हिमालय की बौद्ध संस्कृति के वृहत कोटा का संकलन।				कर रहे हैं। – दुर्लभ पुस्तकों/पाण्डुलिपियों का प्रकाशन,सेमिनार/विचारगोष्ठी , व्याख्यानमाला का आयोजन, पारंपरिक लद्दाखी कला और संस्कृति का परिरक्षण, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम चलाना, पुस्तकालय के लिए पुस्तकों आदि की खरीद, रसोई ईंधन, भवन के लिए साज–सज्जा फर्नीचर के लिए प्रावधान सेवाकालीन प्रशिक्षण और अनुरक्षण और सेवा प्रदान करना। 3 बौद्ध ग्रंथों का अनुवाद।			एवं तिब्बती–हिंदी शब्दकोश का संकलन। संस्थान के इंटरनेट एवं नेटवर्किंग का कंप्यूटरीकरण। बौद्ध दर्शन संस्कृति विद्यालय केलांग को सीआईबीएस विद्यालय लेह की एक शाखा के रूप में ग्रहण किया गया है।
(ग)	**गांधी स्मृति और दर्शन समिति**	विभिन्न सामाजिक – शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करके महात्मा गांधी के जीवन, मिशन और विचारों का प्रचार करना।	4.68	8.40				सामान्तया प्रशासनिक एवं स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
								है।
	संवर्धनात्मक कार्यकलाप 1. शैक्षिक संस्थाओं के साथ नियमित कार्यक्रम क) विद्यालयों में गाांधी शिक्षण ख) युवाओं के गांधी शिक्षण ग) महिलाओं के लिए कार्यक्रम घ) यादगार कार्यक्रम ड.) अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ कार्यक्रम	महात्मा गांधी के जीवन संदेश और सामाजिक विषय के मामले के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराना। महात्मा गांधी के जीवन संदेश और सामाजिक विषयों के मामले के बारे में युवाओं को अवगत कराना, रचनात्मक कार्य का संवर्धन करना। महात्मा गांधी के जीवन संदेश और सामाजिक विषयों के मामलों के बारे में अवगत करना, रचनात्मक कार्य का संवर्धन/रचनात्मक कार्य का संवर्धन और लाभ से वंचित महिलओं का सशक्तिकरण /आबादी समूह में गांधी का संदेश देना इसका उद्देश्य है और महात्मा गांधी के जीवन के महत्वपूर्ण दिनों का स्मरणोत्सव अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ समिति के विभिन्न कार्यकलाप शुरू करना।			इस पहल के भाग के रूप में बच्चों के साथ नियमित पारस्पकि बातचीत करना; गांधी स्मृति का प्रदर्शन दौरा ; सामाजिक और विकासात्मक अनेक मामलों पर विचार विमर्श और प्रतियोगिता आयोजित किए जाएंगे। वर्ष के दौरान युवाओं के पास पहुंच के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित करना; विभिन्न मामलों में महिलाओं के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम; विकासात्मक प्रक्रिया आरंभ करने के लिए बातचीत शुरू करना; विकासात्मक प्रक्रिया शुरू करने के लिए कार्रवाई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और महात्मा गांधी से संबंधित महत्वपूर्ण तारीखों पर समारोह आयोजित किए जाएंगे।	महात्मा गांधी के सिद्धांतों के बेहतर समझ। युवाओं में महात्मा गांधी के सिद्धांतों की बेहतर समझ। लाभ वांछित महिलाओं के लिए जीविका अवसरों का संवर्धन और उन्हें रचनात्मक कार्य में लगाना। महात्मा गांधी के सिद्धांतों की बेहतर समझ का विकास; गांधी से संबंधित कार्यक्रमों में लोगों को शामिल करना। रचनात्मक कार्य में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ रह रहे लोगों को शामिल करना और गांधी दर्शन की बेहतर समझ।	चल रही स्कीमें/ कार्यक्रम।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	प्रसार, बुनियादी ढांचा, पूर्वोत्तर कार्यक्रम	ऐसे कार्यकलाप शुरू करना जो महात्म गांधी के जीवन, कार्य और विचारों की बेहतर समझ पैदा करे। गांधीवादी कार्य में कार्यरत अन्य सरकारी संगठनों के परामर्श और सहयोग से महात्मा गांधी के जीवन से संबंधित वैयक्तिगत कागजात और अन्य ऐतिहासिक सामग्री को अधिग्रहण रख–रखाव और परिरक्षण करना। गांधी स्मृति और गांधी दर्शन काम्प्लेक्स में मण्डप में शहीदी स्तम्भ का परिरक्षण और अनुरक्षण। इस पहल का उद्देश्य पूर्वोत्तर के लागों में इसको पहुचाना है।			प्रकाशन आवधिक रूप से प्रकाशित किए जाएंगे : समिति के कार्यक्रम से संबंधित नए प्रकाशन भी प्रकाशित किए जाएंगे। गांधी स्मृति और गांधी दर्शन दोनों परिसरों में विकास कार्य शुरू किया गया था : गांधी संबंधी विरासत के पुनर्स्थापन का कार्य शुरू किया जाना है। नई पुस्तकें खरीदी जाएंगी; स्मृति की अवसंरचना को सुदृढ बनाने के लिए उपकरणों की खरीद की जाएगी। वर्ष के दौरान समिति द्वारा सम्मेलन/निर्माण कार्यक्रम आदि आयोजित किए जाएंगे।	गांधीवादी महत्व और दर्शन के संवर्धन के लिए विभिन्न प्रकाशन साहित्य प्रकाशित किए जाएंगे। गांधी स्मृति और गांधी दर्शन परिसर दोनों में विकास कार्य शुरू किए जाएंगे; गांधीवादी विरासत का जीर्णोद्धार शुरू किया जाएगा; नई पुस्तकें खरीदी जाएंगी; स्मृति की अवसंरचना को सुदृढ बनाने के लिए उपकरणों की खरीद की जाएगी। गांधी के विचारों की बेहतर समझ का विकास और गांधी दर्शन का संवर्धन	प्रकाशन अवधि के अनुसार प्रकाशित किए जाते हैं। वर्ष के दौरान समिति कन्वेंशन आयोजित करती है।	पूर्वोत्तर से समाज के कमजोर वर्गों के लिए जीविका के अवसरों में सुधार करने के लिए बच्चों की भागीदारी कार्यक्रम।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						करना।		
(घ)	**नव नालंदा महाविहार, नालंदा, बिहार**	प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की पूर्व प्रसिद्धि को पुनर्जीवित करना। पाली भाषा, साहित्य और बौद्ध शास्त्र में स्नातकोत्तर अध्ययन और अनुसंधान शुरू करना।	**3.54**	**5.00**				सामान्यतः प्रशासनिक स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
i.	पुस्तकालय सेवा में सुधार और उसका विकास	पाली, बौद्ध दर्शन, प्राचीन इतिहास, संस्कृति और वास्तुकला, हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत आदि की नई पुस्तकें खरीदकर पुस्तकालय का विकास करना।			1000 से अधिक पुस्तकें खरीदे जाने की आशा है और वर्ष के दौरान पुस्तकों का कम्पयूटरीकरण किया जाएगा।	विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों के अनुसंधान छात्रों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना।	पूरे वर्ष के दौरान।	वर्ष के दौरान ताई, खामती, मोनापा, आदि बौद्ध समुदाय धार्मिक जीवन आदि के प्रलेखन पर एन.ई.आर कार्यकलाप और एन.ई. में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है।
ii.	जुआनजांग	एक्स जेड एम के ऊपर और बाहर			नियमित विकास व अनुरक्षण	येन जंग के	पूरे वर्ष के दौरान।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	मेमोरियल हॉल का विकास	भित्तिचित्र कलाओं तथा भू–दृश्य निर्माण आदि जैसे सृजन कार्यों को पूरा करना।			के कार्य शुरू किए जाते है। इसके अलावा, जुआनजांग के अवशेषों को रखने व उनका परिरक्षण करने के लिए अलग भवन का निर्माण करने का प्रस्ताव है।	संबंध में जानकारी देना।		
iii.	सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमीनार और सम्मेलन	अंतर–संस्थान आदान–प्रदान के आधार पर सेमीनार, कार्यशालाएं आदि आयोजित करके बौद्ध विचारधारा का प्रचार और प्रसार			प्रत्येक वर्ष एन.एन.एम. स्तवंत्र रूप से अथवा अन्य संस्थाओं के सहयोग से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार और कार्यशाला आयोजित करना। इन कार्यशालाओं, सेमिनारों आदि से एकत्रित शैक्षिक एवं सांस्कृतिक सामग्री को मुद्रित किया गया है और अध्येताओं एवं शोधार्थियों के लिए उपलब्ध है।	कार्यशालाएं, सेमीनार आदि आयोजित करके सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देना।	पूरे वर्ष के दौरान।	
iv.	(i) कम्पयूटर नेटवर्किंग और सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग बढ़ाना। (ii) महाविहार के उत्कृष्ठ छात्रों को छात्रवृत्ति	संस्थान में कंप्यूटर और नेटवर्क प्रणाली सहित पूर्णतया सूचना प्रौद्योगिकी की स्थापना करना। उत्कृष्ठ छात्रों की सहायता करना।			पहले से मौजूद कंप्यूटर्रों पहले से मौजूद कंप्यूटर्रों के संचालन एवं रख–रखाव पर होने वाले खर्च वहन और नए कंप्यूटर्रों की खरीद भी की जाएगी। भारतीय और विदेशी विद्यार्थियों को इससे लाभ मिलेगा।	प्रचीन नालन्दा विश्वविद्यालय की पुरानी शान को पुनर्जीवित करना। पाली भाषा और बौद्ध साहित्य को प्रोत्साहित करना।	पूरे वर्ष के दौरान।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	प्रदान करना।							
v.	पुराने और नए प्रकाशनों का मुद्रण तथा प्रलेखन प्रदर्शनी	मुख्य उद्देश्य पूर्व सेमीनारों और अन्य अनुसंधान अभिमुख सामग्री को मुद्रित और पुनःमुद्रित करना तथा प्रदर्शनियों का आयोजन और उनका प्रलेखन करके बुद्ध की शिक्षा का संवर्धन व प्रचार–प्रसार करना है।			वार्षिक और लेखा परीक्षा रिपोर्टों, सेमीनारों की कार्यवाही का मुद्रण और पुरानी पुस्तकों का पुनःमुद्रण शुरू किया जाएगा। नालन्दा और बौद्ध धर्म की विषयवस्तु पर प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी।	पाली भाषा और बौद्ध साहित्य में अच्छी अनुसंधान सामग्री उपलब्ध कराना।	पूरे वर्ष के दौरान।	
vi.	पाली–हिंदी शब्दकोश परियोजना	यह स्कीम केवल पाली–हिंदी शब्दकोश तैयार करने पर केंद्रित है।			पाली–हिंदी शब्दकोश जो अपने प्रकार का अद्वितीय है एक जारी परियोजना है जिसके तहत खण्ड –I, II, III जोकि पहले ही जारी किया जा चुका है और एक दूसरा खंड वर्ष के दौरान आने की अपेक्षा है।	इसका उद्देश्य आगंतुक अध्येताओं की पाली भाषा समझने में मदद करना है।	पूरे वर्ष के दौरान।	
vii.	100 बिस्तरों वाले नई धागावास और कन्वेंशन हाल का निर्माण उद्यान का विकास और आवासीय परिसर में भूमि का अधिग्रहण (10 एकड़)	विदेशी छात्रों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करना और आस–पास विकासात्मक वातावरण एन.एम.एम. के स्टाफ के लिए रहने की बेहतर सुविधाएं।			निर्माण कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, पटना द्वारा किया जा रहा है। 64 एकड से अधिक भूमि में फेले एक्सएचएम परिसर में अनियमित श्रमिकों द्वारा बगीचों की कटाई–छंटाई, पोषण, रोपण और सामान्य रख–रखाव किया जाना है।	विदेशी छात्रों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करना और संस्थान के आस–पास वातावरण में विकासात्मक परिवर्तन करना।	वर्ष के दौरान	निर्माण कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, पटना द्वारा किया जाएगा।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(ड.)	**मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान, कोलकाता**	19वीं शताब्दी के मध्य से एशिया में सामाजिक, संस्कृति और राजनैतिक आर्थिक आंदोलन के अध्ययन सहित मौलाना अबुल कलम आजाद के जीवन और कार्यों का अनुसंधान और प्रशिक्षण आयोजित करना।	**1.24**	**6.30**				सामान्तया प्रशासनिक व स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाना है।
i.	पूर्वोत्तर सहित अनुसंधान परियोजना/अध्येतावृत्ति और अन्य संवर्धनात्मक कार्यकलाप	भारत तथा अन्य एशियाई देशों में अनुसंधान कार्यकलाप शुरू करना तथा सामाजिक राजनैतिक और आर्थिक परिवर्तनों का प्रकाशन।			(i)प्रारम्भ में 35 पूर्णकालिक आवासीय अध्येता पूर्वोत्तर भारत सहित विभिन्न क्षेत्रों पर अनुसंधान करेंगे। परियोजनाओं, पुस्तकालय, सम्मेलन सुविधा एवं अंतरराष्ट्रीय छात्रावास का स्थान संस्थान के साल्ट लेक परिसर में है। (ii) मुख्य रूप से पूर्वोत्तर भारत में 10 से अधिक परियोजना कार्यकर्ता कार्य करेंगे। दौरे और सेमिनार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होंगे। संस्थान सेमिनार आयोजित करने में अन्य निकायों की मदद करेगा। 14	मूल उद्देश्य एशिया में सामाजिक संस्कृति और राजनैतिक तथा आर्थिक महत्व का अध्ययन करना है और विद्वानों/जर्नल आबादी के लिए विभिन्न सांस्कृतिक मामले में हस्तक्षेप करना।	प्रगति का आकलन करने और आगे अनुदान उपलब्ध कराए जाने के लिए प्राधिकारी द्वारा मासिक और तिमाही प्रगति रिपोर्टों पर विचार किया जाता है।	शोधकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत तिमाही प्रगति रिपोर्ट और पांडुलिपि में विलंब।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					सदस्यों का नियमित स्टाफ इस संस्थान के स्थापन कार्य को चलाएगा। (iii) विरासत भवन से 1 प्रलेखन केन्द्र संचालित होगा। (iv) संविदा स्टाफ प्रशासनिक लेखा संबंधी एवं पुस्तकालय और संग्रहालय का कार्य कर रहा है। (v) साल्ट लेक परिसर में पूर्वोत्तर केन्द्र सृजित किया जाएगा। (vi) ई–पुस्तकालय और पुस्तकों तथा परियोजनाओं का डिजिटीकरण।			
ii.	पुस्तकों का प्रकाशन/अर्जन।	विभिन्न विषय क्षेत्रों में शेधार्थियों के अनुसंधान कार्य का प्रकाशन।			10 पुस्तकों और एक जर्नल का प्रकाशन किया जाएगा।	त्वरित एवं प्रभावी संचलन को सुनिश्चित करने के लिए प्रकाशकों के साथ करार ताकि उपयुक्त ढंग से संस्थान परियोजनाओं के प्रकाशन का कार्य शुरू किया जाए। प्रकाशनों तक		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						पहुंच में सुधार के लिए इंटरनेट का प्रयोग।		
iii.	मौलाना आज़ाद संग्रहालय	इस संग्रहालय ने कोलकाता के लोगों को प्रभावित किया है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में मौलाना आज़ाद के योगदान और उनकी स्मृति का संग्रह आगंतुकों के लिए प्रदर्शित किया गया है।			संग्रहालय का नियमित निरीक्षण किया जाएगा। संग्रहालय निम्न का रख–रखाव करता है :– (1) मौलाना आजाद का स्मरणीय (2) एल.सी.डी., टी.वी. तथा (3) मौलाना आजाद पर दृश्य सामग्री (4) मौलाना आजाद के जीवन और कार्य पर अभिलेख सामग्री। संस्थान मौलाना आजाद के जीवन और समय से संबंधित दुर्लभ पुस्तकों का प्रबंध करेगी (5) संग्रहालय का स्वतंत्र सेमिनार कार्यक्रम होगा।	मौलाना आज़ाद के जीवन, कार्य, राष्ट्रीय आंदोलन और राष्ट्र निर्माण की जानकारी बढ़ाना।	मसिक आरक्षण	निधियों की उपलब्धता तथा शिल्प तथ्यों की आसान उपलब्धता
iv.	नए परिसर और छात्रावास का रख–रखाव एवं उन्नयन (साल्ट लेक परिसर के रख–रखाव सहित)	कार्यालय स्टाफ, अध्येताओं के लिए कार्य स्टेशन, सेमिनार हॉल को सीन देना और दौरे के संकाय एवं विद्वानों के लिए प्रावधान।			(1) के.लो.नि.वि. एवं अन्य निकायों द्वारा शुरू किए गए कार्य के नियमित निविष्टि (2) कार्यालय वाहन (3) फर्नीचर, कंप्यूटर आदि की खरीद।	कंप्यूटर/प्रिंटर/जीरोक्स कलर मशीन आदि जैसी सभी सुविधाओं सहित अध्येताओं के लिए कार्य स्टेशन। वीडियों	अनुबंध द्वारा अपेक्षित मासिक आधार पर मानक संबंधी रख–रखाव कार्यकलाप। निरीक्षण द्वारा सुझाव के अनुसार	के.लो.नि.वि. अन्य निकाय द्वारा कार्य में विलंब।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						कॉन्फ्रेंसिंग और सीसीटीवी कैमरा।	उन्नयन।	
(च)	**कलाक्षेत्र प्रतिष्ठान, चेन्नई**	यह विशेष तौर से नृत्य और संगीत के क्षेत्र में भारतीय कला के परम्परागत मूल्यों का परिरक्षण के लिए सांस्कृतिक अकादमी के रूप में कार्य करती है। इस संस्थान के प्रकट उद्देश्य कला सभी रूपों और इसके क्षेत्रीय रूप भेद का समन्वय करना है और परिणामस्वरूप सही कला के मानक स्थापित करना है।	5.19	4.00			सतत प्रक्रिया	सामान्यतः प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर–योजना अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
i.	रंगमच उन्नयन – कूथाम्बलम	भारतीय/ अन्तरराष्ट्रीय परकों के लिए अन्तरराष्ट्रीय मानकों के अन्नत ग्रंन्थ एवं प्रकास व्यवस्था से संब्रधित उपस्कर प्रदान करता			सिविल कार्यो में वृद्धि एवं परिवर्तन सहित साउंड एवं स्टेज प्रबंधन में अत्याधुनिक प्रौद्यौगिकी संस्थापित करने के लिएं कूथाम्बलम का नवीकरण।	कलाक्षेत्र भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों को पहले से आकर्षित कर रहा है। रंगमंच के उन्नयन से कला प्रस्तुतियों की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।	समस्त कार्य वर्ष 2012–13 में पूरा किया जाएगा।	वर्ष 2013–14 के दौरान परियोजना की पूर्णता अपेक्षित है।
ii.	रंगमंच उन्नयन – रूकमणि आरंगम	परिसर में आइकोनिक प्रदर्शन स्थानों के एक स्थान पर सुविधाओं का उन्नयन करना।			ऑडिटोरियम की छत सुविधा, रोशनी की सुविधा, आवाज प्रणाली, ग्रीन रूम, इलेक्ट्रानिक लाइन और बैठने की सुविधा का उन्नयन करना।	कलाक्षेत्र भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों को पहले से आकर्षित कर रहा है। रंगमंच के उन्नयन से कला प्रस्तुतियों		वर्ष 2013–14 के दौरान परियोजना की पूर्णता अपेक्षित है।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।		
iii.	संग्रहालय परियोजना	श्रीमती रूकमणि देवी, कलाक्षेत्र की संस्थापक के जीवन और समय की फोटो, पुरावस्तुओं और स्मरणीय वस्तुओं के बढ़िया प्रदर्शन का सृजन करना।			श्रीमती रूकमणि देवी के बहुमूल्य दुलर्भ संग्रह और जिनी वस्तुओं और दक्षिण भारतीय कला रूपों और संबंधित पुरावस्तुओं के प्रदर्शन के लिए संग्रहालय।	श्रीमती रूकमणि देवी की विभिन्न पुरावस्तुओं और जीवन को दिखाने के लिए केन्द्रीकृत प्रदर्शन स्थान सृजित करना। संग्रहालय के नाक्शे का डिजाइन बनाने के लिए संग्रहालय विशेषज्ञों और संग्रहाध्यक्ष के साथ कार्य करना, संग्रहालय की विभिन्न वस्तुओं का संरक्षण करना और श्रीमती रूकमणि देवी पर एक फिल्म का निर्माण करना।	वर्ष 2011–12 के लिए इस परियोजना हेतु 25.58 लाख रूपये निर्धारित किए गए थे और 2012–13 के लिए 190.00 लाख रूपये में आवंटित किए गए है।	संग्रहालय में प्रदर्शित की जाने वाली कलाकृतियों के सूची पत्र का कार्य मार्च 2013 तक पूरा हो जाएगा। तथापि, संग्रहालय का निर्माण 2013–14 में आरंभ होगा।
iv.	**निर्माण परियोजना–**	आगुन्तक के लिए प्रेरक वातावरण और विद्यार्थियों के लिए बेहतर सुविधाएं मुहैया			सभी परिसरों के लिए आहाता दीवार और दरवाजों के	– पूर्णतया सुरक्षित सृजन के	मार्च, 2013 तक पूरा किया जाना	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	आहातोद दीवार, स्वागत केन्द्र और छात्रावास भवन इंजीनियरिंग शेड का निर्माण। वेस्ट टेंक स्ट्रीट, थिरवनमियूर में पुराने घरों का नवीकरण।	करना।			नवीकरण का कार्य वर्ष के दौरान शुरू किया जाएगा। प्रतिष्ठान के नए स्वागत केन्द्र का निर्माण शुरू किया जाएगा। छात्रावास भवन एवं विद्यालय भवन के नवीकरण का कार्य वर्ष के दौरान शुरू किया जाएगा। विभिन्न इलेक्ट्रिकल, मकेनिकल और निर्माण संबंधित संघटको को रखने के लिए क्षेत्र को चिन्हित करना। यह परियोजना वर्ष के दौरान शुरू की जाएगी।	लिए जहां आवश्यक हो अहाता दीवार का प्रबलन करना। गेट लगवाना ताकि परिसर को उपर्युक्त सुरक्षा प्रदान की जा सके। – कलाक्षेत्र में एकत्रित होने और इतिहास को प्रदर्शित करने के लिए आगंतुकों हेतु स्थान उपलब्ध कराने और संस्थान के निर्देशन में परंपरा, आथितिय सत्कार और आधुनिकता को साथ लाया जा सके। परिसर में अध्ययन और आवासीय सुविधाओं में	है।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						सुधार द्वारा विद्यार्थियों को सीखने का वातावरण उपलब्ध कराना।		
v.	**अनुसंधान और प्रलेखन**	पारंपरिक कला रूप में कार्यकलापों के आगे बहन में और आगे कार्य करना तथा इस क्षेत्र में प्रगति की घटनाओं की बराबर जानकारी देने के लिए युवा पीढी को प्रशिक्षित करना।			पाण्डुलिपियों के अभिलेख, दस्तावेजों के पाठ, फोटो अभिलेखागार के साथ साथ दृश्य एवं श्रव्य अभिलेखों : जन समारोहों : परस्पर वार्ता सत्र और प्रशिक्षण कार्य का डिजिटीकरण करना।	बडी संख्या में दर्शकों को प्रस्तुत किए गए कलारूपों को ग्रहण करना। कला और संस्कृत के सतत संवर्धन के प्रयास स्वरूप कलाकारों और जनता के बीच वार्ता के लिए मंच का सृजन। अनेक मीडिया लेखों का डिजिटल अभिलेख।		पूरे वर्ष चलने वाले अनवरत कार्यकलाप
vi.	**शिल्प केन्द्र (सीईआरसी भवन का नवीनीकरण)**	कलमकारी, बुनकर और हस्त–खण्ड छपाई के कलाक्षेत्र के परम्परागत बहुत क्षेत्रों के जरिए भारत की परम्परागत शिल्प का संवर्धन और परिरक्षण करना।			स्थायी शिल्प बाजार का सृजन, नई उत्पाद वस्तुओं का सृजन, नए बाजारों को उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए नई विपणन योजना/उत्पादों की अधिक पहुंच	विवादों को वापस लेने (याचिका कर्ता की मृत्यु के परिणाम स्वरूप) के बाद कला	परियोजना 2013–14 में शुरू की जाएगी।	मुकदमे को वापस लेने पर (याचिकाकर्ता के निधन के फलस्वरूप)

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					सृजित करने के लिए नए खुदरा स्थान का विकास और शिल्प पेशकश का बेहतर प्रदर्शन।	क्षेत्र प्रतिष्ठान को नए रूप में प्रदान किए गए भवन के मूल्यवर्धन के पश्चात वर्तमान इमारत के पुनःसज्जित करने का वृहद कार्यक्रम। अतिरिक्त स्थान शिल्प केन्द्र द्वारा वर्तमान में शुरू किए गए कार्यक्रमों को बढाने के लिए प्रयोग किया जाएगा।		कलाक्षेत्र फाउंडेशन को हाल ही में सौंपे गए भवन की मूल्य वृद्धि के बाद।
vii.	**ग्रीन परियोजना (i) जल निकायों का जीर्णोद्धार और नवीकरण। (ii) जल और रि–साइकलिंग के लिए संरक्षण उपाय।**	परिसर में जल संरक्षण और वनरोपण उपायों के जरिए हमारे बहुमूल्य पर्यावरणीय संसाधनों पर ध्यान देना।			परिसरों में विभिन्न जल निकायों के निर्मलीकरण और शुद्धता के प्रयास। विद्यार्थियों और कला प्रेमियों तथा पर्यावरणीय प्रणाली, जो परिसर के अन्दर और आस–पास पक्षियों और पशुओं	कलाक्षेत्र फाउंडेशन की पर्यावरणीय नीति के अनुसार एक जल निकाय पहले से निर्जलीकृत थी और पदम	परियोजना 2013–14 में शुरू की जाएगी।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	(iii) वनीकरण				की नई जातियों को बनाए रखेगी और स्वागत करेगी।	पु''करणी के रूप परिवर्तित थी। इसी तरीके से अन्य बड़े जल निकाय के रूप में परिवर्तित किए जाने है।		
viii.	**उत्सव एवं प्रस्तुतियां**	संस्कृति के संवर्धन के लिए विभिन्न उत्सवों एवं प्रस्तुतियों को आयोजित करना।			सामान्य जन के लिए विभिन्न कला रूपों के प्रदर्शन के कार्यक्रम और उत्सव, प्रस्तुतियां आयोजित की गई।	अनेक विषयों पर 7 उत्सवों का संचालन करना जो विद्यार्थियों, विद्यालयों और जन साधारण से संबंधित हों।		वर्ष भर चलने वाला सतत कार्यकलाप।
(छ)	**नामग्याल तिब्बती शास्त्र संस्थान, सिक्किम**	'छोज' (बुद्ध की शिक्षा) के ज्ञान को फैलाना।	**0.70**	**0.21**	सिक्किम और हिमालई क्षेत्र संबंधी प्रलेखन एवं प्रकाशन का जारी कार्यक्रम। संस्थान के कार्यों की मरम्मत एवं रख–रखाव। सदियों पुरानी मौखिक परंपराओं एवं मठीय प्रथाओं का अभिलेखन एवं अनुरक्षण किया जाना। सिक्किम के पुराने एवं दुर्लभ फोटोग्राफों को खोजना, डिजिटीकरण करना एवं प्रलेखन।	पाठ का अनुवाद और प्रकाशन करना और शौध कार्य करना।	पूरे वर्ष के दौरान	एन.ई. आवंटन एवं टी.एस.पी. से वित्तीय मांग पूरी की जाती है।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(ज)	**अध्येता स्कीम**		--	9.25				
	क) मंच, साहित्य और दृश्य कलाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट कलाकारों को अध्येतावृत्ति	इस स्कीम के अंतर्गत संगीत, नाटक, रंगमंच दृश्य कला, लोक और देशी कलाओं के साहित्य और पारंपरिक कलारूपों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कलाकाहरों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।	2.50	--	200 कनिष्ठ तथा 200 वरिष्ठ अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की जानी है।	विशिष्ट कलाकारों को आर्थिक सहायता	पूरे वर्ष के दौरान	
	ख) युवा कलाकारों को छात्रवृत्ति	इस स्कीम के अंतर्गत भारत में उच्च प्रशिक्षण के लिए युवा उत्कृष्ट कलाकारों को वित्तीय सहायता दी जाती है।			400 छात्रवृत्तियाँ दी जायेंगी।	युवा कलाकारों को आर्थिक सहायता।	पूरे वर्ष के दौरान।	
	ग) विद्या संस्थानों में सुनम्य विनियोजन ; सांस्कृतिक अनुसंधान के लिए टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति की स्कीम	यह संस्थानों में विद्वानों/शिक्षाविदों के पार्श्व संचलन को संस्थानों के मुख्य उद्देश्य से संबंधित परियोजनाओं और शोध कार्य शुरू करने तथा उनको नए सृजनात्मक क्षमता से समृद्ध करने पर विचार करता है।	--	--	15 टैगोर अध्येतावृत्ति दी जानी है। और 25 टैगौर राष्ट्रीय अनुसंधान छात्रवृत्ति दी जानी है।	यह अत्यंत प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की स्कीम है। इस स्कीम में संस्कृति क्षेत्र की अनुसंधान परियोजनाओं में श्रेष्ठ विद्वानों को शामिल किया जाएगा।	पूरे वर्ष के दौरान	
(झ)	**कलाकार पेंशन स्कीम**			15.50				

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	(i) विशिष्ट कलाकारों को वित्तीय सहायता	उन कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान करना जिनका कला के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा हो तथा जो 58 वर्ष से अधिक आयु और अभावग्रस्त परिस्थितियों में हों।	**2.35**	––	3378 कलाकारों को इस पेंशन स्कीम के तहत सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।	जो प्रसिद्ध कलाकार 58 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं और अभावग्रस्त परिस्थितियों में हैं उन्हें वित्तीय सहायता।	पूरे वर्ष के दौरान	
	(ii) राष्ट्रीय कलाकार कल्याण निधि की स्थापना।	बीमार कलाकारों को चिकित्सा सुविधा।			प्रसिद्ध कलाकारों को उनकी चिकित्सा एवं अन्य उद्देश्यों के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी।	बीमार कलाकारों को उनके कल्याण के लिए चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराना।		इस स्कीम का कं.सं. (i) में उल्लिखित स्कीम में विलय करने पर विचार किया जा रहा है।
(त्र)	**सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत प्रतिनिधिमंडल**	पारस्परिक आधार पर विश्व के अन्य देशों के साथ सांस्कृतिक संबंधों का संवर्धन	**0.95**	––	इस निधि का मुख्य उद्देश्य सांस्कृतिक करार के अंतर्गत विदेशी प्रतिनिधि मंडलों के सांस्कृतिक दौरों की मेजबानी करना/बैठकें आयोजित करना है। वर्ष 2012–13 के दौरान सांस्कृतिक करार के अंतर्गत विभिन्न देशों के साथ नए	सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों के रूप में क्षेत्र विशिष्ट सहायता के माध्यम से कार्य नीतिपरक	विदेश मंत्रालय के परामर्श से विदेशों के साथ सांस्कृतिक दौरे / बैठकें/ सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					सीईपी हस्ताक्षरित/निष्पादित किए जाएंगे और सांस्कृतिक करार के अधीन बैठक/सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे।	प्राक्रियाएं तैयार करना।		
(ट)	**बौद्ध/तिब्बती संगठनों के परिरक्षण और विकास के लिए वित्तीय सहाता**	बौद्ध/तिब्बती संस्कृति व कला के वैज्ञानिक विकास का संवर्धन एवं प्रचार करना।	––	3.50	पात्र आवेदनों की प्राप्ति तथा विशेषज्ञ सलाहकार समिति की सिफारिशों पर निर्भर करता है।	बौद्ध/तिब्बती कला और संस्कृति का संरक्षण और विकास।	संस्कृति मंत्रालय अग्रणी समाचार पत्रों में विज्ञापन देना होगा जिसमें बौद्ध स्कीम के अधीन राज्य सरकारों द्वारा विधिवत संस्तुत एवं अग्रेषण के साथ आवेदन करने के लिए पात्र संगठनों से अनुरोध किया जाएगा। आवेदन प्राप्ति के पश्चात यह मंत्रालय उसे विशेषज्ञ सलाहकार समिति के समक्ष उसकी संस्तुतियों के लिए रखता है।	विशेषज्ञ समिति द्वारा अनुमोदित प्रस्तावों की संख्या परियोजना की गुणवत्ता और संगठन की क्षमता पर निर्भर करेगी।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(ठ)	**शताब्दियाँ/ वर्षगांठ समारोह स्कीम**	प्रसिद्ध हस्तियों और घटनाओं की वर्षगांठ/ शताब्दी मनाने के लिए स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।	2.00	--	प्रसिद्ध हस्तियों और घटनाओं की वर्षगांठ/ शताब्दी मनाने के लिए वित्तीय सहायता हेतु अभिनिर्धारित स्वैच्छिक संगठनों की संख्या।	महान विभूतियों के संबंधित क्षेत्र में किए गए योगदान के बारे में जागरूकता पैदा करना।	प्रक्रिया जारी है। उम्मीद की जाती है कि परियोजना समय पर पूरी की जाएगी।	विशेषज्ञ समिति द्वारा अनुमोदित प्रस्तावों की संख्या परियोजना की गुणवत्ता और संगठन की क्षमता पर निर्भर करेगी।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(क)	**स्वामी विवेकानंद की 150वीं** वर्षगांठ	स्मरणोत्सव कार्यक्रमों के उद्देश्य के लिए।	––	*	चलाई जाने वाली अधिकांश परियोजनाओं के परिणाम अमूर्त होंगे जिन्हें भौतिक संदर्भ में नहीं मापा जा सकता है। इन कार्यक्रमों का प्रभाव युवाओं में चरित्र निर्माण करना है और राष्ट्र निर्माण के प्रति कार्य करने के लिए उनमें जागरूकता पैदा करना है। इसमें केवल लम्बी अवधि में महसूस किया जा सकता है स्वामी विवेकानंद की शिक्षा और संदेश का प्रचार करने की सुविधा के लिए ही ये परियोजनाएं शुरू की जाती है जैसे फिल्म निर्माण करना, प्रदर्शनीहाल, स्कूलों का निर्माण करना, सम्मेलन आदि आयोजित करना मूर्त स्वरूप के होंगे जिन्हें भौतिक संदर्भ में मापा जा सकता है। लेकिन ये गौण 34 लब्धियां होंगी जिन्हें अभी लिया जाना है और देश के युवाओं के चरित्र निर्माण के मुख्य उद्देश्य के लिए सहायक हैं।	एन.आई.सी. द्वारा अनुमोदित कार्यकम/परियोजना कार्यान्वयन के लिए शुरू की जा रही है। केवल वे परियोजनाएं जिनके द्वारा स्वामी विवेकानंद की शिक्षा एवं संदेश के प्रसार के लिए शुरू की जा रही हैं जैसे फिल्म बनाना, प्रदर्शन हॉल का भवन, विद्यालय भवन और अस्पतालों आदि में अवसंरचना सुविधाओं में सुधार शुरू किया जाएगा।	परियोजनाओं का पूरा होना धनराशि की उपलब्धता पर निर्भर करता है। तथापि, इन परियोजनाओं को 2013–14 एवं 2014–15 में पूरा करने का प्रयास होगा।	प्रस्तावों का कार्यान्वयन और निधियन बजट की कमी के कारण 2014–15 के बाद किया जाएगा।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(ख)	**गुरू रबीन्द्र नाथ टैगोर की 150वीं वर्षगांठ**	उचित ढंग से गुरू रबिन्द्र नाथ टैगोर की 150वीं वर्ष गांठ मनाना और उनके कार्यों का जनता में प्रसार करना।	––	*	एनआईसी द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव को 2012–13 एवं 2013–14 में शुरू किया जा रहा है। इस प्रस्ताव के लिए अनुमोदन के अनुसार निधि उपलब्ध कराई जाएगी।	अनुमोदित प्रस्ताव पूरा किया जाएगा।	प्रस्ताव का कार्यान्वयन 2013–14 और 2014–15 में पूर्ण होने की अपेक्षा होगी।	* क.सं. 15.4 (क) में प्रदर्शित शताब्दियां एवं वर्षगांठ स्कीम के तहत योजना प्रावधान में शामिल।
(ड)	**स्मारकों के विकास और अनुरक्षण के लिए स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता की स्कीम**	राष्ट्रीय स्मारकों के विकास और अनुरक्षण के लिए स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना	0.50	––	राष्ट्रीय स्मारकों के विकास और अनुरक्षण के लिए अभिनिर्धारित स्वैच्छिक संगठनों की संख्या	राष्ट्रीय महत्व के व्यक्तियों के राष्ट्रीय स्मारक के रूप में सांस्कृतिक विरासत का अनुरक्षण	चल रही प्रक्रिया	
(ढ)	**स्टूडियों/थियेटर सहित सांस्कृतिक संगठनों को भवन अनुदान**	स्टूडियों थियेटर सहित सांस्कृतिक स्थानों के सृजन के लिए स्वैच्छिक सांस्कृतिक संगठनों और सरकारी सहायता प्राप्त संस्कृतिक संगठनों को अनुदान देना।	––	2.00	सांस्कृतिक कार्यकलापों में संलग्न संगठनों से प्रस्ताव प्राप्त होने और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता दी जाती है।	सांस्कृतिक स्थानों का सृजन/उन्नयन		पात्र मामलों में धनराशि जारी करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं और विशेषज्ञ समिति की बैठक की जाती है।
(ण)	**बौद्ध और सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र, तवांग मठ**	मठीय शिक्षा को प्रदान करना एवं प्राचीन बौद्ध परंपराओं का अनुरक्षण।	––	0.01	इस संस्थान में नामांकित भिक्षु विद्यार्थियों को बेहतर मूर्तिकला और सैंड मॉडल्स सहित बौद्ध शिक्षा एवं दर्शनशास्त्र के साथ	प्राचीन बौद्ध परंपराओं और इसके विगत वैभव के	पूरे वर्ष के दौरान।	इस मठ के कार्याकलापों का वित्त पोषण पूर्वोत्तर क्षेत्र के

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					पारंपरिक शिक्षा प्रदान की जाएगी।	अनुरक्षण के लिए चल रहे कार्यकलाप के बारे में शिक्षा देना।		लिए आवंटित निधियों से किया जाता है। सामान्यता वेतन एवं प्रशासन उद्देश्यों के लिए चिन्हित गैर–योजना निधि।
(त)	**तिब्बत हाउस, नई दिल्ली**	तिब्बती संस्कृति का संवर्धन, परिरक्षण और संरक्षण करना, तिब्बत और गैर–तिब्बती कलाकारों व शिल्पकारों के बीच विचारों और तकनीक के आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करना है।	––	0.75	तिब्बती संस्कृति का अनुरक्षण संवर्धन और सुरक्षा करना, तिब्बतियों और गैर–तिब्बतियों के बीच विचारों और तकनीकों के आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करना।	तिब्बती संस्कृति का संवर्धन और परिरक्षण से संबंधित गतिविधियां चलाना।	संस्थान अपने कार्यकलाप जारी रखेगा।	अनवरत गतिविधि
(थ)	**केंद्रीय हिमालय सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान,दहुंग, अरुणाचल प्रदेश**	भारत की बौद्ध सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण एवं संवर्धन	1.00	0.51	संस्थान द्वारा चलाए जा रहे शैक्षिक पाठ्यक्रमों से अलग, यह निदेशक आवास, टाइप III आवासीय ब्लाक का निर्माण भी जारी रहेगा। संस्थान के लिए पुस्तकालय और पुराने सीआईएचसीएस परिसर का अवसंरचना विकास।	बौद्ध दर्शन और सांस्कृतिक अध्ययन की विभिन्न शाखाओं में अध्ययन और अनुसंधान। संस्थान में अध्ययन जारी रखने वाले विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय	पूरे वर्ष भर	सामान्यत गैर–योजना अनुदान प्रशासनिक एवं स्थापना व्यय के लिए उपयोग किया जाता है।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						की अतिरिक्त सुविधा एवं आवासीय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।		
(द)	**जीआरएल मठीय विद्यालय, बोमडिला**	भिक्षु विद्यार्थियों को धार्मिक शिक्षा देना।	0.80	--	बौद्धिक शिक्षा और दर्शन का संवर्धन करना। गार्ड रूम आदि के साथ पारंपरिक द्वार का निर्माण।	आधुनिक और मठीय संस्कृति एवं शिक्षा प्राप्त करना।	संस्थान अपने चल रहे कार्यक्रम जारी रखेगा।	
(ध)	**जलियांवाला बाग स्मारक का विकास**	भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इस स्मारक के स्तर और महत्व के अनुरूप इसके वृहत् विकास का कार्य शुरू करना।	0.01	0.10	इस स्मारक के उन्नयन हेतु विकास कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।	इस स्मारक के बारे में आम जनता में जागरूकता पैदा करना।	अनवरत प्रक्रिया है।	
(न)	**अमूर्त संस्कृति विरासत संबंधी स्कीम।**			1.00				
(i)	**अमूर्त विरासत तथा सांस्कृतिक विविधता के क्षेत्र में सुरक्षा तथा अन्य संरक्षणात्मक उपायों की स्कीम (यूनेस्को**	यूनेस्को सम्मेलनों से उत्पन्न अमूर्त सांस्कृतिक विरासत तथा सांस्कृतिक विविधता की सुरक्षा के संबंध में दायित्वों की पूर्ति करना			कोई निर्धारित लक्ष्य नहीं है। सांस्कृतिक कार्यकलापों में संलग्न व्यक्तियों/संगठनों को प्रस्ताव प्राप्त होने और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता दी जाती है।	आई.सी.एच और संस्कृति भिन्नता से सुरक्षा करना।		इस स्कीम का विलय अन्य जारी / नई स्कीमों के साथ करने का विचार है।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	सम्मेलन के परिणामस्वरूप)							
(ii)	**सांस्कृतिक उद्योगों के लिए प्राथमिक स्कीम**	विविध एवं व्यापक सृजनात्मक अभिव्यक्तियों, पारंपरिक डिजाइनों तथा शिल्पों के अनंत प्रकार को सांस्कृतिक उद्योग के उत्पादों में बदलना।	––	––	प्रायोगिक सर्वेक्षण करने कलाकारों का डाटाबेस सृजित करने और जेडसीसी के क्षेत्रों में स्थित सांस्कृतिक उद्योगों के लिए जेडसीसी को वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस स्कीम को कार्यान्वित करने के लिए अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी।	औद्योगिक कला और शिल्प उत्पादों का संवर्धन करना।		इस स्कीम का विलय अन्य जारी / नई स्कीमों के साथ करने का विचार है।
(iii)	**भारत की जीवित और भिन्न–भिन्न सांस्कृतिक परम्पराओं को बनाए रखने की स्कीम**	समृद्ध जीवन और भारत की भिन्न भिन्न सांस्कृतिक परम्पराओं की बनाए रखना और प्रदर्शन करना।	––	––	अर्मूत सांस्कृतिक विरासत अर्थात, जीवित और भारत की भिन्न भिन्न सांस्कृतिक परम्पराओं, विभिन्न मीडिया के जरिए प्रलेखन के विशिष्ट कार्य के लिए समन्वय तंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव है।	अप्रत्यक्ष रूप से जीवित और भारत की भिन्न भिन्न सांस्कृतिक परम्पराओं पर अनुसंधान विद्वानों की सहायता करना।	इस स्कीम को 12वीं योजना में कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।	इस स्कीम का जारी स्कीम में विलय करने पर विचार किया जा रहा है।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(प)	**टैगोर सांस्कृतिक परिसर स्कीम** **(बाल परिसरों सहित बहु–उद्देशीय सांस्कृतिक परिसरों की स्थापना हेतु वित्तीय सहायता)**	मौजूदा सांस्कृतिक परिसरों का फिर से उन्नयन करना और चल रहे एम. पी.सी.सी. के कार्य पूरा करना।	––	4.00	सांस्कृतिक कार्यकलापों में शामिल संगठनों को प्रस्ताव प्राप्त होने और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता दी जाती है।	भिन्न भिन्न पैमानों के नये सांस्कृतिक परिसरों का सृजन करना, टैगोर जन्म शताब्दी स्मरणोत्सव के दौरान निर्मित मौजूदा टैगोर आडिटोरियत का आधुनिकीकरण और उन्नयन करना; और चल रहे एम.पी.पी.सी. को पूरा करना।	पूरे वर्ष के दौरान।	आवेदन आमंत्रित किए जाते है और पात्र मामलों में धनराशि जारी करने के लिए मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित की जाती है।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(फ)	**साहित्यिक कार्यकलापों में कार्यरत संस्थान व व्यक्ति**	(i) ऐतिहासिक अध्ययन संस्थान, कोलकाता। (ii) भारतीय मुद्राशास्त्र सोसायटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।	0.15	––	इन संगठनों को नियमित वार्षिक अनुदान उपलब्ध कराया गया था जिसे 2013–14 के बाद रोक देने का प्रस्ताव है।	संस्कृति मंत्रालय से निधियन 2012–13 के बाद बंद कर दिया जाएगा।	2012–13 के बाद आगे वित्तीय सहायता उपलबध नहीं कराई जाएगी।	
(ब)	**अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यकलाप और भारत–विदेश मैत्री सोसायटियों को अनुदान**	भारत और सम्बधित अन्य देश के बीच घनिष्ट मित्रता तथा सांस्कृतिक संबधों के पोषण, मैत्री – सोसायटियों के माध्यम से भरतीय संस्कृति के लिए सदभाव का सृदढ़ीकरण।	––	5.00	भारतीय मिशन भारतीय संस्कृति के संवर्धन के लिए भारत– विदेश मैत्री सोसाइटी को अनुदान देने के अधिकृत हैं।	कोई विशिष्ट माप लक्ष्य नहीं है जिसे हासिल किया जा सके। तथापि, स्कीम के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं : (i) विदेशों में भारतीय संस्कृति का संवर्धन। (ii) भारत के साथ रिश्तों को सुदृढ करना। (iii) द्विपक्षीय सांस्कृतिक संपर्कों को बढाना। (iv) भारत की सांस्कृतिक छवि को विदेशों में प्रदर्शित करना।	पूरे वर्ष भर	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(भ)	**अंतरराष्ट्रीय संबंध स्कीम**		––	4.50				इस स्कीम में (i) से (v) तक प्रदर्शित क्रम के अनुसार 5 संघटक हैं।
(i)	सांस्कृतिक विषयों संबंधी सेमिनारों, उत्सवों और प्रदर्शनियों के लिए विदेश जाने वाले कलाकारों और सांस्कृतिक व्यवसायियों को वित्तीय सहायता।	विदेशों में भारतीय संस्कृति के संवर्धन के लिए सेमिनारों, कार्यशालाओं, उत्सवों आदि के लिए विदेश जाने वाले कलाकारों को सहायता करना।			वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए 'गैर–लाभकारी' संगठनों सहित व्यक्तियों और समूहों से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे।	भारतीय संस्कृति का संवर्धन करना।		
(ii)	भारतीय संस्कृति के किसी रूप जैसे नृत्य, संगीत, नाटक का अध्ययन और /अथवा सीखने के इच्छुक विदेशी कलाकारों को वित्तीय सहायता की स्कीम।	स्वतंत्र गुरूओं द्वारा अध्ययन अथवा नृत्य, नाटक और संगीत सीखने के लिए विदेशी कलाकारों को सहायता।			इस स्कीम के तहत विदेशी कलाकारों से वर्ष भर आवेदन आमंत्रित किए जायेंगे।	भारतीय मंच कला को उनके प्रसार के लिए सीखने के इच्छुक विदेशी विद्यार्थियों / कलाकारों।		
(iii)	**विदेशों में भारतीय साहित्य**	प्रकाशन उद्योग और विश्व विद्यालयों और विश्व के शिक्षा संस्थानों में	––	––	अंतरराष्ट्रीय भाषाओं विशेषतः यूनेस्को की	हाल के वर्षों में विभिन्न भारतीय		इस स्कीम का अंतरराष्ट्रीय

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		उचित भागीदार की सहायता सहित पुस्तक मेलों और उत्सवों सहित विभिन्न माध्यमों के जरिए अनुवाद का संवर्धन और प्रसार करना। आई.एल.ए. का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय अनेक भारतीय साहित्य को प्रक्षेपित करके असंतुलन को सही करना है।			भाषाओं जैसे – अंग्रेजी, फ्रांसीसी, स्पेनिश, रशियन, चीनी और अरबी में भारतीय साहित्य का अनुवाद एवं प्रसार करने के लिए नॉडल केन्द्रों की स्थापना की जा रही है जो इनका परिवेक्षण प्रकाशन और अनुवाद कार्य के लिए पर्याप्त और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे।	भाषाओं में लेखन की प्रचुरता रही है। अंग्रेजी में भारतीय लेखकों ने हाल के वर्षों में विश्व में ख्याति प्राप्त की है। अन्य भाषाओं विशेष कर युवा पीढ़ी के बीच जैसा कि बहुत सारे लेखक युवा हैं और समकालीन विषयों पर लिखते हैं, समकालीन लेखन को प्रसिद्धि दिलाने के लिए बहुत कुछ करने की आवश्यकता है।		संपर्क संबंधी स्कीम में विलय करने का विचार है।
(iv)	**वेनिस बीनेल में भारत का स्थायी पवेलियन**	भारत का स्थायी राष्ट्रीय पवेलियन के लिए स्थान प्राप्त करना।	--	--	संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के पूर्ण समर्थन, वित्त और अन्यथा सहित ललित कला अकादमी द्वारा बनवाए गए भारत के राष्ट्रीय पवेलियन।	शर्तों और निबन्धों पर पेश किए जा रहे स्थान को लेना मितव्ययी होगा जिसकी आगे बातचीत की जा सकती है।	इस स्कीम का आईसीआर प्रभाग की स्कीम में विलय करने पर विचार किया जा रहा है।	नई योजनाओं के XIIवीं योजना में कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।
(v)	**पुस्तक मेलों एवं पुस्तक प्रदर्शनियों तथा अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों /**	क्षेत्रीय सार्वजनिक राष्ट्रीय पुस्तक मेले आयोजित करना, दुर्लभ प्रकाशनों/पांडुलिपियों/ सरकारी दस्तावेजों की प्रदर्शनियों और			कॉलम संख्या 3 में उल्लिखित उद्देश्यों के लिए संस्थानों, सोसाइटियों सहित गैर–लाभकारी संगठनों को	उत्तम गुणवत्ता की पुस्तकों के संवर्धन द्वारा भारतीय संस्कृति का प्रसार और एक		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	प्रकाशन समारोहों में भाग लेने वालों को वित्तीय सहायता।	अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भाग लेना।			वित्तीय सहायता दी जाएगी।	ऐसा वातावरण सृजित करना जिससे बडी संख्या में लोग पुस्तकें क्रय करें और पढें।		
(म)	मंच कला केन्द्र और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्रों की स्थापना।		–	**1.00**				इस स्कीम के क्र.सं. (i) एवं (ii) में प्रदर्शित 2 संगठक हैं।
(i)	**राष्ट्रीय मंच कला केन्द्र स्थापित करना।**				यह स्कीम 11वीं योजना में कार्यान्वित नहीं की जा सकी और अब 12वीं योजना में कार्यान्वित की जाएगी। इस योजना के कार्यान्वयन के लिए एन सी पी ए मुम्बई के पैटर्न पर एन सी पी ए, नई दिल्ली की स्थापना के लिए ब्यौरे तैयार किए जा रहे हैं।	मंच कला का संवर्धन और प्रसार करना।	इस स्कीम का अन्य जारी / नई स्कीमों में विलय करने का विचार है।	
(ii)	**कोलकाता एवं चेन्नई में मंच कला केन्द्र एवं अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केन्द्र स्थापित करना।**		–					

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(य)	**राष्ट्रीय गांधी विरासत स्थल मिशन दांडी से संबंधित परियोजना।**	गांधी जी की रचनाओं तथा प्रकाशनों के पुन रूद्धार, अनुरक्षण, परिरक्षण तथा विकास हेतु गांधी विरासत स्थल विकसित करता और साबरमती आश्रम में गांधी विरासत स्थल पोर्टल स्थापित करना। डांटी मार्च की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा की गई घोषणा के कार्यान्वय के लिए डांडी में स्मारक का निर्माण करना।	--	45.00	''गांधी विरासत'' के प्रबंधन और विकास हेतु, इससे संबंधित सामग्री के बारे मं जानकारी की पहचान, मिलान व मूल्याकंन करना, और संरक्षण कार्यविधि तकनीक आदि का निर्धारण करना। डांटी में राष्ट्रीय स्मारक का निर्माण करना।	गांधी जी से संबंधित विरासत स्थलों का विकास किया जा रहा है। गांधी जी से संबंधित संगत जानकारी का पोर्टल में परिरक्षण किया जाएगा, जो जनता के लिए उपलब्ध होगी। डांडी नमक सत्याग्रह की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री द्वारा की गई घोषणा के कार्यान्वयन के लिए डांटी में एक राष्ट्रीय डांडी स्मारक का निर्माण किया जाएगा।	यह परियोजना के 12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान पूरा होने की अपेक्षा है।	
(कक)	**अंतरराष्ट्रीय कला परिषद और संस्कृति परिसंघ**	संस्कृति मंत्रालय और 60 देशों की कला परिषदें सदस्य एजेंसी (आईएफएसीसीए) हैं।	0.05	--	आईएफएसीसीए ज्वाइन करने के लिए वार्षिक अंशदान दिया जाना है।	यह भारत के लिए अत्यधिक लाभकारी सिद्ध होगी क्योंकि आईएफ एसीसीए संस्कृति मंत्रालय सरकारे और गैर सरकारी संगठनों सहित संग्रहालय और कला परिषद का एक सक्रिय		* सरकारी एवं गैर–सरकारी संगठनों सहित संग्रहालय और कला परिषद।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						नेटवर्क है। *		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(कख)	**<u>नई स्कीमें</u> भारतीय संस्कृति और विरासत को समर्पित पत्रिकाओं और जर्नलों के प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता की स्कीम। भारतीय संस्कृति और विरासत के बारे में जागरूकता के संवर्धन और प्रसार की स्कीम के भाग के रूप में 19.11. 2011 को शुरू की गई।**	भारतीय संस्कृति और विरासत के बारे में जागरूकता का संवर्धन करना।	--	0.10	सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल संगठनों को प्राप्त आवेदनों और विशेषीकृत पाठ्यक्रम चलाने के लिए विस्तार किया जाएगा।	सांस्कृतिक संस्थानों और परिसंपत्तियों के प्रबंध के लिए बढ़ती हुई मांग, सांस्कृतिक प्रबंधन में स्थान बढ़ रहे हैं। चूंकि प्रशिक्षित व्यावसायियों की अधिक मांग है।		आवेदन आमंत्रित किए गए हैं और उपयुक्त मामलों में निधि जारी करने के संबंध में आयोजित विशेषज्ञ मूल्यांकन समूहों की बैठक।
(कग)	**कला और संस्कृति पर टी.वी. कार्यक्रम के लिए स्कीम।**	इस स्कीम में कला और संस्कृति पर उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रमों के जरिए युवाओं के मन में काल्पनिक सांस्कृतिक विचारों को ग्रहण करने पर विचार किया गया है।	--	0.10	प्रस्ताव है कि संस्कृति मंत्रालय में इस स्कीम के अधीन एक टी.वी. निर्माण यूनिट स्थापित किया जाए। यह व्यावसायिक प्रबंध विशेष प्रयोजन वाहन होगा। यह विभिन्न संस्थानों के संसाधनों और इस क्षेत्र में उत्तम प्रतिभा को तैयार करेगा।	साहित्यिक और दृश्य मीडिया के जरिए व्यक्त की जा रही पश्चिमी सांस्कृति के स्थान पर युवाओं के मन में हमारी पारम्परिक संस्कृति डालने का अच्छा समय है।	पूरे वर्ष के दौरान	XIIवीं योजना में नई स्कीम कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।
(कघ)	**उत्कृष्ठ केन्द्रों की स्थापना के लिए**	गैर सरकारी सांस्कृतिक संगठनों की सहायता देना, सुदृढ़ करना और	--	0.01	इस स्कीम के अधीन संस्कृति मंत्रालय चुनिंदा गैर	अच्छी तरह स्थापित थियेटर समूह का	वर्ष के दौरान	नई स्कीम XIIवीं योजना में

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	स्कीम	उन्नयन करना।			सरकारी सांस्कृतिक संगठनों के साथ विशेषीकृत क्षेत्रों में उत्कृष्ठ केन्द्रों के रूप में उनका विकास करने के लिए आपसी सहमत कार्यक्रम के अनुसार कार्रवाई करने के लिए समझौता ज्ञापन करेगा।	उत्कृष्ठ उच्च दरजे की व्यावसायिक रंगमंडल कंपनियों में विकास करना, विशेष विषय पर सांस्कृतिक अनुसंधान केन्द्रों का अभिलेखों का संग्रह।		कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(कड.)	**राष्ट्रीय और क्षेत्रीय नाट्य विद्यालय की स्थापना**	क्षेत्रीय/स्थानीय क्षेत्रों में क्षेत्रीय/स्थानीय थियेटर समूह के अत्याधिक आवश्यक महत्व की सुविधा के लिए इन समूहों की गतिविधियों का उन्नयन करने के लिए इन केन्द्रों को स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है।	--	0.01	इन विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप में 12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान स्थापित किया जाएगा, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय स्वतः वहां रंगमंच कंपनी के रूप में है।	क्षेत्रीय/स्थानीय क्षेत्रों में क्षेत्रीय /स्थानीय थियेटर समूह अत्यधिक आवश्यक महत्व की सुविधा के लिए इन समूहों की गतिविधियों का उन्नयन करना।	वर्ष के दौरान	नई स्कीमों के XIIवी योजना में कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।
(कच)	**राज्य अकादमियों को सहायता की स्कीम**	मंचकला, दृश्य और साहित्य कला के क्षेत्र में राज्य अकादमियों के कार्यों में सुधार करने के लिए राज्य अकादमियों को सहायता देना।	--	0.01	मंचकला, दृश्य और साहित्य कला के क्षेत्र में राज्य अकादमियों के कार्यचालन को नया रूप देने के लिए केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम शुरू की जा रही है ताकि राज्य अकादमियों द्वारा तैयार की जाने वाली वार्षिक कार्य योजना के आधार पर प्रत्येक राज्य को सहायता दी जा सके।	राज्य अकादमियों जो दयनीय स्थिति में है, की मांग के साथ पूरी तरह न्यास करना।	वर्ष के दौरान	नई स्कीमों के XIIवीं योजना में कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।
(कछ)	**बौद्ध दर्शन उच्च अध्ययन विद्यालय टाबो (हि.प्र.)**	यह लाहौल, स्पीति और किन्नौर के दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले भिक्षुओं और विद्यार्थियों की सहायता करेगा।	--	1.00	पूर्व स्नातक, स्नातकोत्तर और प्राच्य कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।	अध्ययन एवं अनुसंधान बौद्ध अध्ययन की अभिन्न शाखाएं।	वर्ष के दौरान	नई योजनाओं के XIIवीं योजना में कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।
(कज)	**वैश्विक भाईचारे के संवर्धन के लिए टैगोर पुरस्कार**	रबीन्द्र नाथ टैगोर की 150वीं वर्षगांठ स्मरणोत्सव के मार्ग के रूप में इस पुरस्कार की घोषणा माननीय प्रधानमंत्री ने उद्घाटन समारोह में की थी।	1.50	0.00	गांधी शान्ती पुरस्कार के पैटर्न पर चयनित नमिती को दिया जाएगा।	रबीन्द्र नाथ टैगोर के सांस्कृतिक कार्य का संवर्धन और प्रसार।	वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय							
17	**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण**	यह संगठन मुख्यतया पाचीन स्मारकों व स्थलों के संरक्षण, परिरक्षण और अनुरक्षण तथा पर्यावरणीय विकास हेतु कार्यरत है।	312.00	243.00			निर्धारित योजनागत निधियों में इ ए पी च लिए 8.00 करोडरु सामिल है	सामान्यता गैर योजना अनुदान प्रशासिनिक और स्थापना खर्च के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
	एम आई एस स्कीम और सहायता अनुदान के स्वचलन की स्कीम।	उपर्युक्त प्रणाली के लिए प्रतिष्ठ व्यावसायिक एजेन्सी का नियुक्त करना और इसके बाद ऑन लाइन आवेदन का विकास करना।	--	--	अनवरत कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए मंत्रालय अन्य स्तर पर मामला उठाएगी ताकि संस्कृति मंत्रालय द्वारा अनुदान जारी करने के लिए पूर्णतया आनलाइन प्रणाली का इस्तेमाल करके पूर्ण पारदर्शिता लाई जा सके।	उचित प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन करके सभी स्कीमों का मूल्यांकन करना ताकि XIIवी योजना में स्कीमों की समीक्षा और संशोधन किया जा सके जैसा, कि आवश्यक समझा जाता है।	इस स्कीम को 12वीं योजना में कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।	इस स्कीम का जारी स्कीम में विलय करने पर विचार किया जा रहा है।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(कफ)	**सांस्कृतिक विषयों** पर सेमिनार, उत्सव और प्रदर्शनी के लिए विदेश जाने वाले कलाकारों और व्यावसायिकों के लिए वित्तीय सहायता।	विदेश में भारतीय संस्कृति के संवर्धन के लिए सेमिनारों, कार्याशालाओं, उत्सवों आदि के लिए विदेश जाने वाले कलाकारों को सहायता देना।	0.00	0.50	गैर–लाभकारी संगठनों सहित व्यक्तियों और समूहों को वित्तीय सहायता मुहैया करने के लिए अनेक आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे।	विदेश में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना।	इस योजना को आईसीआर प्रभाग के साथ मिलाने के लिए विचार किया जा रहा हैं।	नई योजनाओं के ग्प्वीं योजना में कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।
(कब)	**नृत्य, संगीत, नाट्य जैसे किसी रूपों में भारतीय संस्कृति के अध्ययन और/अथवा सीखने के इच्छुक विदेशी कलाकारों को वित्तीय सहायता की स्कीम**	नृत्य, नाट्य और संगीत के क्षेत्र में स्वतंत्र गुरू अथवा शिक्षा प्राप्ति के जरिए अध्ययन करने के लिए विदेशी कलाकार को सहायता देना।	–	–	वर्ष के दौरान इस स्कीम के अधीन विदेशी कलाकारों से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे।	भारतीय मंचकला के प्रसार के लिए इन्हें सीखने के इच्छुक विदेशी विद्यार्थियों/ कलाकार	इस योजना को आईसीआर प्रभाग के साथ मिलाने के लिए विचार किया जा रहा हैं।	नई योजनाओं के ग्प्वीं योजना में कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।
(कभ)	**वैश्विक भाईचारे के संवर्धन के लिए टैगोर पुरस्कार**	रबीन्द्र नाथ टैगोर की 150वीं वर्षगांठ स्मरणोत्सव के मार्ग के रूप में इस पुरस्कार की घोषणा माननीय प्रधानमंत्री ने उद्घाटन समारोह में की थी।	1.50	––	गांधी शान्ती पुरस्कार के पैटर्न पर चयनित नमिती को दिया जाएगा।	रबीन्द्र नाथ टैगोर के सांस्कृतिक कार्य का संवर्धन और प्रसार।	वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय							
17	**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण**	यह संगठन मुख्यतया पाचीन स्मारकों व स्थलों के संरक्षण, परिरक्षण और अनुरक्षण तथा पर्यावरणीय विकास हेतु कार्यरत है।	312.00	243.00			निर्धारित योजनागत निधियों में इएपी के लिए 8.00 करोड रुपए शामिल हैं।।	सामान्यता गैर योजना अनुदान प्रशासिनिक और स्थापना खर्च के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
	प्राचीन स्मारकों का संरक्षण और परिरक्षण : पर्यावरणीय विकास सहित उनका रखरखाव और अनुरक्षण ।	केन्द्रीय स्तर पर संरक्षित प्राचीन स्मारकों और स्थलों के संरक्षण, परिरक्षण और अनुरक्षण हेतु।			प्राथमिकताओं, वचनद्धताओं तथा उपलब्ध कार्मिक शक्ति का वित्तीय संसाधयों के आधार पर ढाँचागत सरंक्षण, रासायनिक परिरक्षण तथा बागवाणी कार्यों के लिए केन्द्रीकृत रूप से संरक्षित लगभग 1720 स्मारकों में ढाँचगत संरक्षण कार्य।	स्मारकों का परिरक्षण सांस्कृतिक पर्यटन को बढावा देगा। वैज्ञानिक परिरक्षण प्राचीन स्मारकों के और आगे नष्ट होने से उन्हें बचाएगा।	इन रखरखाव कार्यों की एक वर्ष के अन्दर पूरा हो जाने की अपेक्षा है। तथापि, यह एक अनवरत प्रकिया है!	प्राकृतिक आपदाएं।
	पर्यटकों को मूल सुख सुविधाएँ प्रदान करना।	प्राचीन स्मारकों में मूल सुख सुविधाओं का विकास, जिसमें प्रसाधनों, पेयजल सुविधाओं आदि का प्रावधान हो।			विशेषरुप से 19 विश्व विरासत स्मारकों और 116 अन्य टिकटेड स्मारकों में सूचना केन्द्र, सार्वजानिक सुविधाओं, आधुनिक टिकट काउन्टर, बेहतर संकेत सूचकों, पेयजल सुविधाएं आदि जैसी बेहतर दर्शक सुविधाएं और अन्य सुवधिाएं सृजित की जाएगी।	पर्यटकों को पर्याप्त सन्तुष्टि प्रदान करने और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ.ावा देना।	एक वर्ष में पूरा होने की आशा है।	विशेषरुप से 19 विश्व विरासत स्मारकों और 116 अन्य टिकटेड स्मारकों में सूचना केन्द्र, सार्वजानिक सुविधाओं, आधुनिक टिकट काउन्टर, बेहतर

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
								संकेत सूचकों, पेयजल सुविधाएं आदि जैसी बेहतर दर्शक सुविधाएं और अन्य सुवधिाएं सृजित की जाएगी।
	उत्खनन एवं अन्वेषण	गाँव से गाँव सर्वेक्षण तथा समस्यामूलक सर्वेक्षण के अंतर्गत पुरातत्वीय स्थलों का उत्खनन और प्राचीन अवशेषें का अन्वेषण। (12वीं योजना प्रस्ताव के दौरान इस स्कीम को केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम किए जाने का प्रस्ताव है)।			1. पुरातत्वीय स्थलों का उत्खनन तथा पुरा अवशेषों का अन्वेषण 2. समस्यामूलक सर्वेक्षण 3. वैज्ञानिक अन्वेषणात्मक सर्वेक्षण करने के लिए आधुनिक वैज्ञानिक तरीके इस्तेमाल कर के और केन्द्रीकृत सैल की स्थापना करने पुरातत्वीय आुसंधान। 4. मशीनरी व उपस्करों जैसे जीपीएस कुल स्टेशन, 3 लेखर स्केनर, मेगनेटिक एण्ड ऐसिसटीविटी उपकरण, फोटो उपकरण और औजार और संयंत्र आदि की खरीद। 5 5. मंदिर की वास्तुकला का	अनवरत प्रकिया स्वतः स्पष्ट		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					सर्वेक्षण 6. भवन सर्वेक्षण परियोजना, 7. विश्वविद्यालयों तथा अनुसंधान संस्थानों के लिए उत्खनन हेतु वित्तीय सहायता 8. प्रकाशत हेतु दित्तीय सहायता 9. अन्तर्जलीय पुरातत्व विज्ञान स्कन्ध 10. पुरालेखीय सर्वेक्षण, शिलालेख का फोटो प्रलेखन आदि			
	पुरातत्वीय स्थल संग्रहालयों का विकास।	पुरातत्वीय संग्रहालयों का रखरखाव/विकास			1. 44 संग्रहालयों का अनुरक्षण आधुनिकीकरण/उन्नयन 2. 14 सूत्री संग्रहालय सुधार के अनुसार 10 स्थल संग्रहालयों का चरणबद्ध	संग्रहालयों को और सुगम तथा दर्शक अनुकूल बनाना।	एक वर्ष में पूरा होने की आशा है।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					3. प्रिपहवा(उत्तर प्रदेश), ललितगिरी(उड.ीसा),शिवपुरी (मध्य प्रदेश)तथा सनाटी (कर्नाटक) में संग्रहालय खोलना। 4. संस्कृति मंत्रालय द्वारा पहचान किए गए 14 स्थल संग्रहालय सुधार के तहत वीथियों को पुनः व्यवस्थित करना। 5. सार्वजनिक सुविधाओं का उन्नयन 6. ब्रोशर/प्रचलित साहित्य का प्रकाशन। 7. क्षमता निर्माण और पहुंच (आउटरीच)			
	(i) प्रकाशन	1 पुरातत्व और संबंधित विषयों पर शैक्षिक और सूचनात्मक प्रकाशन का मुद्रण/पुनः मुद्रण।			(क)पुनर्मुद्रण (ख) नवीन प्रकाशन	05 10 सांस्कृतिक विरासत के बारे में जनता में जनता में जागरूकता	2013–14	सम्पादकीय स्टाफ की कमी और प्रकाशन अनुभाग में रिक्त पद

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	(ii)सांस्कृतिक जागरूकता	विश्व विरासत दिवस/सप्ताह पर विज्ञापन और सांस्कृतिक जागरूकता।			समस्त भारत में समाचार पत्रों के माध्यम से अंग्रेजी, हिन्दी तथा स्थानीय भाषाओं में विज्ञापन देना।	उत्साह सृजित करना स्मारकों को स्वच्छ रखना, कुदेर कर स्मारकों को विकृत करे और स्मारकों के निकट अनधिकृत निर्माण से बचे।		इस प्रयोजन के लिए पर्याप्त धनराशि, उपलब्ध न होना।
	राष्ट्रीय प्राचीन स्मारक एवं पुरावस्तु मिशन	(प). ठेका आधार पर नियुक्त सहायक स्टाफ के लिए पारिश्रमिक और परामर्शकों (विभिन्न परामर्शी कार्य के लिए) के लिए फीस यात्रा व्यय। (पप) उपकरण और साफ्टवेयर (पपप) मुख्यालय और अन्य केन्द्रों में लेखन सामग्री और अन्य संबंधित खर्च। (पअ) प्रसिद्ध साहित्य का प्रकाशन (अ) जागरूकता कार्यक्रम, प्रदर्शनी, सेमिनार आदि (अप) चुनिंदा स्मारकों का संरक्षण (अपप) विविध और अन्य आकस्मिक व्यय			एनएमएमए देश में सभी स्मारकों तथा पुरावस्तुओं (संरक्षित तथा असंरक्षित दोनों) का व्यापक आंकड.ा आधार तैयार करने हेतु पांच वर्षों के लिएयानी 2007–12 की अवधि के लिए प्रारम्भ किया गया। प्राथमिक सर्वेक्षण के प्रस्ताव को छोड. दिया गया और प्रकाशित तथा अप्रकाशित गौण स्रोतों के जरिए आंकड.ों को डाक्यूमेंट करने का निर्णय लिया गया। ऐसी अनियमितता को दूर करने के लिए जीआईएस, जीपीएस, लेजर स्कैनिंग, फोटोग्राफी और गहन सर्वेक्षण का इस्तेमाल कर	मिशन सांस्कृतिक संपदा को संरक्षित और परिरक्षित करने और जनता में जागरूकता बढ़ाने तथा स्मारकों और पुरावशेष के संरक्षण में भाग लेने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने में सहायता करेगा।	11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 2007 से यह अनवरत स्कीम है अब मिशन का ग्प्वीं योजना अवधि अर्थात 2012–17 के दौरान इसे योजना स्कीम के रूप में जारी रखने का प्रस्ताव है।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					प्रमाणिक और विश्वसनीय राष्ट्रीय डाटाबेस निर्मित करने के लिए असंरक्षित निर्मित विरासत और स्थलों का प्राथमिक सर्वेक्षण शुरू करने की आवश्यकता है।			
18	**भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार**	यह केन्द्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों और उनके पूर्ववर्ती निकायों के स्थायी महत्व के वर्तमान–भिन्न अभिलेखों का संरक्षक है। अभिलेख प्रबंधन कार्यकलापों तथा उनके स्थायी परिरक्षण और भावी पीढ़ी द्वारा प्रयोग हेतु नोडल एजेंसी।	19.18	11.00				सामान्यतया गैर–योजना अनुदान प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	अभिलेख प्रबंधन कार्यक्रम का विस्तार	i. अभिलेख सहायक द्वारा सार्वजनिक अभिलेखों का सर्वेक्षण और निरीक्षण। ii. मंत्रालयों/विभागों आदि से अभिलेखो के अंतरण के बाद मूल्यांकित अभिलेख प्रबंध iii. सार्तजनिक अभिलेख अधिनियम, 1933 और नियम 1997 का संशोधन iv. अभिलेख प्रतिधारण अनुसूची का पुनरीक्षण। v.अभिलेखीय परामर्श बोर्ड की बैठक आयोजित करना। vi. सार्वजनिक रिकार्ड अधिनियम			(प) विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के 2,00,000 (लगभग) अभिलेखों का मूल्यांकन किया जाएगा और भा.रा.अ. (एनएआई) को अन्तरित किया जाएगा। (पप) 1,50,000 अभिलेख (लगभग) (पअ) 10 अभिलेख प्रतिधारण अनुसूची का पुनरीक्षण (अ) 13वीं और 14वीं डीजीए रिपोर्ट संकलित की जाएगी। (अप) 13वीं और 14वीं डीपीए	राष्ट की बहुमूल्य दस्तावेजी विरासत भावी पीड़ी के लिए प्राप्त होती है। इस सामग्री की सुरक्षित अभिरक्षा/ वैज्ञानिक संरक्षण सुनिश्चित की जाती है और अनुसंधान/संदर्भ प्रयोजनों के लिए शोध अध्येताओं	पूरे वर्ष के दौरान	यह प्रक्रिया क्षणिक महत्व के अभिलेखों को नष्ट करने और भा.रा. एनएआई को उनके संभावित अन्तरण के लिए बनाए रखने की पहचान करने में सहायता करती है। वैज्ञानिक तरीके से

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		1993 के कार्यान्वयन संबंधी डीजीए की 12वीं एवं 13वीं रिपोर्ट का संकलन। vii. डीआरओ के लिए आरएम में ओरिएन्टेशन पाठ्यक्रम आयोजित करना। viii. मंत्रालय/विभागों/कार्यालयों के डीआरआर का निरीक्षण।			रिपोर्ट पूरी की जाएगी और अनुमोदित सूची के अनुसार रिपोर्ट वितरित की जाएगी। (अपप) 7 अभिमुखीकरण कार्यक्रम चलाए जाएंगे और उनकी सिफारिशों पर अनुवर्ती कार्रवाई की जाएगी। (अपपप) 12 डीआरआर की निरीक्षण किया जाएगा।	को उपलब्ध कराया जाता है। अभिलेखों के अभिलेखीकरण /समीक्षा/नष्ट करने के लिए अभिलेख सृजन एजेंसी की सहायता यह सुनिश्चित करने के लिए ली जाती है कि फाइलें न तो स्थायी हैं और न ही नष्ट करने के लिए है और नहीं आवश्यकता से अधिक समय के लिए रखने के लिए है। मंत्रालयों/ विभागों में विभागीय अभिलेख कार्यालयों की क्षमता निर्माण।		अभिलेखों के बेहतर परिरक्षण के लिए अभिलेख सृजन एजेंसियों में जागरूकता सृजित करना।
(ii)	मरम्मत एवं रेप्रोग्राफी का	अभिलेखों की मरम्मत, पुस्तकों/खण्डों की जिल्दसाज़ी/एनएआई, नई दिल्ली			1,10,000 शीटों की मरम्मत की जानी है, 80 पुस्तकों,	अभिलेखों को भावी पीढ़ी तथा	विभागीय विशेषज्ञों द्वारा	परिरक्षात्मक सामग्री का

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	विस्तार	में अभिलेखों और दुलर्भ पुस्तकों का संरक्षण और मरम्मत, विश्व भारती विश्व विद्यालय कें संगह में पांडुलिपि का संरक्षण, एनएआई अभिलेखें की नेगेटिव माइक्रोफिल्म और पोजिटिव माइक्रोफिल्म नेगेटिव माइक्रोफिल्म रोल्स के पाजिटिव माइक्रोफिल्म की तैयारी और डिजिटल प्रतिमाएं तैयार करना और इसे अनुरूप प्रतिमाओं में परिवर्तित करना। 60,000 एक्स पोजर पूरे किए जाने है, 28000 मीटर प्रिंटिंग पूरी की जानी है। 50,000 प्रतियों की छात्रों को आपूर्ति की जानी है 39,600 ई मेजों को माइक्रोफिल्म स्कैनर द्वारा स्कैन किया जाना है। परिरक्षणात्मक सामग्री का परीक्षण, प्रयोगशाला का आधुनिकीकरण, विशेष जीर्णोद्धार, अभिलेख सामग्री के संरक्षणपुर तकनीकी सूचना, व्याख्यान/कार्यशालाए/सेमिनार।			200 खण्डों और 1000 विविध मदों की जिल्दसाज़ी की जानी है, 2,50,000 शीटों का संरक्षण किया जाना है, पाम पत्ते, टरेट पत्ते और तुलत पत्ते के प्रत्येक 100 बंडलों का परिरक्षण शुरूल रिकार्ड और जगदेव रिकार्ड नगेटिव और पाजिटिव माइक्रोफिल्म के 63 लाख पृष्ठ तैयार किए जाने है। 13000 पाजिटिव माइक्रोफिल्म तैयार की जानी है। डिजिटल प्रतिमाओं के लिए पायलट आधार पर 5 लाख अभिलेख तैयार किए जाने है। परिरक्षणात्मक सामग्री की जांच करना ; अभिलेखीय रिकार्ड और अन्य कार्यों का जीर्णोद्धार करना। प्रयोगशाला का उचित अनुरंक्षण और आवश्यकतानुसार अन्य कार्य।	अनुसंधान प्रयोजनों के लिए बचाने हेतु नवीनतम तकनीकों द्वारा उनका वैज्ञानिक परिरक्षण। अभिलेखीय रिकार्डों तथा अन्य कृतियों की जाँच। अभिलेखों के भावी पीढी तथा अनुसंधान प्रयोजनों के लिए बचाने हेतु नवीनतम तकनीको द्वारा उनका वैज्ञानिक परिरक्षण।	शारीरिक और मशीन दोनों से किया जाता है।	परीक्षण और जीर्णोद्धार मानक तकनीकी प्रकिया के अनुसार किया जाएगा।
(iii)	पुस्तकालय और	पुस्तकों की खरीद, पुस्तकों/पत्रिकाओं			बीएसी द्वारा यथा संस्तुत	शोध छात्रों/		विभागीय

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	प्रशासन का विस्तार	की सूची बनाना, पुस्तकों/पत्रिकाओं का वर्गीकरण कंप्यूटर में डाटा एन्ट्री आउटसोर्स के जरिए पुस्तकों की जिल्दबाजी, पुस्तक कार्ड तैयार करना।			पुस्तकों की खरीद की जाएगी पुस्तकों/पत्रिकाओं का सूचीकरण – 1000 डाटा इन पुट शीट तैयार करना – 1000 कम्प्यूटर में डाटा इंट्री करना – 1000 पुस्तकों/पत्रिकाओं का वर्गीकरण – 1000 पुस्तक कार्ड तैयार किए गए – 1500	व्यक्तियों को उनके शोध कार्य में सहायता करना। शोध छात्रों/व्यक्तियों के लिए अपुसंधान में सहायता करने और सूचना शीघ्र प्राप्त करने के लिए संदर्भ मीडिया तैयार करना।		स्टाफ/ठेके पर व्यक्तियों द्वारा आउटसोर्सिंग एजेंसी से भी
(iv)	राष्ट्रीय रजिस्टर या निजी अभिलेखों (एनआरपीआर) का विस्तार	एनआरपीआर खंडों का प्रकाशन			24 और 25 खंड का संकलन किया गया और उन्हें पूरा किया गया।	व्यक्तियों और अन्य स्वैच्छिक संगठनों के पास रखे दस्तावेज/ पांडुलिपियों की अभिरक्षा के बारे में अध्येताओं को जानकारी देने में सहायता करना।	प्रविष्टियों के सम्पादन /सूचीकरण और संकलन तथा खंडों के प्रकाशन द्वारा।	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र अभिलेखागारों/आरआरएस सी से ठीक प्रकार से भरे गए प्रपत्र पर्याप्त संख्या में प्राप्त होने पर।
(v)	अभिलेखीय अध्ययन विद्यालय के कार्यकलापों का विस्तार	(क) अभिलेखागार और रिकॉर्ड प्रबंधन में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2010–11 और 2011–12			(क) आर्काइव और रिकार्ड प्रबंधन में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2011–12 को पूर्ण किया जाना है और एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	देश की अभिलेखीय और दस्तावेजी संपदा की विविध अभिरक्षी संस्थाओं	विज्ञापनों का प्रकाशन और प्रशिक्षुओं का चयन।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		(ख) अभिलेखीय प्रबंधन और संबंधित विधा विशेष में अल्प कालिक पाठ्यक्रम। (ग) संरक्षण, रिकार्ड प्रबंधन, स्कूल पुस्तकालय का विस्तार पर मासिक वार्ता, कार्यशाला/सेमीनार			2012–13 को आरंभ करना। (ख). अभिलेख प्रबंधन में अल्पकालिक पाठ्यक्रम – दो पाठ्यक्रम आयोजित किए जाने हैं। ख. रिप्रोग्राफी – दो पाठ्यक्रम ग. अभिलेखों की साफ–सफाई और मरम्मत – दो पाठ्यक्रमा। घ. पुस्तकों/पांडुलिपियों/अभिलेखों की देखभाल और संरक्षण – दो पाठ्यक्रम। ड. अभिलेखागार प्रबंधन – एक पाठ्यक्रम। कैलिग्राफी पर एक संक्षिप्त पाठ्यक्रम शुरू करना है–1 (च) तीन माह की अवधि का अल्पकालिक शुरू किया जाएगा जिसमें शिवसंस्था (घसीट) खताती (सुलेख) सिखाया जाएगा। छ 2 सेमिनार आयोजित करने का प्रस्ताव है।	में तैनाती के लिए अभिलेखीय प्रशासन, रिकॉर्ड प्रबंधन, संरक्षण इत्यादि की विभिन्न विद्या विशेष में प्रशिक्षित व्यवसायियों के कार्य बल का सृजन करना। सरकारी और अन्य संस्थानों में कार्यरत व्यक्तियों में रिकार्ड के संरक्षण और उचित प्रबंधन के बारे में जागरूकता पैदा करना।		
(vi)	पूर्वी क्षेत्र में अभिलेख केंद्र की	क. गैर चालू अभिलेखों का सर्वे और एक्सेसन			पूर्वोत्तर क्षेत्र में केंद्रीय सरकार के कार्यालयों के गैर–चालू	सुरक्षित अभिरक्षा/ उत्तरकालीनता के	पूर्वोत्तर क्षेत्र में केंद्रीय सरकार के	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	स्थापना	ख. अभिलेखों का मूल्यांकन ग. अभिलेख प्रतिधारण अनुसूची का पुनरीक्षण घ. आई एन टी ए सी एच, भुवनेश्वर द्वारा अभिलेखों की मरम्मत और परिरक्षण मीडिया रिकॉर्ड संदर्भ तैयार करना।			अभिलेखों का सर्वे और प्रापण। 2000 फाइलों का मूल्यांकन किया जाएगा 2 रिकॉर्ड प्रतिधारण अनुसूची का पुनरीक्षण 15000 शीट प्रति वर्ष 15000 फाइले प्रति दिन	लिए पूर्वी क्षेत्र के अभिलेखों का परिरक्षण	कार्यालयों का वर्ष के दौरान दौरा करके।	
(vii)	विदेशों से अभिलेखों की माइक्रोफिल्म प्रतियों का अधिग्रहण	(प) संपत्तियों को पूरा करने और एनएआई की मौजूदा श्रृंखला में अंतर को पूरा करने के लिए विदेशों से भारतीय हित के अभिलेखों की माइक्रोफिल्म प्रतियों का अधिग्रहण। (पप) पीए अनुभाग में कम्पैक्ट शेलविंग की स्थापना।			निम्नलिखित श्रृंखलाओं से रिकार्डों की माइक्रोफिल्म प्रतियों का अधिग्रहण करना : – 1. कैब – 127 2. एल/एमआईएल/ 7 श्रृंखला (शेष फाइलें) 3. यूरो एम एस एम 4. वन कूलर ट्रेक्ट्र 5. माउंटबैटम पेपर,	एन ए आई में रिकार्ड की मौजूदा श्रृंखला के अंतर को पूरा करने के लिए अन्य देशों में उपलब्ध भारत से संबंधित रिकार्ड अपेक्षित है। इस प्रकार इतिहास लेखन/ संदर्भ के लिए व्यापक स्रोत वर्तमान और भावी प्रयोक्ताओं के लिए सृजित किया जाता है। स्थान का अधिकतम बाहरी प्रयोग करना और बाहरी एजेंसी	प्रशासनिक अनुमोदन लेने के बाद और संस्कृति मंत्रालय का व्यय अनुमान व्यय मंजूरी जारी करता है और राष्ट्रीय अभिलेखागार यूके/ब्रिटिश लाइब्रेरी लंदन से इन माइक्रोफिल्म का अधिग्रहण करने के लिए भुगतान हेतु बैंक के जरिए एक डीडी जैयार की जाती है।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						द्वारा रिकॉर्डों का उचित रख–रखाव करना।		
(viii)	अभिलेखों के कम्प्यूटरीकरण सहित रिकार्ड संदर्भ मीडिया को सूचीबद्ध करना।	फारसी पत्राचार खण्ड पंचम की विस्तृत सूची फारसी पत्राचार खण्ड –बारहवां (1805) का कलैंडर ओरियंटल बुक की माइक्रोफिकेशीट/ एमएसएस की मैनुस्क्रिप्ट रिपेयर/बुक्स/ सील्स(फॉरेन)(रिप्रिन्ट)का डाक्यूमेंटस कैटेलॉग,माइक्रोफिल्मिंग ऑफ आरियंटल रिकार्ड शिग्रॉफनामा–विलायत की चैकलिस्ट फारसी एमएसएस का अनुवाद तथा सम्पादन (आउटसोर्सिंग) फारसी/ अरबी / उर्दू को छोड.कर अन्य भाषाओं में केटेलॉग कार्डस ऑफ रिकार्डस को तैयार करना (आउटसोर्सिंग द्धारा) ऐतिहासिक दस्तावेज खरीद समिति (एचडीपीसी) आई–ई अहमद शरूर संग्रहण			संवीक्षा तथा सम्पादन कार्य। संवीक्षा तथा सम्पादन कार्य। बकाया 3800 माइक्रोफिके शीटस को सूचीबद्ध जांच उपरान्त किया जाएगा। 100 किताबों / किताबों और की दुरूस्ती और बकाया लगभग 1500 दस्तावेजों के संशोधित संस्करण माइक्रोफिल्मिंग के 300 दस्तावेजों को तैयार करना। कार्य की मात्रा का जल्दी पता लगा लिया जाएगा। कम से कम छह फासरी एमएसएस को तैयार करने के प्रयास किए जाएंगे। कम से कम 600 कार्डों को तैयार करवाने के प्रयास किए जाएंगे। समिति की कम से कम एक बैठक आयोजित करने के लिए प्रयास किए जाएंगे। संग्रहण की कम से कम 15–16 हजार किताबों की केटेलॉगिंग। अनुदान समिति की बैठक	टंग्रेजी जानने वाले स्कॉलरों के लिए ऐतिहासिक स्रोतों का अनुवाद उपलब्ध कराना। स्कॉलरों / व्यक्तियों के लिए संदर्भ मीडिया की तैयारी तथा सूचना की त्वरित पहुंच के लिए। समृद्ध संग्रहण के अधिग्रहण हेतु। हिन्दी पाठकों और अन्य स्कॉलरों के लिए सुविधाजनक स्थिति पैदा करना।		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(ix)	क.पांडुलिपियों /दुर्लभ पुस्तकों के संरक्षण के लिए गैर सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता देने की स्कीम। ख. राज्य/संघ राज्य सरकार के अभिलेखीय भण्डार और संग्रहालयों को वित्तीय सहायता की स्कीम	बहुमूल्य दस्तावेजों को सुरक्षित रखने के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के व्यक्तियों/गैर सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता देना। मूल्यवान प्रलेखीय विरासत और एम एस एस के परिरक्षण/संरक्षण के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के अभिलेखीय भण्डारों/ सरकारी पुस्तकालयों/ संग्रहालयों को सहायता अनुदान मुहैया करना।			आयोजित की जानी है और समिति द्वारा सिफारिश की गई राशि संस्थानों को जारी की जानी है। इस स्कीम के अधीन पात्र राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संस्तुति के लिए अनुदान समिति की बैठक की जाएगी।	स्वैच्छिक संगठनों/विश्वविद्य–ालयों/व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश की बहुमूल्य दस्तावेजी विरासत को सुरक्षित रखने में व्यक्तियों/गैर सरकारी संगठनों द्वारा की जा रही पहल में सहायता करना।	आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं तथा विभागीय विशेषज्ञों द्वारा अनुदान समिति की बैठक आयोजित की जाती है। इसके पश्चात संस्तुत अनुदान को निजी संस्थाओं को जारी किया जाता है।	
19	**राष्ट्रीय संग्रहालय**	यह भारत में कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान है, जो प्रापण, संरक्षण, प्रदर्शनी और शैक्षिक कार्यकलापों के महत्वपूर्ण कार्यों में संलग्न है।	**9.45**	**11.35**				सामान्यत या योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
								लिए किया जाता है।
(i)	कला वस्तुओं और समारोहों का फोटो प्रलेखन तैयार करना।	प्रदर्शनी और प्रकाशन के उद्देश्य से संग्रहालय के संग्रह, प्रदर्शों तथा प्रचार के उद्देश्य से समारोहों के रंगीन फोटो प्रलेखन का कार्य मांग के अनुसार किया जाता है।			रंगीन फोटो, संग्रहालय के संग्रहों का प्रलेखन, प्रदर्शनी और प्रकाशन प्रयोजन के लिए पदर्श ओर प्रचार प्रयोजन के लिए कार्यक्रम मांग के अनूसार आयोजित किए जाएंगे। • लघु चित्रकलाएं • मध्य एशियाई पुरावस्तुएं पांडुलिपियाँ	इससे कला वस्तुओं के प्रलेखन और रिकार्ड प्रयोजन के लिए समारोहों में मदद मिलेगी।	पूरे वर्ष के दौरान	
(ii)	**क.** संग्रहालय का प्रदर्शन और पुनर्गठन और वर्तमान वीथियों का पुनर्गठन रिजर्व भंडार का	अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार और आधुनिक प्रोद्योगिकी के अनुसार वहाँ वीथियों और वस्तुओं के प्रदर्शन की व्यवस्था करना। मूर्तियां, काष्ठ उत्कीर्ण, कपड़ा, पांडुलिपि, शस्त्र भण्डार आदि			• डेक्टिव आर्ट गैलरी और कास्ट्यूम गैलरी का पुनर्गठन। • सेन्ट्रल एशियन वॉल पेंटिंग दीर्घा • पाण्डुलिपि तथा ब्रॉन्ज विथि • पुरा कोलंबियाई और पश्चिमी कला वीथि • समुद्री विरासत और तंजावूर वीथियां • लकडी उत्कीर्ण,टेक्सटाइल,पाण्डुलिपि,आर्म्स स्टोर आदि।	वीथियों का पुनर्गठन करने और आधुनिक प्रणाली में इसका प्रदर्शन करने से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आगुन्तकों/पर्यटकों को अधिक से अधिक आकर्षित करेगा। लकडी उत्कीर्ण स्टोर का पुनर्गठन वुडन डोर	पूरे वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	पुनर्गठन **ख.** आरक्षित भण्डारों का पुनर्गठन करना					कलकशन का विशेष स्टोरेज टेक्साइल के लिए मॉडयूलर स्टोरेज सिस्टम स्टोरेज सिस्टम फॉर एन्थ्रोप्लोजी		
(iii)	वस्तुओं को प्लास्टर ढाँचे में ढालना।	वस्तुओं को अत्यधिक आकर्षक और रंगीन बनाना। संग्रहालय पुस्तकालय और शैक्षिक गतिविधियों तथा आउटरीच कार्यक्रम के लिए पुस्तकों का अधिग्रहण			रबड़ के साँचे तैयार करना, प्लास्टर ऑफ पैरिस में प्रतिकृतियों की कच्ची ढ़लाई और संग्रहालय विपणन के लिए अनुमोदित सूची के अनुसार रॉ फिनिश और रंग करना। पुस्तकालय में 600 पुस्तकें और शामिल की जाएंगी। विभिन्न प्रतियोगिताएं/कार्यक्रम/ कार्यशाला/सेमिनार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम/भारतीय कला/संग्रहालय विज्ञान पर स्मारक व्याख्यान आयोजित किए जाएंगें। संग्रहालय वीथियों की फिल्में तैयार करना और वीएचएस का	इससे न केवल संग्रहालय विपणन में मदद मिलेगी बल्कि भारतीय संस्कृति का प्रचार भी होगा। कला और संस्कृति का संवर्धन और जनता में इसकी जानकारी देना।	पूरे वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					संग्रहण,बिटा कैम तथा सीडी फार्मेट । भारतीय लघुचित्रकला पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा कार्यशाला आयोजित की जाएगी।			
(iv)	कलावस्तुओं का पुनरूद्धार और संरक्षण। तैल चित्रों का पनुरूद्धार/ पुरावस्तुओं/कलावस्तुओं का संरक्षण/ संरक्षण में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, पाण्डुलि	• पुरावस्तुओं और कलावस्तुओं को क्षरण से बचाना। • राष्ट्रीय संग्रहालय और अन्य संग्रहालयों/संस्थानों के संग्रहालय स्टाफ को संरक्षण की नवीनतम प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित करना। • प्रयोगशाला को नवीनतम उपकरणों से सज्जित रखना।			• संरक्षण • रासायनिक • 1000 कलावस्तुओं का परीक्षण और उपचार • स्ंसद भवन, राष्ट्रपति भवन आदि जैसे बाहर के संस्थानों से मांग के अनुसार कला वस्तुओं का संरक्षण • शिक्षण और प्रशिक्षण • पाण्डुलिपि और धातु की वस्तुओं के संरक्षण के लिए 3 महीने का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। • धातु और लकड़ी की वस्तुओं पर विभिन्न संग्रहालयों/कला वीथियों के क्योरेटरों के 4 दिन का निवारक संरक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय संग्रहालय की वस्तुओं का सर्वेक्षण वस्तुओं के संरक्षण की अग्रता निर्धारित करने के लिए विभिन्न अनुभागों की पुरावस्तुओं की जांच	कलावस्तुओं का संरक्षण करना एक सतत प्रक्रिया है जिसमें प्रति वर्ष लगभग 1000 वस्तुओं का संरक्षण के लिए उपचार किया जाता है। पूर्वोत्तर लेह लद्दाख आदि में कार्यशाला का आयोजन किया जाना है। चित्रों की देखभाल पर तीन माह का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। प्रदर्शों की स्थिति रिपोर्ट विदेश भेजी जाएगी/ अंतरराष्ट्रीय	पूरे वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	पर्यों के संरक्षण/ जिल्दसाज़ी हेतु उपकरणों का प्रापण।				करना • पूर्वोत्तर क्षेत्र में कार्यशाला • कार्यशाला और सम्मेलन • लेह में कला वस्तुओं के संरक्षण पर कार्यशाला प्रयोगशाला का पुनर्गठन • मांग के अनुसार प्रयोगशाला के लिए उपस्करों की खरीद स्थिति रिपोर्ट • भारत और विदेश में विभिन्न प्रदर्शनियों के लिए चयनित कला वस्तुओं के जांच और स्थिति रिपोर्ट।	प्रदर्शनियों की अपेक्षा के अनुसार रिपोर्ट तैयार की जाएगी।		
(v)	प्रदर्शनी प्रकाशन	• प्राचीन भारतीय कला और संस्कृति को लोकप्रिय बनाना • विषयक प्रदर्शनियाँ आयोजित करना • सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत् प्रदर्शनियाँ आयोजित करना • कैटलाग बुलेटिन, गाइड बुक,कला प्रकाशन आदि प्रकाशित करना इलेक्ट्रानिक सर्वे और सीसीटीवी प्रणाली			संस्कृति मंत्रालय के अनुमोदनानुसार सांस्कृतिक आदान –प्रदान कार्यक्रम तहत प्रदर्शनियां आयोजित की जाएंगी। निमंत्रण पत्र, ब्रूशर, फोल्डर,प्रचार सामग्री, आदि का मुद्रण। स्टाक से बाहर प्रकाशनों और वीथियों, कैटलागों आदि का पुनः मुद्रण।	भारतीय कला और संस्कृति के विषय में जनता में जागरूकता पैदा करना और उन्हें शिक्षित करना।	पूरे वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	संग्रहालय की सुरक्षा को मजबूत करना	तथा सुरक्षा उपस्करों का अनुरक्षण।			ईसीआईएल को एएमसी देना	संग्रहालय के सुरक्षा प्रबंधन को मजबूत करना।		
20	**राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद**	विज्ञान शिक्षकों, छात्रों, युवा उद्यमियों, तकनीशियनों आदि के लिए प्रदर्शनी, संगोष्ठियाँ, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना।	**38.27**	**35.00**				सामान्यत या योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।
(i)	• नवीन वीथियाँ स्थापित	देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का आधुनिकीकरण, प्रोन्नयन करना और उसे लोकप्रिय बनाना।			बीआईटीएम,कोलकाता में मोटिव पावर तथा नवाचार संसाधन केन्द्र (चरण ।।) की पुनर्मरम्मत, एसडीसी,पटना में इवोल्यूशन गैलरी, आरएससी,भुवनेश्वर में मोशन(चरण ।।) और एसएस	देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बल प्रदान करना।	परियोजनाएं वर्ष के दौरान पूरी की जाएंगी।	कार्य की प्रगति को बनाए रखने के लिए व्यय

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	करना , • प्रदर्शो का उन्नयन और अद्यतन, • नई परिचलन प्रदर्शिनयां • शैक्षिक कार्यक्रम, • नयी सचल विज्ञान प्रदर्शनी इकाइयाँ,				बर्दवान, एनबीएससी,सिलीगुडी में ग्रीन एनर्जी (चरण ।।), एनएससी,दिल्ली में नवाचार संसाधन केन्द्र(चरण ।।) और नेक्यूलर पावर को वर्ष के दौरान पूरा किया जाएगा। इनके अलावा नई गैलरियों/ संसाधन केन्द्रों / कम्प्यूटर किओस्क के विकास का कार्य भी वर्ष के दौरान हाथ में लिया जाएगा और इस कार्य को 2013–14 में पूरा कर लिए जाने की सम्भावना है। मौजूदा 8 चल प्रदर्शनियां जारी रहेंगी जो देशभर विभिन्न विज्ञान केन्द्रों में प्रदर्शित की जाएंगी।इसके अलावा, वन्डरफुल वलर्ड ऑपफ स्टेटिक्स और ब्रहमाण्ड को जानने से सम्बन्धित 2 चल प्रदर्शनियों को कमश बीआईटीएम, कोलकाता और सीआरटीआई में में विकसित किया जाएगा। राष्ट्रीय विज्ञान ड्रामा/ उत्सव/ संगोष्ठी / मेला/ क्वीज/ लोकप्रिय व्याख्यानों का आयोजन भी सभी संग्रहालयों तथा केन्द्रों में आयोजित किए जाएंगे तथा वर्षभर एनसीएसएम ऑडिटोरियमों के सुधार/ विकास/ निर्माण के मुख्य सिविल कार्यों को करेगा,स्टार्म जल			के योजनाबद्ध और नियमित प्रवाह को जारी रखने के लिए समग्र परियोजना को चार तिमाहियों में पूरा किया जाएगा।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	नयी प्रशिक्षण सुविधाएँ, • देश के विभिन्न भागों में एमए स पाठ्य क्रम				निकासी व्यवस्था, अतिथि गृह,पैनोरमा बिल्डिंग्स, बिल्डिंग्स वॉल्स, कैन्टीन्स तथा आगन्तुकों के लिए लिफट की स्थापना के कार्य को भी एनसीएसएम के अन्तर्गत विभिन्न संग्रहालयों तथा केन्द्रों में पूरा किया जाएगा।			
(ii)	केन्द्रीय प्रापण अन्य मुख्य उपस्करों	विभिन्न क्षेत्रीय विज्ञान केंद्रों का आधुनिकीकरण करना और उनको अत्याधुनिक उपकरण प्रदान करना।			आरएससी,तिरुपति के लिए 8एम डिजिटल प्लेनेटेरियम उपस्कर, विज्ञान केन्द्र,कोलकाता, एनएससी मुम्बई और आरएससी,लखनउ के लिए बड,ी फार्मेट फिल्म, एनसीएसएम की सभी इकाइयों के लिए 3डी फिल्म,राष्ट्रीय स्तर के विज्ञान केन्द्रों के लिए ' साइंस ऑन स्फीर '' तथा विज्ञान केन्द्र के डिजिटल पैनोरमा और आरएससी,तिरूपति,आरएससी, भुवनेश्वर एवं आरएससी,नागपुर के	3डी प्रोजेक्शन प्रणाली लार्ज मोर्मेट फिल्म और स्पार्क थियेटर उपकरण खरीदे जाएंगे। देश में विज्ञान तथा प्रौद्योकिगी को प्रोत्साहन दिया जाएगा।	वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					लिए उपस्कर की अधिप्राप्ति वर्ष के दौरान की जाएगी।			
(iii)	पूर्वोत्तर राज्यों में नयी परियोजनाएँ – आर एस सी, गुवाहाटी एसआर एससी, जोरहाट, शिलांग, मणिपुर और मिजोरम, सुकांत अकादेमी, अगरतला,	उस क्षेत्र के लोगों तथा विशेषतः छात्रों के मन में वैज्ञानिक रुझान बढ़ाना।			. नए प्रदर्श आदि का निर्माण कर अवसंरचना और मौजूदा सुविधाओं को सुदृढ़ करना। . तारामंडल सहित असम राज्य एसआरएससी जोरहाट में नया विज्ञान केंद्र स्थापित करना। . तारामंडल सहित एस आर एस सी गंगटोक के कार्य का विस्तार। . आर एस सी, गुवाहाटी, एस आर एस सी, शिलॉंग, मणिपुर और मिजोरम में उन्नयन कार्य। . सुकांत अकादेमी त्रिपुरा, आदिवासी क्षेत्र स्वायत जिला परिषद टी टी ए ए डी सी के लिए विकास प्रदर्शनी	पूर्वोत्तर क्षेत्र में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना।	अनुमानित परिणाम 2012–13 के दौरान प्राप्त किए जाएंगे	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	त्रिपुरा आदिवासी क्षेत्र, स्वायत्त शासी जिला परिषद ;टी टी ए ए डी सीद्ध							
21.	**विज्ञान शहर**	देश के चुनिंदा केन्द्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना।	–	11.55				सामान्यतया योजनेतर अनुदान का इस्तेमाल प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
								किया जाता है।
(i)	(क) **जारी नई परियोजनाएं** – आरएससी, कोयम्बटूर,आरएससी, जयपुर, आरएससी,पिलिकुला, पीसीएमसी,पूणे,आरएससी, देहरादून,एसआरएससी,देहरादून,एस	महाराष्ट्र, उत्तराखंड, राजस्थान, पुडुचेरी (सं.रा.क्षे.) असम पश्चिम बंगाल, जम्मू, कर्नाटक, उडीसा, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश, हरियाणा राज्यों में नए विज्ञान केन्द्रों की स्थापना			आरएससी,कोयम्बटूर,आरएससी,जयपुर, आरएससी,पिलिकुला,पीसीएमसी,पूणे,आरएससी,देहरादून,एसआरएससी,देहरादून, एसआरएसआरएससी,कोयम्बटूर,आरएससी,जयपुर,आरएससी,पिलिकुला,पीसीएमसी,पूणे,आरएससी,देहरादून,एसआरएससी,देहरादून,एसआरएससी,जोधपुर,एसआरएससी,पांडिचेरी तथा विज्ञान केन्द्र,कोलकाता में साइंस एक्सप्लोरेशन हॉल(दूसरा चरण),एसआरएससी, श्रीनगर,आरएससी,मैसूर,एसआरएससी बारागढ, (उड,ीसा), एसआरएससी, उदयपुर (त्रिपुरा), एससी, राजमुंदरी, आरएससी, चण्डीगढ, और एसआरएससी,अम्बाला में कार्य पहले ही प्रारम्भ हो चुका है और यह जारी रहेगा।	क्षेत्र के लोगों के मध्य विज्ञान को लोकप्रिय बनाने तथा वैज्ञानिक अभिरुचि और जागरूकता के सृजन की दिशा में विज्ञान का प्रसार करना। परियोजना के पूरा होने पर अनुमानित परिणाम प्राप्त किए जाएंगे।		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	आरएससी,जोधपुर,एसआरएससी,पांडिचेरी तथा विज्ञान केन्द्र,कालकाता में साइंस एक्सप्लोरेशन हॉल(दूसरा चरण),एसआरएससी , श्रीनगर, आरएससी,मैसूर,एसआरएससी बारागढ					देश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कोशल प्रदान करना विज्ञान	अनुमाणित परिणाम 2012–13 के दौरान प्राप्त किए जाएंगे।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	, (उड,ीसा), एसआर एससी, उदयपुर (त्रिपुरा), एससी, राजमुंदरी, आरएससी, चण्डीगढ, और एसआर एससी, अम्बाला ।							
	पूर्वोत्तर में विज्ञान केन्द्र आरएससी,	पूर्वोत्तर में बड़ी संख्या में जनता और विशेष रूप से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक प्रकृति मन में बैठाना।			. आरएससी,गुवाहाटी में नए प्रदर्शों आदि का निर्माण करके अवसंरचना और मौजूदा सुविधाओं के सुदृढ़ करना। . तारामंडल सहित एसआरएससी, गंगटोक का विस्तार कार्य . एसआरएससी, शिलांग, मणिपुर,	क्षेत्र के लोगों के मध्य विज्ञान को लोकप्रिय बनाने तथा वैज्ञानिक		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	गुवाहाटी, एसआरएससी गंगटोक, शिलांग मणिपुर और मिजोरम, सुकांता अकादमी, त्रिपुरा आदिवासी क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी)				. और मिजोरम का उन्नयन कार्य सुकांता अकादमी, त्रिपुरा आदिवासी क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) के प्रदर्शों का विकास ।	अभिरुचि और जागरूकता के सृजन की दिशा में विज्ञान का प्रसार करना। परियोजना के पूरा होने पर अनुमानित परिणाम प्राप्त किए जाएंगे। .		
22.	**भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण**	जैव–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में मानव जनसंख्या पर अनुसंधान कार्यकलाप पूरे करना। इसके कार्यकलापों में नृजातीय सामग्रियों तथा प्राचीन मानव कंकाल	**19.30**	**14.00**	योजना शीर्ष के अधीन उनके बजट का लगभग 30–40 प्रतिशत टीएसपी के अधीन सांस्कृतिक आदिवासी			सामान्यतया गैर–योजना अनुदान प्रशासनिक और

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		संबंधी अवशेषों का संग्रहण, परिरक्षण, अनुरक्षण, प्रलेखन और अध्ययन शामिल हैं।			कार्यकलापों के लिए निर्धारित किया गया है। उनके बजट के अलावा एमईआर में कार्यकलापों के लिए 20 प्रतिशत अतिरिक्त धनराशि आवंटित की गई है।			स्थापना खर्च के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	प्रलेखन और प्रचार–प्रसार	8 क्षेत्रीय केन्द्रों और कोलकाता स्थित केंद्रीय राष्ट्रीय पुस्तकालय में मानव विज्ञान पुस्तकालयों का अनुरक्षण करना तथा संग्रहालय का भी उसे सुदृढ़ करके एवं क्षेत्रीय संरचना के जरिए, सुदृढ़ीकरण। भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रलेखन के भाग के रूप में विशिष्ट धारणा पर परभक्षी नृजाति वर्णन फिल्म का सर्वेक्षण।			6000 पुस्तकालय पुस्तकों की मुख्य कार्यालय,7 क्षेत्रीय केन्द्रों,1 उप क्षेत्रीय केन्द्र,2 फिल्ड स्टेशन और 1 कैम्प ऑफिस के लिए अधिप्राप्ति ।एनएनएसआई के तहत सभी मौजूदा पुस्तकालयों के रिट्रो कनर्वशन तथा डिज्टिजेशन। सर्वेक्षण में सभी पुस्तकालयों को कोलकाता में एन. साइंस के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय के साथ परस्पर सम्बद्ध करना। यह सर्वेक्षण 1 केन्द्रीय तथा 7क्षेत्रीय संग्रहालयों में किया गया। उदयपुर में नवनिर्मित भवन में एन. सग्रहालयों का लगभग 75 प्रतिशत विकास कार्य पूरा हो गया है। सर्वेक्षण के सभी संग्रहालयों में मूर्त सांस्कृतिक	सर्वेक्षण पुस्तकालय देशभर में मानवविज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में कार्य कर रहे हैं जिनके जरिए विभिन्न अकादमियों और अन्य संगठनों के 500 शौधकर्ता/प्रोफेसर /प्रशासक संदर्भ और प्रलेखन के केन्द्र के रूप में इसपुस्तकालय की सहायता लेते हैं। संग्रहालय में	यह एक सतत् प्रकिया है।	जनशक्ति की कमी से कमी हो सकती है। विद्वानों और आम आदमियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों सहित 2000 से अधिक आगन्तुको ने मानव विज्ञान संग्रहालय का दौरा किया। 2012–13 में पूर्वोत्तर राज्यों के 1 लाख से अधिक लोग प्रत्येक स्थान में प्रदर्शनी को देखने के लिए

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					विरासत के लगभग 1000 संग्रहण। एनडब्लयूआरसी,देहरादून में ओपन एअर म्यूजियम की स्थापना का 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण।सभी संग्रहालयों का संरक्षण कार्य जारी। विभिन्न एन. थीम्स पर 20 प्रदर्शनियों को बढ.ाना।	सर्वेक्षण के विभिन्न परिणाम प्रदर्शन कार्यक्रम के भाग के रूप में जनता के लिए प्रदर्शन हेतु प्रदर्शित की जाती है।		आएंगे देश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नृजाति संग्रहालय पुरावस्तुओं, फिल्मशों का व्यापक प्रदर्शनी का संगठन करना। लगभग 3–4 लाख आगुंन्तुक देखने आएंगे।
	राष्ट्रीय दृश्य मानवविज्ञान केन्द्र, कोलकाता				–केन्द्र के लिए सम्पादन व्यवस्था हेतु उपस्कर की अधिप्राप्ति। दृश्य मानवविज्ञान के लिए जनशक्ति प्रशिक्षण हेतु 2 कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। मानवविज्ञान एसआई के अनुसंधानकार्मिकों द़वारा 10 डाक्यूमेंट्री फिल्में बनायी जाएंगी और इनकी आउटसोर्सिंग भी होगी। सर्वे द़वारा पहले 5 साइलेंट मूवी			

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	डब्ल्यूआरसी,उदयपुर में नए भवन में सामुदायिक ज्ञान हेतु राष्ट्रीय केन्द्र शिक्षावृत्ति कार्यक्रम	इस समय सर्वेक्षण के पास 47 अध्येता हैं। इसका उद्देश्य 29 अतिरिक्त अध्येतावृत्ति सहित कुल अध्येतावृत्ति को 76 तक ले जाना है, क्योंकि ये देश में संसाधन की मानव–शक्ति विकास का महत्वपूर्ण घटक हैं।			में साउंड ट्रेक की व्यवस्था की गयी थी। – डिज्टिजेशन के लिए उपस्कर अधिप्राप्ति को पूरा करना तथा सेंट्रल डिजिटल डाटा रेपरटरि के लिए सर्वे संस्थापन। प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्रों तथा मुख्य कार्यालय हेतु स्थानीय तौर पर डाटा डिज्टिजेशन हेतु और उन्हें केन्द्रीय सर्वे हेतु हस्तान्तरित करने के लिए 2 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन। मानवविज्ञान एसआई के पास विभिन्न श्रेणियों में 47 शिक्षावृत्ति हैं जिसमें से आज की तारीख तक 3 रिक्त हैं। आरएपफडी 2012–13 के माध्यम से शिक्षावृत्ति को 47 से बढ,ाकर 147 करने का प्रस्ताव है जो अभी भी अनुमोदन के लिए लम्बित पड़ा है।	जनशक्ति विकास के लिए यह एक सतत प्रकिया है। शौध अध्येताओं की सहायता के जरिए राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजना को कार्यान्वित करने	यह एक सतत् प्रकिया है।	चूंकि सर्वेक्षण को मौजूदा 47 अध्येता के अलावा 4 आगन्तुक अध्येता 5 पोस्ट डोक्टोरल अध्येता–10 अनुसंधान

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						का नीति निर्णय लम्बित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लिया गया है।		अध्येता और 100 निष्ट अध्येता की आवश्यकता है।
(iii)	जनशक्ति प्रशिक्षण/ सलाहकार/ कार्यकारी समिति/विशेषज्ञों की बैठकें सहकारी स्कीमें सूचना एवं प्रौद्योगिकी प्रकाशन	विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए बैठके करने और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना आवश्यक है जिनमें बाह्य विशेषज्ञ शामिल होंगे। इसके अलावा कार्यकारी परिषद की आंतरिक बैठकें की जाएंगी।			विभिन्न अनुसंधान परियोजना के कार्यान्वयन हेतु बैठक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जरूरत होती है जिसमें बाहर के विशेषज्ञ 'शामिल हैं। 4 ईसी बैठकें आयोजित कीजाएंगी जिसमें सर्वे के सभी कार्यकारी सदस्यों को शामिल किया जाएगा। 7 एनएसी बैठकें आयोजित की जाएंगी जो सभी सर्वे गतिविधियों को दिशानिर्देश देगी और मौजूदा कार्यो का मूल्यांकन करेंगी। 50 कार्मिक कार्यशालाओं में प्रशिक्षण देंगे! सर्वे के स्कॉलर/ फेलो विभिन्न व्यवसाय के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।इसमें लगभग बाहर से 100 लोगों के आउटसोर्स का भी प्रस्ताव है।ये 2010 में 39 आउटसोर्स किए गए लोगों	योजना परियोजना के संदर्भ में सत्त प्रयास शामिल कर मानव संसाधन प्रबंधन और प्रशिक्षण कार्यान्वित किया जा रहा है। मानवविज्ञान के विश्वविद्यालय विभागों और अन्य संस्थानों के सहयोग से यह आपसी लाभ के लिए होगा। मानव विज्ञान के संदर्भ में विभिन्न सूचना उपलब्ध कराने के लिए शौध विद्वानों और अन्यों की		जनशक्ति की कमी होने के कारण सर्वेक्षण ने विभिन्न अनुसंधान परियोजनाएं शुरु करने के लिए जनशक्ति का आउटसोर्स करना किया होना जारी रहेगा।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					के अलावा हैं। – यह सर्वे विभिन्न राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ कार्यशालाओं/ सम्मेलनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि के आयोजन हेतु सहयोग करता रहेगा।	सहायता करना।		
(iv)	डीएनए प्रौद्योगिकी शुरू करना	सर्वेक्षण में विकसित डीएनए अध्ययन में वृद्धि करना और डीएनए बैंकिंग का अनुरक्षण करना। पीसीआर स्तर तक डीएनए प्रौद्योगिकी और उदयपुर, देहरादून डीएनए बैंकिंग प्रयोगशाला सुविधाओं का विकास करना।			भौतिक मानवविज्ञानप्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण के भाग के रूप में इसने सर्वोत्कृष्ट अधुनातन सुविधाओं के सृजन का कार्य हाथ में लिया है जो इसके 5 क्षेत्रीय केन्द्रों में चालू है। आधारभूत संरचना काविकास इस प्रकार से करने की योजना है कि मानव प्रशिक्षण पूर्णतया समय प्रौद्योगिकियों के अनुकूल हो और जिसे सर्वे में 'शामिल किया जा सके।सर्वेक्षण सामुदायिक सांस्कृतिक पद्धति सहित आनुवंशिक और संबंधित राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यान्वित करने के लिए है सभी क्षेत्रीय केन्द्रों और मुख्यालय डीएनए	डी एन ए अनुसंधान और कार्यकलाप अनुसंधान निष्कर्षों के जरिए देश के विकास के लिए इस शीर्ष के अधीन ज्ञान आधार मुहैया करता है सभी संसाधनों को एक साथ प्रस्तुत करना है और भिन्न भिन्न नमूनों डीएनए और सैल लाइन्स के अन्य स्रोतों के अलावा सुविधा प्रदान करता है।	यह सतत प्रक्रिया है।	इस प्रकार के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तत्व की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					कार्यालय में डीएनए नमूनों का एकत्रण और भण्डारण जारी है। राष्ट्रीय स्तर पर डीबीटी, आईसीएमआर और डीएसटी के साथ स्थापित करने के लिए मानव अनुवांशिक संसाधन हेतु भण्डारण			
(v)	समकालीन भारतीय आबादी तथा प्राचीन कंकाली सामग्री की डीएनए बहुरूपता	सांस्कृतिक पद्धति के संदर्भ में समकालीन भारतीय आदिी के डीएनए पोलिमोरफिजम की समझबूझ मानव जिनोम अनुसंधान में हाल ही के विकास की दृष्टि में जीवन और पर्यावरण आवश्यक होगा।			मानव जीनोम विविधता के आलोक में भारतीय आबादी पर जो मूलभूत जानकारी सृजित की जा रही है, वह चिकित्सा अनुप्रयोग में उपयोगी होगा।	विकास को समझने के लिए डाटाबेस सृजित करना और समकालीन भारतीय आबादी में बीमारियों के विकास के लिए	इस कार्यक्रम को 12वीं योजना अवधि के दौरान चालू अनुसंधान अध्ययन परियोजना के रूप में जारी रखा जाना है।	इस तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तथ्यों की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है।
(vi)	पूर्वोत्तर भारत में बच्चों की शारीरिक वृद्धि और विकास – एक सार्वजनिक स्वास्थ्य का मुद्दा।	पूर्वोत्तर भारत के 0–18 वर्ष की आयु के बच्चों के विकास के जीव–सांस्कृतिक निर्धारियों को समझना।			लोक स्वास्थ्य मुद्दों के रूप में बच्चों का विकास पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक मिशन मोड परियोजना है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के आदिवासी समुदायों के बीच सघन फील्ड जांच–पड़ताल शुरु करने के लिए अनसंधान दल।	परिणाम पूर्वोत्तर क्षेत्र में बच्चों के विकास के माध्यम से लोक स्वास्थ्य के मुद्दे के आलोक में है।	इस कार्यक्रम को 12वीं योजना में अनवरत परियोजना के रूप में जारी रखा जाना है।	इस तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तथ्यों की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है।
(vii)	सिवालिक उत्खनन और देश के अन्य	नर्मदा सागर बांध की घाटी के अन्वेषण योग्य जलमग्न की दृष्टि में केन्द्रीय नर्मदा का विस्तार और सुव्यवस्थित			उत्तराखंड समाप्ति के सिवालिक क्षेत्र में फील्ड कैम्प की स्थापना। सिवालिक क्षेत्र में	पलियो मानव शास्त्र प्रमाण सहित भारत में	यह कार्यक्रम 12वीं योजना में जारी रहेगा।	इस तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान में

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	भाग	अन्वेषण और उत्खनन			फील्ड अन्वेषण और उत्खनन कार्य जारी रहेगा। देश के अन्य भागों में इसी प्रकार के स्थल का पता लगाया जाएगा। एकत्रित नमूनों का विश्लेषण जारी रखा जाएगा।	मानव विकास का पुनर्मूल्यांकन करना।		जोखिम तथ्यों का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।
(viii)	मानव विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय	इसमें अंतर्राष्ट्रीय संकाय की सेवाओं; शिक्षण में नियुक्त करने की परिकल्पना है और सर्वेक्षण मानव जिनोम परियोजना सहित सहयोगात्मक अनुसंधान गतिविधि चलाने से मानवशास्त्र सहित जीवन विज्ञान के सिद्धांत और पद्धति का आमूल परिवर्तन है।			• अन्य संस्थाओं से आन्तरिक वैज्ञानिक सदस्यों और स्कॉलरों दोनों के लिए 4 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।	मानव विज्ञान के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रशिक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संकाय शामिल करने के लिए तंत्र।	यह कार्यक्रम ग्प्वीं योजना में जारी रहेगा।	
(ix)	सामुदाय अनुवांशिक और स्वास्थ्य (समुदाय अनुवांशिक विस्तार कार्यक्रम)	मनव अनुवांशिक में नए विकास और इसकी जटिलताओं को मानव आणविक विकास और इसके अपनाने के संबंध में आम आदमी और स्कूल के बच्चों के ध्यान में लाने की आवश्यकता है।			थैलेसिमीया सिकल सैल एनीमिया और 66 पीडी कमी के लिए उच्च जोखिम क्षेत्रों पर सामुदायिक जेनेटिक्स। हीमोग्लोबिन अव्यवस्थाओं के 1000 नमूने का सुनिश्चय करना और उनका पूर्णतया विश्लेषण। इस परियोजना के अनुसंधान निष्कर्षों पर आधारित पर आधारित 3 वैज्ञानिक दस्तावेजों का प्रकाशन किया जाएगा।	सिकल सैल, अनेमिया और थलासेमिया जैसी कुछेक बीमारियों पर मानव विज्ञान विषय और इन बीमारियों के पैदा होने से रोकथाम	यह सतत अनुसंधान और प्रसार कार्यक्रम	इस प्रकार के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तथ्य की परिकल्पना नहीं की जा सकती है।
(x)	मानव और	जीवमंडल में जैव सांस्कृतिक का			वर्ष के दौरान लगभग दो जीव	जैव सांस्कृतिक	यह एक निरन्तर	

परिणाम बजट 2013-14

अध्याय -II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013-14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	पर्यावरण	प्रसारण। जैव सांस्कृतिक विविधता के ज्ञान का प्रसारण तथा जनसंख्या की वहनीयता।			मंडल कर अध्ययन किया जाएगा। - पूर्व के जीवमंडल अध्ययनों के प्रकाशनीय स्वरूप में लगभग दो रिपोर्टों को प्रस्तुत किया जाएगा। -पूर्व में अध्ययन किए गए जीवमंडल की लगभग दो रिपोर्टों का प्रकाशन किया जाएगा। - कार्य की प्रगति के मूल्यांकन हेतु वर्ष के दौरान लगभग दो कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।	विविधता के ज्ञान का प्रसारण तथा जनसंख्या की वहनीयता।	अनुसंधान प्रशि	
(xi)	क्षमता निर्माण के तौर पर सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन	ज्नशक्ति का विकास एसआईए को हाथ में लेगा और जहां कही आवश्यक हो, एसआईए अध्ययन किया जाएगा। - औद्योगिक संस्थापन को आरम्भ करने से पूर्व सरकार को एसआईए अध्ययन के साथ सहायता करना।			कम से कम एक एसआईए अध्ययन वर्ष के दौरान किया जाएगा। - कम से कम पूर्व में अध्ययन किए गए एक एसआईए रिपोर्ट को प्रकाशित किया जाएगा। - कार्य की प्रगति हेतु कम से कम एक कार्यशाला आयोजित की जाएगी।			
(xii)	**नई स्कीमें**	विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में भारत की जनता की जीव-सांस्कृतिक विविधता का प्रलेखन करना; संसाधनों आधारों की			15 गांवों में अध्ययन किया	आर्थिक सांस्कृतिक क्षेत्रों	अप्रैल 2012 से जून, 2012	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	जीव–सांस्कृतिक विविधता पर्यावरण और बनाए रखने योग्य विकास	पहचान और प्रलेखन करना; रिसाव जीव–सांस्कृतिक अलेकल का विश्लेशण बनाए रखने योग्य विकास के लिए संसाधनों का स्वामीत्व और उपयोग बहु–परिदृश्यों और नाजुक अन्तर की पहचान से विकास कार्यक्रमों की समीक्षा करना।			जाएगा जिनमें सीमावर्ती गांव और जनजातीय क्षेत्र शामिल होंगे। प्रकाशनीय स्वरूप में रिपोर्ट को 15 गांवों के शीघ्र अध्ययन हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। अनुसंधान योजना की प्रगति के मूल्यांकन हेतु 4 कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। कुछ घुमंतू तथा शिल्पकार समूहों एवं यायावर व्यापारियों का अध्ययन विशेष मामले के रूप में किया जाएगा। अनुभवजन्य आंकडे. फील्ड कार्य के माध्यम से संग्रहित किए जाएंगे। पीआरए,जीएपफडी आदि जैसी विभिन्न तकनीकें उपयोग में लायी जाएंगी। गौण स्रोतों से गांव समुदायों के अध्ययन आंकडे. तथा संसाधन आधार का संग्रहण किया जाएगा।	के संदर्भ में नीति योजना के लिए जीव सांस्कृतिक डाटाबेस/संसाधन आधारों की सूची तैयार करना और लोगों के संदर्भ में उनका प्रयोग/बनाए रखने योग्य विकास के लिए माइक्रो योजना के लिए प्रारूप मानदण्ड तैयार करना।	जुलाई 2012 से सितम्बर, 2012 अक्तूबर 12 से सितम्बर 13	
23.	**नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय**	पंडित जवाहरलाल नेहरू से संबंधित पुस्तकों, समाचार–पत्रों, अप्रकाशित संदर्भों, गैर–सरकारी पत्रों/फोटोग्राफों,	12.30	15 6.	योजना निधि में मूल निधि के तौर पर 150.00 करोड. रूपए शामिल हैं।			सामान्यता गैर–योजना अनुदान पेंशन

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		फिल्मों तथा महत्वपूर्ण कागज़ातों के संकलन तथा अनुवाद के लिए भी उत्तरदायी।		00				ओर सेवा निवृत्ति लाभो सहित प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए इस्तेमाल की जाती है।
(i) (ii) (iii) (iv) (v) (vi)	(क) अनुसंधान एवं प्रकाशक अध्येतावृत्तियाँ प्रदान करना। सीआर परियोजना प्रकाशन कार्यक्रम मौखिक ऐतिहासिक प्रभाग के सुदृढीकरण हेतु समकालिक अध्ययन केन्द्र डिज्टीजेशन सहित पाण्डुलिपि प्रभाग का सुदृढ.ीकरण	तीन स्तर की अध्येतावृत्तियाँ, अर्थात् वरिष्ठ अध्येतावृत्ति, अध्येतावृत्तियाँ तथा कनिष्ठ अध्येतावृत्तियाँ प्रदान करना तथा छात्रवृत्तियाँ और वित्तीय सहायता प्रदान करने की व्यवस्था करना। आधुनिक भारतीय इतिहास के अध्ययन को संवर्धित और प्रोत्साहित करने के लिए व्याख्यानों, संगोष्ठियों, परिसंवादों और सम्मेलनों का आयोजन करना।			इसमें 32 स्वीकृत अध्येतावृत्ति हैं। अध्येता विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं में काम कर रहे हैं, अर्थात् क. मॉडर्न भारतीय इतिहास और समकालिक अध्ययन , ख. भारतीय विकास सम्बन्धी सम्भावनाएं तथा ग. विश्व अर्थव्यवस्था तथा नीति के परिप्रेक्ष्य में भारतीय और बदलती प्रवृत्तियां। अध्येताओं द्वारा प्रस्तुत अन्तिम पाण्डुलिपि को भी पुस्तक स्वरूप में प्रकाशित करने का प्रस्ताव है। सामग्री का संग्रहण,स्व.श्री राजगोपालाचारी के चुनिंदा कार्यों के खण्ड तीन के वर्ल्ड प्रोसैसिंग डाक्यूमेंट। फूटनोट की तैयारी तथा	यह फेलोशिप कार्यक्रम हमारे देश में उच्च ऐतिहासिक छात्रवृत्ति को सुदृढ़ करेगा तथा इससे अनेक स्तरीय प्रकाशनों का जन्म होगा। स्कॉलर समुदाय के लिए लाभान्वित। पारस्परिक विचार विमर्श तथा ज्ञान को आपस में बांटना। आईटी आधारभूत संरचना के	सामान्यता गैर–योजना अनुदान पेंशन और सेवा निवृति लाभों सहित प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए इस्तेमाल की जाती है। अनवरत अनुसंधान योजनाओं को जारी रखना एक नियमित कार्यकलाप है।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	आईटी आधारभूत संरचना का विकास				अनुसंधान सामग्री की तुलना। माइक्रोपिफल्म पाठकों की अधिप्राप्ति,कम्प्यूटर,स्कैनर आदि। उक्त कार्य हेतु मानव संसाधन। सामग्री संग्रहण हेतु देश के विभिन्न भागों की यात्रा। श्रीमती इन्दिरा गांधी के प्राक्कथन के साथ जवाहरलाल नेहरू पर एमएसएस का प्रकाशन,संगोष्ठियां ,कार्यशालाएं आदि। एनएमएमएल प्रतिष्ठित व्यक्तियों के संस्मरणों की रिकार्डिंग कार्य करेगा और प्रभाग के लिए उपस्करों की अधिप्राप्ति करेगा। एनएमएमएल के प्राचीन पुरातात्विक दस्तावेजों का डिज्टीजेशन भी किया जा रहा है,यह पुरातात्विक दस्तावेजों के नए संग्रहण को जोड.कर किया जाएगा। – स्टाफ सदस्यों तथा अधिकारियों को प्रशिक्षण देना। आईटी आधारभूत संरचना का उन्नयन।	अन्तर्गत मॉडर्न तकनीकों के साथ आगे बढ.ना।		
(ख)	पुस्तकालयों का	ऐसी पुस्तकों, पेम्फ्लेट, समाचार–पत्रों,			पुस्तकालय नई पुस्तकों को	नई पुस्तकों,	यह एक नियमित	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	विकास	पत्रिकाओं, माइक्रोफिल्मों, अचल फोंटोग्राफों, सचल चित्रों, साउंड रिकॉर्डिंग और अन्य सामग्रियों के एक पुस्तकालय को तैयार करना जिसमें स्वाधीनता आंदोलन के विशेष संदर्भ सहित आधुनिक भारतीय इतिहास को समाविष्ट किया गया हो।			प्राप्त करना जारी रखेगा जिनमें पैम्फलेट, समाचार पत्र, पत्रिका, माइक्रोफिल्म, स्टिल फोटो आदि शामिल हैं।	पत्रिकाओं के संयोजन सहित, सामाजिक विज्ञान अध्ययन के क्षेत्र में एन एम एम एल पुस्तकालय की उत्कृष्ट स्थिति को बरकरार रखा जाएगा।	कार्य है।	
(ग)	संग्रहालय का विकास	जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तित्व से संबंधित वस्तुओं, स्मरणीय वस्तुओं, स्मृति चिह्नों तथा उनके जीवन से और भारतीय स्वाधीनता आंदोलन से संबंधित अन्य वस्तुओं का एक संग्रहालय तैयार करना।			संग्रहालय वस्तुओं का संरक्षण, सुरक्षा और निगरानी प्रणाली विथियों में स्थापित करना, मौजूदा टाइलों और इसके तार और फिटिंग को बदलकर संग्रहालय भवन का उन्नयन और नवीकरण, छत की मरम्मत और रिसाव बंद करना, स्थायी प्रदर्शनियों का रख–रखाव करना जवाहर इंदिरा और राजीव की ज्योतियां रखना, संग्रहालय ब्राशर का मुद्रण करना, धात्विक सूचना पट्ट लगाना,सूवनीर 'शॉप चलाना,अस्थायी मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का आयोजन,संग्रहालय	नई पहलों से और अधिक आगन्तुक संग्रहालय की ओर आकर्षित होंगे।	यह एक नियमित आयोजन होगा।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					वस्तुओं,संग्रहालयों और पेटिंग्स के रखरखाव हेतु नए 'शोपीस / रैक्स की अधिप्राप्ति संग्रहालय स्टाफ को निस्पादन आदि की वृद्धि के लिए संग्रहालय को नये प्रदर्श तकनीकी के संबंध मं विचार–विमर्श करने के लिए संग्रहालय व्यावसायियों हेतु सेमिनार एवं कार्यशालाएं।			
(घ)	नेहरू तारामंडल का अनुरक्षण पाण्डुलिपि प्रभाग, रिप्रोग्राफी सेवाओं, बच्चों के संसाधन केंद्रों को सुदृढ़ करना	एनएमएम एण्ड एल का नेहरू तारामंडल राजधानी में स्थित एकमात्र तारामंडल है तथा इसके कार्यक्रम बच्चों में वैज्ञानिक अभिरूचि उत्पन्न करते हैं।			इसका प्रयास नेहरू तारामंडल को शैक्षिक उत्कृष्टता के रूप में इसकी ख्याति को बनाए रखने एवं बढ़ाने का है। यह उन्नत टेलिस्कोपिक तथा अन्य खगोलीय यंत्रों के जरिए इसे बनाए रखेगा तथा इसका उन्नयन करेगा। रिप्रोग्राफी के पुनर्गठन तथा सेवाओं का रखरखाव हेतु रॉ माइक्रोफिल्मस तथा माइक्रोफिल्मस पाठकों,डिजिटल,स्कैनर आदि की अधिप्राप्ति का प्रस्ताव है।	तारामंडल स्काई शो से बच्चे शिक्षित होंगे। विज्ञान को लोकप्रिय बनााने के लिए कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।	यह चालू प्रक्रिया है।	प्रकट नए कागजात को डिजिटीकरण करने का प्रावधान जारी रहेगा/इसका विभिन्न रूपों में उपलब्ध पुरानी और दुलर्भ अनुसंधान सामग्री भी माइक्रोफिल्म प्राप्त करने का प्रस्ताव है।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					एनएमएमएल का बच्चों के लिए कई कार्यक्रम प्रारम्भ करने का प्रस्ताव है जिसमें प्रकति/ हिस्ट्री वॉक्स/ पारस्परिक विचारविमर्श कार्यशालाओं/ फिल्मस प्लेस आदि 'शामिल हैं।			
(ड)	मल्टीमीडिया पुस्तकालय/ नेहरू अंकित छात्रवास उद्यान और सम्पदा का विकास	भारत और विदेशी दोनों की प्रख्यात व्यक्तियों के संस्मरणों को अभिलेख और परिरक्षित करना विद्वानों के लिए छात्रावास का प्रावधान भिन्न और समद्ध विरासत का संरक्षण करना।			एनएमएमएल दवारा साक्षात्कार के लिए आमंत्रित प्रतिष्ठित हस्तियों की सुविधा हेत तथा उनके संस्मरणों /साक्षात्कारों की रिकार्डिंग हेतु स्टूडियो के उन्नयन के लिए उपस्कर की प्राप्ति का प्रस्ताव है। स्कॉलर समुदाय के लाभार्थ छात्रावास को आवासीय कालोनी बनाना। सुन्दर बगीचे तथा वुडलैंड का रखरखाव।	यह शौधकर्ताओं के लिए प्राथमिक अनुसंधान सामग्री के रूप में लुप्त कड़ी मुहैया कर रही है।	अनवरत प्रकिया	
24.	**भारतीय संग्रहालय, कोलकाता**	यह संस्थान सांस्कृतिक लोकाचार और परंपरा की शताब्दियों का प्रतिनिधित्व करने वाली भारतीय और विदेशी कला के अद्वितीय खज़ानों को रखने वाली वीथियों के पुनर्गठन और पुनरूद्धार में कार्यरत है।	7.65	10 7. 88	संविदा आधार नियुक्त अधिकारियों को मेहनताना का भुगतान।			सामान्यता, गैर योजना अनुदान प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	कला, पुरातत्व और मानव	इसके उद्देश्यों में अद्यतन व्यवस्थाओं और तकनीकों सहित विभिन्न वीथियों			1.वीथियों की आन्तरिक मरम्मत तथा	विभिन्न वीथियों और आरक्षित	पूरे वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	विज्ञान अनुभागों की वीथियों का आधुनिकीकरण, विकास, पुनरूद्धार और रखरखाव।	और आरक्षित संग्रहों की पुनर्सज्जा, आधुनिकीकरण और पुनरूद्धार शामिल हैं।			आधुनिकीकरण 2. संग्रहालय की बाहय मरम्मत तथा आधुनिकीकरण। वीथियों का आधुनिकीकरण तथा विकास,पुस्तकालय,संरक्षण यूनिट,पुरावशेष,मॉडलिंग यूनिट, सुरक्षा प्रबन्ध,प्रकाशन यूनिट आदि का रखरखाव।	संग्रहों का आधुनिकीकरण और पुनरूद्धार अधिक पर्यटकों को आकर्षित करेगा तथा भारत की संस्कृति, लोकाचार और परम्परा का संवर्धन करेगा।		
(ii)	वेतन	परियोजना उद्देश्यों हेतु संविदाआधार पर नियुक्त अधिकारियों को मेहनताना।			संविदा आधार पर नियुक्त अधिकारियों को मेहनताना।			
(iii)	यात्रा व्यय	परियोजना कार्यों हेतु यात्रा व्यय।			वीएमएच के अनुसंधान स्कन्ध द्वारा कई परियोजनाओं को हाथ में लिया गया है।	परियोजना कार्यों हेतु यदि कोई हो,यात्रा वयय की पूर्ति करना।	पूरे वर्ष के दौरान	
(iv)	टैगोर फैलोशिप स्कीम	टेगोर राष्ट्रीय फैलोशिप स्कीम के सम्बन्ध में सांस्कृतिक अनुसंधान कार्य।			टेगोर राष्ट्रीय फैलोशिप स्कीम के सम्बन्ध में अनुसंधान कार्य।	ठैगोर के कला और संस्कृति सम्बन्धी कार्यों का रखरखाव तथा उन्हें बढ.ावा देना।	पूरे वर्ष के दौरान	
(v)		उत्तर पूर्वी राज्यों में विकास कार्य।						

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(vi)	उत्तर पूर्वी राज्यों का विकास वीथियों, प्रेक्षागृह और प्रदर्शनी कक्ष, भवनों, परिसर क्षेत्र आदि में सुरक्षा व्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरण।	वीथियों, प्रेक्षागृह और प्रदर्शनी कक्ष, भवनों, परिसर क्षेत्र आदि में सुरक्षा व्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरण करना।			उत्तर पूर्वी राज्यों के संग्रहालयों का विकास कार्य। i) वर्षभर सुरक्षा एजेंसी तथा राज्य सशस्त्र पुलिस की सेवायें लेना। ii) मौजूदा फिटिंगों तथा जुड़नारों आदि को बदलना। iii) उन्नत तथा परिष्कृत सुरक्षा उपकरणों का रख–रखाव तथा खरीद। iv) समग्र परिसर क्षेत्र की प्रकाश व्यवस्था का विकास।	उत्तर पूर्वी राज्यों के संग्रहालयों के विकास में सलाह और मार्गदर्शन प्रदान करना। बहुमूल्य और अद्वितीय खज़ानों की चोरी से सुरक्षा।	पूरे वर्ष के दौरान पूरे वर्ष के दौरान	
25.	**सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद**	यह राष्ट्रीय महत्व का संग्रहालय है जिसमें सालारजंग प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय द्वारा समग्र विश्व से संग्रहित दुर्लभ और विविधतापूर्ण कलावस्तुओं का संग्रह है।	**10.50**	**9.50**				सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।
(i)	परियोजना भवन	वीथियों के विस्तार हेतु पश्चिमी खंड में अतिरिक्त तल का निर्माण।			8 नई वीथि के लिए 5000 वर्ग गज में अतिरिक्त तल का निर्माण करना।	आधुनिक तथा उन्नत तरीके से प्रदर्शित वस्तुओं	एक वर्ष	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						के लिए अतिरिक्त स्थल उपलब्ध कराना।		
(ii)	विकासात्मक कार्य (वर्तमान भवन)	वीथियों के पुनर्गठन, भंडारों के आधुनिकीकरण, पांडुलिपियों के संरक्षण, पुस्तकालय आदि सहित मौजूदा भवन के विभिन्न विकासात्मक कार्य शुरू करना।			वीथियों के विभिन्न विकासात्मक कार्यों तथा पुनर्गठन के कार्यों को हाथ में लेना।	संग्रहालय में पर्यटकों का आकर्षण बढ़ाना।	एक वर्ष	
(iii)	सुरक्षा का उन्नयन	सी सी टी वी कैमरों अग्नि सूचक प्रणाली तथा अग्निशमन नल प्रणाली की व्यवस्था करके संग्रहालय में सुरक्षा का उन्नयन किया जा रहा है।			सीसी टीवी, कैमरा, अग्नि चेतावनी प्रणाली और अग्निशमन प्रणाली उपलब्ध कराकर संग्रहायल में सुरक्षा का उन्नयन। 12 महीनों के लिए सीआईएसएपफ सुरक्षा की प्रतिपूर्ति।	संग्रहालय की सुरक्षा के भाग के रूप में।	एक वर्ष	
(iv)	पुस्तकालय के लिए पुस्तकों, कला वस्तुओं पाण्डुलिपियों आदि का संरक्षण। फोटोग्राफी भूमि अधिग्रहण	संग्रहालय पुस्तकालय में उपलब्ध कला वस्तुओं/पांडुलिपियों का संरक्षण विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रम चलाना, फोटोग्राफी उपस्कर का उन्नयन			प्रदर्शित किए जा रहे तथा भण्डार में रखे शिल्प तथ्यों के संरक्षण व परिरक्षण हेतु सामान्य कार्य किया जाता है। फोटोग्राफी उपस्करों का उन्नयन। ग्रीष्मकालीन कला शिविर,बाल सप्ताह,संग्रहालय सप्ताह,विशेष प्रदर्शनी,संगोष्ठियां,कार्यशालाओं आदि जैसी 'शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। पुस्तकालय पुस्तकों	कला वस्तुओं की मियाद को बढ़ना इसके कार्यकलापों के माध्यम से कला और संस्कृति का संवर्धन व प्रसार	एक वर्ष	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					और पाण्डुलिपियों को अधिग्रहण,संरक्षण तथा परिरक्षण।			
26.	**इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल**	शैक्षिक और आउटरीच कार्यकलापों तथा ऑपरेशन भ्रंशोद्धार (साल्वेज) के माध्यम से भारत के समृद्ध और विविधतापूर्ण सांस्कृतिक स्वरूपों के प्रलेखन, प्रदर्शन और प्रचार–प्रसार के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए बुनियादी सुविधओं का विकास करना।	**3.91**	**11.45**	गैर योजनागत निधियों से, इन्डोर प्रदर्शनियों,7 आउटडोर प्रदर्शनियों परिसरों,सड़क नेटवर्क, सड.क नेटवर्क,भवन तथा पुस्तकालय,फोटोग्राफी,संरक्षण आदि जैसी पुरातात्विक यूनिटों के रखरखाव के कार्य को प्रत्येक वर्ष हाथ में लिया जाता है।	योजना बजट में टीएसपी के अन्तर्गत लगभग 55 प्रतिशत का प्रावधान शामिल है।		सामान्यता प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	अवसंरचना विकास और शिक्षा तथा आउटरीच कार्यक्रम	शैक्षिक और आउटरीच कार्यकलापों तथा ऑपरेशन भ्रंशोद्धार (साल्वेज) के माध्यम से भारत के समृद्ध और विविधतापूर्ण सांस्कृतिक स्वरूपों के प्रलेखन, प्रदर्शन और प्रचार–प्रसार के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए बुनियादी सुविधओं का विकास करना।			<u>योजना कार्यकलाप</u> क) अवसंरचना विकास 1.स्पेशिमैन स्टोर के लिएशैड निर्माण। 2.इन्डोर म्यूजियम बिल्डिंग ,बिलों निपटान। 3. सीमा दीवार के निर्माण को पूरा करना। 4. आगन्तुक अनुकूल सुविधाओं का विकास।	स्थल संग्रहालय का विकास और संग्रहालय को दर्शक के अधिक अनुकूल बनाना। प्रलेखन केन्द्र भण्डार के लिए अभिलेख के रूप में कार्य करेगा।		यह संगठन आदिवासी उपयोजना कार्यक्रम के अधीन योजना आवंटन का भगभग 50 प्रतिशत खर्च करेगा और पूर्वोत्तर क्षेत्र के

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					5. इन्डोर म्यूजियम बिल्डिंग में कुछ वीथिकाओं एअर कंडिशनिंग की व्यवस्था। 6.प्रस्तुतीकरण स्थलों/ ऑडिटोरियम का निर्माण/ साइट विकास का उन्नयन।	ओपर एयर प्रदर्शनी में अतिरिक्त नए प्रदर्शों और वर्तमान प्रदर्शन स्थापना के उन्नयन से संग्रहालय के लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को प्राप्त करने तथा परिणाम स्वरूप अधिक संख्या में दर्शकों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी।		अधीन गतिविधियों के लिए पर्याप्त राशि निर्धारित की जाएगी।
					ओपन एअर मुक्ताकाशीय प्रदर्शनियों का विकास : इस साल संग्रहालय प्रदर्शों के रूप मे नए गृह प्रकारों को शामिल करेगी। रॉक आर्ट विरासत पर एक पूर्व ऐतिहासिक पार्क का विकास करेगी, महानदी रिवर घाटी से प्रदर्शों का विकास, विभिन्न	नई प्रदर्शनी वीथियों का विकास और अतिरिक्त अवसंरचना सुविधाओं में संग्रहालय आगन्तुओं की संरख्या में वृद्धि		**गैर–योजना अनुरंक्षण और रख रखाव :** क. आंतरिक प्रदर्शनिया क्षेत्र 4000 वर्ग मीटर तल क्षेत्र लगभग ख. 80 एकड भूमि में सात बाहरी प्रदर्शनियों परिसर फैले हुए हैं ग. सड़क नेटवर्क लगभग 5 कि.मि

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					संस्कृतियों में स्वस्थ तथा अच्छे जीवन की परम्परागत अवधारणा के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण हेतु मुक्ताकाशीय प्रदर्शनियों का विकास, प्रस्तुति हेतु ओपन एअर प्रदर्शन स्थल का सृजन, इन्डोर प्रस्तुति/निपटारा स्थल, प्रेक्षाग्रह का उन्नयन, सभी मुक्ताकाश मौजूदा प्रदर्शनियों आदि में दर्शक सुविधाओं का उन्नयन, आडियो पर्यटन और आडियो पोस्ट सुविधा का विकास, ब्रेल में पाठ और स्तर उपलब्ध कराना, प्रदर्शनी स्थलों पर एस्कैलेट सुविधा उपलब्ध कराना, ओपन एअर प्रदर्शनियों में विभिन्न स्थानों पर सूचना क्योस्क ;पी सी आधिरित) और दर्शकों के लिए संचार सुविधा। और ध्वनि और प्रकाश शो का विकास। **आंतरिक संग्रहालय में प्रदर्शनी वीथियों का विकास** : इस वर्ष अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के साथ मौजूदा	होगी और विश्व स्तरीय संग्रहालय का सृजन करने में कदम होगा।		बिजली और पानी आपूर्ति लगभग 125 एकड में ग– भवन क्षेत्र लगभग 15000 वर्ग मीटर घ– पुस्तकालय फोटोग्राफी की संरक्षण, माडलिंग ग्राफिक कला आदि जैसी अभिलेखीय यूनिटें।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					प्रदर्शनियों वीथियों को उन्नयन करने का प्रस्ताव है और आंतरिक आडिटोरियम और अन्य वीथियों में सीसीटीवी की स्थापना द्वारा आगन्तुकों की सुविधाओं,सुरक्षा तथा सुरक्षा सामग्रियों को बढाया जाएगा और चोर घंटी और अग्निशमन उपकरण लगाकर प्रदर्शित सामग्री सुरक्षा में वृद्धि की जाएगी। शारीरिक रूप से विक्लांग व्यक्तियों के सुचारू रूप से चलने के लिए प्रावधानों का उन्नयन किया जाएगा और नई प्रदर्शनियों का विकास किया जाएगा, विभिन्न विषयों पर प्रदर्शों को रखने के लिए सैंट्लाइट प्रदर्शन स्थान का निर्माण करना। 5– **संगठननात्मक ढांचा** : आईजीआरएमएस मौजूदा स्टाफ तथा संविदा आधार पर लगे अतिरिक्त कार्मिकों की सहायता से कार्यक्रमों को जारी रखेगा। संग्रहालय अन्य सरकारी/ गैर			

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					सरकारी संगठनों और समुदायों के सहयोग से भी अपनी गतिविधियों का संचालन कर रहा है। इस वर्ष मौजूदा यूनिटें पर्याप्त जनशक्ति के साथ सुदृढ. की जाएंगी। ख) **संग्रहालय शिक्षा और आउटरीच कार्यक्रमः** 1 क्षेत्रीय केंद्र, मैसूर में विकास सुविधाएंः भारतीय समुदायों की जीवन प्रणाली पर ओपन एअर प्रदर्शनी का विकास। यह मैसूर में सेमिनार/सिंपोजिया, शिक्षा कार्यक्रम तथा फील्ड कार्य का भी आयोजन करेगा। नया क्षेत्रीय केंद्र भी स्थापित करने का प्रस्ताव है। 2– विशिष्ट और विषयक संस्कृति व्याख्या केन्द्रों का सृजन और प्रबंधन : ये केन्द्र समुदायों के लिए स्रोत केन्द्र और क्षेत्र की उनकी ज्ञान प्रणाली के रूप में कार्य करेंगे।	सहायक यूनिटों को सुदृढ करने से संग्रहालय के कार्यकलापों में वृद्धि होगी और विभिन्न कार्यक्रमों और कार्यकलापों को समय पर कार्यान्वित किया जाएगा। माजुली असम में सांस्कृतिक व्याख्या केन्द्र। असम को पूर्वोत्तर राज्यों से संबंधित संग्रहालय के कार्यकलापों में सहायता दी जाती है। स्थानीय समुदायों और		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					3) अस्थायी और चल प्रदर्शनियाँः लोक और आदिवासी केन्द्रों सहित विभिन्न विषयों पर कुछ और प्रदर्शनियाँ आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है। 4–संग्रहालय और विरासत प्रबंधन पर अंतर – विषयक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। नए संग्रहालय–शास्त्र (संग्रहालय कामगारों के लिए) पर एकीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम और विभिन्न विश्वविद्यालयों में मानवविज्ञान विभाग के अध्यापकों और विधार्थियों के लिए संग्रहालयों और मानवविज्ञान पर राष्ट्रीय कार्यशाला/ संगत विषयों पर सेमिनार/ संगोष्ठी, संग्रहालय बातचीत / प्रसिद्ध व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष कुछ अन्य संस्थानों के सहयोग से लगभग 10 सेमिनार आयोजित करने का प्रस्ताव है। **5**) समुदाय की ज्ञान प्रणाली	संगठनों के सहयोग से कुछ और सांस्कृतिक व्याख्या केन्द्र खोले जाएंगे। नई प्रदर्शनियों के विकास से संग्रहालय के स्रोत आधार में वृद्धि होगी और चल प्रदर्शनियां भारत के सांस्कृतिक पैटर्न का प्रसार करने और संग्रहालय का प्रचार करने में सहायक होगी। वर्ष के दौरान आगन्तुकों को		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					का प्रदर्शन : कलाकार कैम्प, आदिवासी रोगहर कैम्प, मंचकला प्रस्तुतियां, रंगमंचीय प्रस्तुति, पूनम, बलरेग राष्ट्रीय उत्सव विद्यालय, करो और सीखो आदि ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम। 6) शिक्षा और आउटरीच कार्यक्रम/वीडियो/वृत्त चित्र फिल्मों के लिए सहायक इकाइयों का विकासः विभिन्न प्रचालन यूनिटों को जनशक्ति, आधुनिक उपकरण और उनकी कार्य क्षमता के उन्नयन के लिए जुगत प्रदान कर सुदृढ़ किया जाएगा। संग्रहालयों के लक्ष्य और उद्देश्यों से संबंधित विभिन्न पहलू पर नियमित प्रकाशन प्रकाशित किए जाएंगे ।	आकर्षित करने के लिए अनेक कार्यक्रम और गतिविधियों चरण आधार पर आयोजित की जाएगी इससे संग्रहालय स्टाफ की दक्षता का विकास करने में मदद मिलेगी और नया संग्रहालय आंदोलन भी शुरू किया जाएगा। जनशक्ति को सुदृढ़ करने से समस्त भारत में संग्रहालय की विभिन्न गतिविधियों को चलाने में मदद मिलेगी। स्थानीय संसाधन प्रबंधन परम्पराओं		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					ग– ऑपरेशन सैल्विज. 1– सहयोग मानवशास्त्रीय अनुसंधान परियोजना। 2– नृजाति शास्त्र और मंचकला से मौखिक परम्पराओं के विभिन्न पहलुओं का प्रलेखन 3– दुलर्भ वस्तुओं की पहचान और भ्रंशोद्धार 4– संस्कृति संबंधी वस्तुओं की सामग्री का संग्रहण 5– नमूनों का संरक्षण 6– शैलकला अनुसंधान 7– सांस्कृतिक अनुसंधान के लिए टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृति 8– विद्यार्थी प्रशिक्षुता कार्यक्रम	के सैल्विज और परिरक्षण के अनेक फील्ड कार्य और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ये कार्यक्रम न केवल विभिन्न परम्परागत कला रूपों से सहयोग ज्ञान का प्रसार करेंगे बल्कि जनता में ऐसी परम्पराओं की जानकारी देंगे और संबंधित शिल्प व्यक्तियों के नैतिकता बढ़ाने का प्रयास करेंगे।		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
27.	**अन्य कार्यक्रम (संग्रहालय)**							
(क)	**राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला, लखनऊ**	सांस्कृतिक संपदा के संरक्षण में लगी हुई विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं की क्षमता का विकास करना और संग्रहालय, अभिलेखागार, पुरातत्व विभागों, और अन्य समान संस्थानों को संरक्षण सेवाएँ प्रदान करना।	**4.28**	**2.50**				सामान्य तथा योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है। 2014 में वरिष्ठ और कनिष्ठ स्तर के स्टाफ की बड़ी संख्या में सेवा निवृत्ति।
(i)	अनुसंधान और विकास	बनाए रखने योग्य समाधान संरक्षण विकास			नीचे उल्लिखित पांच अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा किया जाएगा। – कला वस्तुओं का विश्लेषण(100 नमूने) –लाइम प्लास्टर का सर्वेक्षण,सैम्पलिंग और विश्लेषण	संरक्षण समाधान	समस्या सर्वेक्षण करना और तब समाधान खोलने के लिए गहन अध्ययन करना।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					–ऐतिहासिक संरचनाओं के मॉर्टर – पेपर पर काली स्याही करोशनके प्रभाव को कम करने की विधि(3–5 अनुसंधान परियोजनाएं) एंटीफंगल की इन–विट्रो तथा इन–सीटू जांच तथा जैविक मेन्थोल से विकसित कीट निरोधक			
(ii)	फील्ड परियोजना	संग्रहों का संरक्षण करना। कला कार्य और संरक्षण विद्यार्थियों तथा प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रशिक्षुता और सहायता सृजित करना			सर जे.जे.स्कूल ऑफ आर्ट्स,मुम्बई की 200 पेन्टिंग्स, 89 पाषाढ. मूर्तिकला. सेन्ट्रल म्यूजियम,नागपुर की 100 पेन्टिंग्स,150 टेक्स्टाइल वस्तुएं,एसएसएम थियेटर काफ़्ट म्यूजियम,नई दिल्ली के 200 मास्कस तथा पपेट्स,रविन्द्र भारतीय विश्ववद्यिालय,कोलकाता की 37 ऑयल पेन्टिंग्स,मैसूर प्लेस की 13 बडे. आकार की पेन्टिंग्स,मंजूषा म्यूजियम ,धर्मस्थल उत्तर कर्नाटक की	स्तम्भ 5 में उल्लिखित परियोजनाओं में शामिल सभी 500 पेंटिंग और 3000 नक्शे संरक्षित किए जाएंगे। –10 में इन्टर्नशिप सृजित की जाएगी।	क्ला कार्यों की अभिकिया में अंतर्राष्ट्रीय मानक संरक्षण पद्धति को अपनाना।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					17 ऑयल पेन्टिंग्स,श्रीचित्रा आर्ट गैलरी,तिरुवनन्तपुरम की 25 पाणिकर पेन्टिंग्स।			
(iii)	सूचना स्रोत और संचार	संरक्षण सूचना का प्रसार			– सूचना संसाधनों का अधिग्रहण (160 पुस्तकें और 40 पत्रिकाएं) – सूचना संसाधनों का प्रलेखीकरण(2012 के लिए नई अधिग्रहण सूची के सूचना संसाधन का प्रलेखीकरणं)	10 प्रशिक्षुता दी जाएंगी स्तम्भ 5 में भौतिक परिणाम के रूप में उल्लिखित 75 प्रतिशत तक प्राप्त किए जाएंगे।	वस्तुएं एमआरएल सी में प्राप्त की जाएंगी अथवा यथा व्यवहार्य स्थलों पर संरक्षित की जाएगी।	शौध प्रबंधन के लिए विद्यार्थियों का नामांकन उनके संबंधित विश्वविद्यालों द्वारा किया जाता है।
(iv)	संरक्षण में प्रशिक्षण	संरक्षकों और पुनः संग्रहको को विकास			संग्रहालयों के गैलरी सहायकों को संग्रहालय वस्तुओं की सावधानी पूर्वक हैंडलिंग के बारे में विशेष पाठ्यक्रम – पुस्तकालय सामग्रियों के लिए एहतियाती संरक्षण कार्यक्रम – संग्रहालय वस्तुओं की देखभाल तथा रखरखाव हेतु 10–दिवसीय पुनश्चर्या कार्यशाला	स्तम्भ 5 में जोभी भौतिक परिणाम दिए गए हैं उन्हें प्राप्त किया जाएगा।		संग्रहालयों पुस्तकालयों और अन्य सांस्कृतिक संस्थान को वार्षिक सेमिनारो/ कार्यशालाओं का वार्षिक कैलेंडर परिचालित किया जाता है खुली निविदा विश्वव्यापी निविदा के जरिए

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					–डीएचआरएम,नई दिल्ली,बीएचयू,वाराणसी,एसएसयू ,वाराणसी तथा आरबीयू ,कोलकाता के विद्यार्थियों के लिए विशेषशैक्षणिक पाठ्यक्रम – कला वस्तुओं के संरक्षण हेतु छह माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम।			खरीदारी।
(v)	प्रयोगशालाओं का उन्नयन	अद्यतन प्रगति के समकक्ष आना			5 उपस्करों की अधिप्राप्ति	प्रलेखन गतिविधियां स्थापित की जाएंगी और इन्हें कार्यात्मक बनाया जाएगा।		
(ख)	**विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता**	स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, कला इतिहास का चित्रण करने वाले काल से संगत सामग्री और आँकड़ों को इकट्ठा करने में शामिल समकालीन कला संग्रहालय।	**4.21**	**8.00**	सामान्यतया प्रशासनिक तथा स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।			
(i)	सीपीडबल्यूडी/ एएस आई द्वारा विशेष मरम्मत और नवीकरण कार्य किया जाता है।	स्मारक भवन, छत का मरम्मत कार्यकरण, आन्तरिक और मध्य भागों की रासायनिक सफाई। बगीचे का समूचित रख–रखाव, प्रांगनों का सौन्दर्यीकरण। अन्तर्राष्ट्रीय मानको के अनुसार प्रदर्शनियों हेतु स्थल प्रदान करना सेमिनारों सार्वजनिक सुविधाओं की			भूतल क्षेत्र में हवा की आवाजाही हेतु विशेष मरम्मत तथा सुधार एवम् मौजूदा ग्लास टेल टेल्स का भूतल क्षेत्र,पुराना पुस्तकालय,शिक्षा कार्यालय,प्रशासनिक अधिकारी कक्ष तथा दरबार हॉल के रूफ	अच्छे परिवेश सहित साफ और सुरक्षित वीथियां, उद्यान जल निकायों और रास्ते जिससे अधिक आगंतुको	वर्ष के अन्दर	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	बागीचा विकास प्रेक्षाग्रह सह प्रशासनिक खण्ड हेतु एजेन्सी भवन का निर्माण	व्यवस्था			ट्रिटमेंट में प्रतिस्थापन। –एएसआई / सीपीडब्यूडी द्वारा भवन का वार्षिक रखरखाव। – भवन के बाहरी तथा आन्तरिक भाग को रसायन से धोना। – टैंक इम्बेंकमेंट की मरम्मत तथा पेन्टिंग्स,उत्तरी तथा दक्षिण द्वारों पर सीमेंट कंकरीट की लेवलिंग ताकि इन क्षेत्रों में पानी का जमाव न हो, स्प्रिक्लर्स,हाइड्रैंट्स और अंडरग्राउंड पाइप लाइन आदि की मरम्मत। – ग्रेवल रोड की रि–सर्फेसिंग । – सीपीडब्यूडी (बागवानी) द्वारा चरणबद्ध तरीके से लिए गए बगीचे के बकाया भाग का विकास और विकसित क्षे; का रखरखाव। – मैमोरियल के मुख्य भवन से लगे एनेक्सी भवन का निर्माण जिसमें आगंतुकों हेतु अतिरिक्त सुविधाएं होंगी।	को आकर्षित करेंगे। आगंतुकों के लिए अतिरिक्त सुविधाओं अर्थात अस्थायी रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियां, सेमिनार, सम्मेलन, बैठक कक्ष, पुस्तकालय, कैफेटेरिया, सोविनियर सॉप, प्रदर्शनियों के लिए प्रदर्शनी हॉल सहित विश्व स्तरीय केंद्र की स्थापना।		
(ii)	घरेलू प्रदर्शनी	समग्र जनता को संग्रह की समृद्धि के			वीएन की वस्तुओं के संग्रह	दर्शकों को भारत	पूरे वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		बारे में जानकारी देना और हमारे भूतकालीन इतिहास, संस्कृति और सुरूचिसंपन्नता के बारे में उन्हें बताना और भारत में किसी भी एक महानगरीय शहर में कम–से–कम एक भ्रमणशील प्रदर्शनी भेजना।			पर चार अस्थायी प्रदर्शनियां आयोजित करना। भारत और विदेश दोनों की संस्थाओं/ कलाकारों की तीन प्रदर्शनियां आयोजित करना। उत्सव/ कार्यक्रमों में भाग लेना।	और विदेश की मूर्त विरासत से विभिन्न प्रदेशों से अधिक आगंतुक आयेंगे।		
(iii)	प्रकाशन प्रलेखन, कैटलाग बनाना, एक्सेशन, कला वस्तुओं की माल पड़ताल, फोटो प्रलेखन आदि।	उच्च गुणवत्ता वाले प्रकाशन तथा यूरोपीय कलाकारों की कृतियों के हमारे अद्वितीय संग्रह के संबंध में कुछ अधिप्रमाणित कैटेलॉग निकालना।			मेमोरियल गार्डेन के प्रकाशनों का मुद्रण तथा समाप्त प्रकाशनों का पुनर्मुद्रण।। – ऐक्सेशन एवं कैटलाग बनाना, फोटो प्रलेखन। लगभग 2000 वस्तुओं के प्रलेखन का डिजिटीकरण और आरबीएस पुरावस्तुओं और प्रत्यक्ष सत्यापन।	विक्टोरिया मेमोलियल हॉल की विभिन्न वस्तुओं से दर्शकों को परिचित कराना। प्रकाशनों की बिक्री से अधिक राजस्व प्राप्त होगा। प्रविष्ठियां, सूचीपत्र, फोटो, प्रलेखन, वस्तुओं का डिजीटिकरण आदि कंपनी की पेंटिंग और आरबीएस की पेंटिंग का प्रत्यक्ष सत्यापन। घरेलू	वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						दल द्वारा बीआरएस संग्रहों का डिजीटिकरण किया जा रहा है।		
(iv)	सुरक्षा को सुदृढ़ बनाना	कलावस्तुओं और स्मारक की कलाकृतिध्वंसन और चोरी से रक्षा करना और सांस्कृतिक संपदा की सुरक्षा करना।			सभी भंडारों में सीसीटीवी (नाइट विजन कैमरा), लगाया जाएगा। –नाइट विजन सहित चार दूरबीन की खरीद करना। –ग्लासब्रेक डिटेक्टर, डोर स्विच (कॉन्ट्रेक्ट, प्रेशर मैट लगाना)। –सीआईएसएफ तैनात करना। –सीआईएसएफ की तैनाती तक 46 कोलकाता पुलिस कार्मिक और 17 निजी सुरक्षा एजेंसी के कार्मिकों का सुरक्षा प्रबंध जारी करना एवं 17 कार्मिकों की निजी सुरक्षा एजेंसी से तैनाती। – 10'–12' बार फैंसिंग का निर्माण करना। 13 वाकीटॉकी (मासिक आधार पर किराए पर लेना)।	विक्टोरिया मेमोरियल हॉल की मूल्यवान और दुर्लभ वस्तुओं के लिए आधुनिक गैजेट सहित सुरक्षा और निगरानी प्रणाली मुहैया करना।	पूरे वर्ष के दौरान	
(v)	वीथियों की स्थापना/ आधुनिकीकरण तथा	समुचित प्रदर्शन, प्रकाश व्यवस्था तथा मौसम नियंत्रण के साथ मेमोरियल की सभी वीथियों का पुनर्गठन तथा पुनर्संरचना।			परित्यक्त रेस्टोरेंट और डोरमेटरी की मरम्मत और नवीकरण। भवन से प्रशासनिक और लेखा यूनिट को शिफ्ट करना।	वीथियों और भंडारों के लिए भवन में अधिक स्थान। वस्तुओं	पूरे वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	कलावस्तुओं का भंडारण और संस्थापना, प्रकाशन–व्यवस्था, मौसम नियंत्रण, दर्शक सुविधाएं इत्यादि।				थिमेटिक और वैज्ञानिक प्रदर्शन सहित वीथियों का आधुनिकीकरण। जलवायु नियंत्रक फिक्चरों और आधुनिक भंडार उपकरणों सहित कुछेक भंडारों का आधुनिकीकरण करना।	के थिमिटिक और वैज्ञानिक प्रदर्शन से आगंतुक आकर्षित होंगे। मूल्यवान कला वस्तुओं की सुरक्षा करना।		
(vi)	कला वस्तुओं का परिरक्षण, पुनरुद्धार और संरक्षण	आधुनिक भारत के इतिहास की सॉस्कृतिक विरासत का परिरक्षण करना।			विक्टोरिया हॉल के स्वामित्व में आरबीएस संग्रहण से पेन्टिंग्स की स्टेटस रिकार्डिंग तथा इन सीटू संरक्षण। – धात्विक वस्तुओं/ अस्त्रशस्त्रों का संरक्षण। – वीथियों तथा भण्डारों में क्लाइमेटिक डाटा का रिकार्ड रखना। – विक्टोरिया हाल,कोलकाता की रक्षा हेतु पर्यावरणीय प्रबन्धन योजना – अन्य संगठनों को तकनीकी सहायता – विदेश से उपस्कर खरीद तथा स्थानीय बाजार से रसायनों की खरीद। – सेमीनार/कार्यशाला/प्रशिक्षण	सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए स्वयं सेवी संगठनों को तकनीकी सहायता मुहैया करना। ऑयल पेंटिंग का जीर्णोद्धार और भावी पीढ़ी के लिए पुस्तकालय की पुरानी और दुर्लभ पुस्तकों का संरक्षण करना।		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					–यूके से विशेषज्ञ जेनी लाइटफूट से सहायता लेकर टेक्स्टाइल संग्रहण का संरक्षण ।			
(vii)	अनुसंधान तथा डाटा सैल	विक्टोरिया मैमोरियल तथा कोलकाता के इतिहास सम्बन्धी अनुसंधान हेतु संविदा आधार पर अनुसंधान स्कॉलरों, सेवानिवृत्त प्रोफेसरों,स्कॉलरों और कम्प्यूटरों सहायकों नियोजित करना।			सांस्कृतिक अनुसंधान हेतु टैगोर राष्ट्रीय फैलोशिप ,कोलकाता इतिहास तथा मॉडर्न बंगाल, विक्टोरिया मैमोरियल,अनुसंधान और डाटा संग्रहण, अभिलेखागार और पुस्तकालयों में विजिट करना।	आगन्तुकों के लिए अब तक अदृष्ट विक्टोरिया मैमोरियल हॉल के खजाने को सामने लाना।	2013–14 के भीतर	
(ग)	**इलाहाबाद संग्रहालय, इलाहाबाद**	संग्रहालय के मुख्य कार्यकलापों में कला वस्तुओं का अधिग्रहण, वीथियों और आरक्षित संग्रहों का पुनर्गठन जिससे, पुस्तकालय और फोटोग्राफी इकाई और प्रकाशन समृद्ध होते हैं।	**2.16**	**2.90**	गैर योजनागत अनुदान से चिकित्सा,प्रतिपूर्ति,फर्नीचर और फिक्चर,टेलीफोन और विद्युत प्रभार, कानूनी प्रभार आदि की भी पूर्ति की जाती है।			सामान्यता प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	भवन का पुनरुद्धार	कर्मचारी एवं दर्शकों के लिए अपेक्षित स्थानों एवं सुविधाओं में वृद्धि होगी।			संग्रहालय भवन का निर्माण कार्य तथा इसके संगत भाग की प्रगति को भी ध्यान में रखा जाएगा।	संग्रहालय भवन का संगत भाग नया दिखाई देगा और स्टाफ तथा आगंतुकों के लिए अपेक्षित स्थान में भी वृद्धि होगी।	कार्य को सी पी डब्ल्यू डी द्वारा एक समयबद्ध सीमा के भीतर निष्पादित किया जाएगा।	प्रगति, निधियों की समय पर उपलब्धता पर आधारित होगी।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(ii)	पुस्तकालय फोटोग्राफी प्रलेखन तथा उसका सुदृढ़ीकरण	पुस्तकालय संग्रह को सुदृढ़ बनाना तथा संग्रहालय द्वारा स्वामित्व में रखी गई पत्रिकाओं तथा सेटों के खंड भी प्राप्त करना, कतिपय पुस्तकों तथा पत्रिकाओं, की संग्रहालय कार्मिकों का एक दल भेजकर माइक्रोफिल्म बनाना, जो उपलब्ध नहीं है तथा संग्रहालय के पुस्तकालयों को समृद्ध बनाने के लिए पुस्तक और पत्रिकाएँ प्राप्त करना।			पुस्तकालय में पहले से नई पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं,इस बात को सुनिश्चित करने के बाद ही अतिरिक्त पुस्तकों की खरीद की जाएगी। फोटो प्रलेखीकरण एक निश्चित समय भीतर पूरा कर लिया जाएगा और जब कभी प्रयोजन हो,गतिविधियों को कवर किया जाएगा।	संग्रहालय अधिकारियों और कर्मचारियों, आगंतुक विद्वानों, कला इतिहासविद् और कला समालोचकों की बढ़ती हुई माँग पर पुस्तकालयों ने पुस्तक और पत्रिकाएँ प्राप्त करता है। पुस्तकालय कार्यकलापों के विकास से अपेक्षाकृत अधिक अध्येत्ता, इतिहासविद् और कला आलोचक आकर्षित होंगे। फोटो प्रलेखन से संग्रहालयवस्तुओं के उचित अनुरक्षण और सभी कार्यकलाप कवर करने में	प्रसिद्ध प्रकाशकों/ पुस्तक–विक्रेताओं से पुस्तकों का अधिग्रहण करके।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						मदद मिलेगी।		
(iii)	वीथियों का आधुनिकीकरण	उद्देश्यों में शामिल हैं : लकड़ी के पैनल लगाना, नए शो–केस, लकड़ी के ब्लॉक तैयार करना, संग्रहालय की विभिन्न मौजूदा वीथियों में आधुनिकीकरण/पुनर्गठन।			वीथियों में 'शो केस का सुधार कार्य,गैलरियों में पालिसिंग और पेन्टिंग कार्य,टिप्पणियों को विस्तृत रूप में प्रस्तुत करना, कुछ गैलरियों में पैनलिंग आदि के कार्य को संग्रहालय के आधुनिकीकरण के भाग के रूप में हाथ में लिया जाएगा।	आधुनिकीकरण कार्य से दर्शकों को हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की बेहतर जानकारी मिलेगी।	वर्ष भर के दौरान	प्रस्तावित कार्य का निष्पादन निधियों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।
(iv)	कलावस्तुओं का अधिग्रहण	उपयुक्त अंतरालों पर कला खरीद समिति की बैठक के आयोजन के माध्यम से संग्रहालय के लिए कलावस्तुओं का अधिग्रहण।			प्रचीनकालीन वस्तुओं को क्रय समिति की सिफारिशों पर प्राप्त किया जाएगा जिसमें विशेषज्ञ शामिल होंगे।	संग्रहालय के संग्रह में वृद्धि करना और अधिक दर्शकों को आकर्षित करना	विशेषज्ञों की कला खरीद समिति की सिफारिशों पर प्राचीन वस्तुओं का अधिग्रहण किया जाएगा।	यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई नकली पुरावस्तु अधिग्रहीत नहीं की गई है।
(v)	प्रदर्शनी और प्रदर्शन। आरक्षित संग्रह का पुनर्गठन। माडलिग खण्ड। शैक्षिक व अन्य कार्य कलाप अनुसंधान	देश के उभरते कलाकारों को प्रोत्साहित करना तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों के धर्म और संस्कृति के ज्ञान को बढ़ाना।			इलाहाबाद संग्रहालय में प्रसिद्ध कलाकारों की प्रदर्शनियां विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और भारत में संग्रहालयों में आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा, एक प्रदर्शनी चरणबद्ध कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी।		प्रदर्शनी के विषय का निर्णय होने के पश्चात, संगत सामग्री को एकत्र किया जाता है और प्रदर्शनी लगाई जाती है।	प्रदर्शनी के मानकों में सुधार लाने के लिए आधुनिक प्रदर्शन स्टैण्ड अधिग्रहीत किए गए हैं।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	अध्येतावृत्ति अन्वेषण तथा रासायनिक संरक्षण प्रयोगशाला				–प्रदर्शनी हॉल,स्वतंत्रतासेनानी गैलरी की मरम्मत। रिजर्व संग्रहण में ऑर्गनिक सामग्रियों/ सिक्कों/बहुमूल्य वस्तुओं को नए सिरे से व्यवस्थित करना। – प्रतिकृतियों आदि को मॉडलर/ मॉडलिंग सहायक द्वारा किया जाएगा और यदि आवश्यक हो,तो बाहरी प्रतिष्ठित कलाकारों के जरिए यह कार्य किया जाएगा। – संग्रहालय की भारतीय कला,संस्कृति और पर्यटन में पैठ है।विरासत प्रबन्ध संस्थान की स्थापना।इसे भारतीय कला,संस्कृति और संग्रहालय में शामिल किया जाएगा। – प्रतिष्ठित स्कॉलर और फैलोशिप पुरस्कार विजेता संग्रहालय के लिए अनुसंधान कार्य करेंगे। – दीमकरोधी उपचार और कला वस्तुओं,कागजों,सिक्कों,पाण्डुलिपियों, फोटोग्राफ,पेन्टिंग और			

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					काष्ठ वस्तुओं के संरक्षण का कार्य हाथ में लिया जाएगा और उसे पूरा किया जाएगा।			
(घ)	**राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान : कला–इतिहास, संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान, नई दिल्ली**	कला, इतिहास, संरक्षण के विशिष्ट क्षेत्रों में शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करना और कलावस्तुओं का पुनरूद्धार तथा संग्रहालय में उनका प्रदर्शन एवं रख–रखाव।	**0.29**	**5.00**				सामान्यतया प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	शैक्षिक कार्यक्रम नोएडा परियोजना	कला का इतिहास, संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान का प्रचार–प्रसार तथा उन्नति सेक्टर–62, नोएडा में 3 एकड़ भूमि पर अपना भवन स्थापित करना			– 55 विद्यार्थी मास्टर डिग्री कोर्स हेतु तथा पीएच.डी.कोर्सों हेतु उपयुक्त संख्या जो संस्थान की आधारभूत संरचना और अभ्यर्थियों के प्रारम्भिक परीक्षा/ साक्षात्कार में दर्शित निष्पादन पर निर्भर रहेगा। – अल्पकालिक पाठ्यक्रमों में 225 विद्यार्थियों का प्रवेश जिसमें 1–2 अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार और 3–4 राष्ट्रीय सेमिनार/ कार्यशाला/ सम्मेलनों का आयोजन होगा। –12 विशेष व्याख्यान जिसमें प्रत्येक शिक्षण में 4 व्याख्यान	स्नातकोत्तर/अनुसंधान छात्रों एवं विद्वानों को कला इतिहास, संरक्षण तथा संग्रहालय विज्ञान के क्षेत्रों में उन्नत ज्ञान प्रदान किया जाएगा। अतिरिक्त स्थान से संस्थान के अधीन अधिक गतिविधियों में वृद्धि होगी।	एम.ए. पाठ्यक्रमों की अधिकतम अवधि ढ़ाई वर्ष है।	पी एच डी की अवधि 5 वर्ष है। अल्पकालिक पाठ्यक्रमों की अवधि 5 माह है। कीमतों में आयी तेजी के कारण निर्माण लागत का अनुमान लगाया गया है और संशोधित

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					होंगे। यह परियोजना 12वीं योजना अवधि दौरान हाथ में ली जानी सम्भावित है।			किया गया है।
(च)	संग्रहालय स्कीम		--	**27.75**				
(i)	**क्षेत्रीय और स्थानीय संग्रहालयों के 'संवर्धन और उन्हें सुदृढ़ बनाने के लिए वित्तीय सहायता की स्कीम'**	क्षेत्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर मौजूदा संग्रहालयों के सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण का संवर्धन। इसके अतिरिक्त, स्कीम के अंतर्गत एक जिला संग्रहालय की स्थापना आरंभ की जानी है।			दिसम्बर,2012 तक लगभग 80 प्रस्ताव विभिन्न संग्रहालयों से प्राप्त हुए हैं और लगभग 45 संग्रहालय अनुदान प्राप्त करेंगे।	नए संग्रहालयों की स्थापना के लिए और मौजूदा संग्रहालयों का आधुनिकीकरण के लिए भी संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में संग्रहालय अभियान का संवर्धन।	वर्ष 2012–13 के दौरान	विभिन्न संग्रहालयों से प्राप्त पूर्ण/समुचित प्रस्तावों की संख्या पर धनराशि का जारी किया जाना निर्भर करता है।
(iii)	**महानगरीय शहरों में संग्रहालय के आधुनिकीकरण की स्कीम**	देश में कुछेक संग्रहालयों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ संग्रहालयों के बराबर लाना।			भारतीय संग्रहालय,कोलकाता के आधुनिकीकरण के दूसरा चरण के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा।	मेट्रो में संग्रहालय से सम्पूर्ण वर्ष के दौरान प्रस्ताव प्राप्त किए	पूरे वर्ष के दौरान	मेट्रो शहरों में संग्रहालयों द्वारा पहले अनुदान के उपयोग पर निधियों को

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						जाएंगे।		जारी करना निर्भर करेगा।
(ड.)	**वृदावन अनुसंधान केन्द्र वृंदावन**	भारत की सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण	0.25	0.60	महाभारत के नकुल द्वारा अश्व व्यवहार सम्बन्धी पाण्डुलिपियों का प्रकाशन,ब्रज क्षेत्रों में मुगल सम्राटों द्वारा मन्दिरों हेतु भूमि दान आदि।ब्रज संस्कृति का विश्वकोष। पाण्डुलिपियों और फोटोग्राफ	भारत की सांस्कृतिक विरासत का संवर्धन व परिरक्षण		
(ii)	**सार्वजनिक स्कीम** बडे पैमाने पर संग्रहालयों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु सार्वजनिक निजी भागेदारी की स्कीम।	देश के विभिन्न भागों में संग्रहालयों की उपलब्धता में अंतर को दूर करना।			सार्वजनिक निजी भागीदारी के तौर पर राज्य सरकारों और सिविल सोसायटी के सहयोग से वृहत पैमाने के संग्रहालयों जैसे कोलकाता आधुनिक कला संग्रहालय और अन्यों की स्थापना के लिए सहायता प्रदान की जाएगी।	राज्य सरकार, गैर सरकारी संगठनों आदि द्वारा संचालित वृहत पैमाने पर संग्रहालयों के व्यावसायिक विकास के लिए यह सहायता दी जाएगी। क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय मानकों के बडे संग्रहालयों का अभाव है।	इस योजना को चालू स्कीम के साथ मिलाने पर विचार किया जा रहा है।	12वीं योजना में नई स्कीमें कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव।
(छ)	स्ंग्रहालय सम्बन्धी शिक्षण		–	1.00				

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	हेतु संग्रहालय संग्रहण और शैक्षणिक सुविधाओं का डिजिटीकरण।							
(i)	इंटरनेट पर उपलब्धसूची पत्रों/ छाया प्रतियां तैयार करने के लिए संग्रहालय संग्रह के डिजीटिकरण के लिए वित्तीय सहायता।	विभिन्न स्तर पर संग्रहालयों में उपलब्ध सभी कला वस्तुओं तथा प्राचीन वस्तुओं का राष्ट्रीय डाटाबेस का विकास करना ;राष्ट्रीय,राज्य,क्षेत्रीय तथा स्थानीय संग्रहालय द्ध	–	–	इसके दो घटक होंगे, पहला अवसंरचनात्मक स्थापना और दूसरा सभी संग्रहों के डिजीटिकरण से संबंधित होगा। केन्द्रीय/राज्य सरकार, पंजीकृत निजी संग्रहालय आदि के अंतर्गत सहायता दी जाएगी।	यह स्थायी रिकॉर्ड तैयार करने तथा राष्ट्र की अमूल्य कला वस्तुओं की नकल और चोरी रोकने में सहायता करेगा।	इस योजना को नई योजना के साथ मिलाने पर विचार किया जा रहा है।	12वीं योजना में नई स्कीमें कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव।
(ii)	संग्रहालय संबंधी विषयों के लिए प्रबंधन पाठ्यक्रम और अन्य अतिरिक्त शैक्षिक सुविधाओं के लिए वित्तीय सहायता की	इसका उद्देश्य मौजूदा संस्थानों के सहयोग से संग्रहालय संबंधी विभिन्न विषयों पर शैक्षिक इनपुट सहित प्रशिक्षण प्रदान करना।	––	––	मौजूदा संस्थानों को सुविधाएं बढाने तथा नए विभागों की स्थापना करने और अपेक्षाकृत नए पाठ्यक्रमों की सुरूआत करने के लिए वर्ष के दौरान वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।	इस क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक विद्वानों के प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर देश में संग्रहालय आंदोलन को बढावा देना।	इस योजना को नई योजना के साथ मिलाने पर विचार किया जा रहा है।	12वीं योजना में नई स्कीमें कार्यान्वित की जानी प्रस्तावित हैं।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	स्कीम।							
(छ)	राष्ट्रीय विरासत स्थल आयोग की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता की स्कीम	देश की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा, संरक्षण के लिए प्रभावी और सकिय उपायों को सुनिश्चित करने हेतु एक राष्ट्रीय विरासत स्थल स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।	0.00	0.10	राष्ट्रीय विरासत स्थल आयोग को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी जिसे राष्ट्रीय विरासत स्थल आयोग विधेयक के अंतर्गत स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।	देश की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा, संरक्षण और प्रस्तुतिकरण के लिए प्रभावी और सकिय उपाय सुनिश्चित करना।	वर्ष के दौरान	12वीं योजना में नई स्कीमें कार्यान्वित की जानी प्रस्तावित हैं।
(फ)	संग्रहालय व्यावसायिकों के लिए क्षमता निर्माण तथा प्रशिक्षण योजना	स्ंग्रहालय कार्मिकों के सम्पूर्ण पूल की दक्षता/ योग्यता स्तर को बढ़ाने का उद्देश्य	--	0.10	संग्रहालय स्टाफ के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण हेतु दक्ष संग्रहालय कार्मिकों का समर्पित कैडर तैयार किया जाएगा।	केन्द्र/राज्य संग्रहालयों नियुक्त स्टाफ को अधिक प्रशिक्षण की जरूरत।	नई योजना 12वीं पंचवर्षीय योजना शुरू की जाएगी।	
(झ)	राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण को वित्तीय सहायता की स्कीम	इसका उद्देश्य राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।	--	9.00	एएमएएसआर अधिनियम 2010 के अंतर्गत स्थापित राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।	राष्ट्रीय महत्व के संरक्षित स्मारकों और संरक्षित क्षेत्रों की ग्रेडिंग और वर्गीकरण के लिए सीजी को सिफारिश करना।	वर्ष के दौरान	नई स्कीमों को 12वीं योजना में कार्यान्वित किया जाना प्रस्तावित है।
(ञ)	प्रस्तावित राष्ट्रीय संग्रहालय	इसका उद्देश्य संग्रहालयों के प्रभावी प्रबंधन के लिए एक विनियामक निकाय के नियंत्रण के अधीन विभिन्न संग्रहालयों	--	0.10	एक केन्द्रीय प्राधिकरण अर्थात राष्ट्रीय संग्रहालय प्राधिकरण का गठन करना। तथा यह	संग्रहालय सुधार आंदोलन को बढ़ावा देना।	वर्ष के दौरान	12वीं योजना की नई स्कीमों को कार्यान्वित

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	प्राधिकरण के लिए वित्तीय सहायता की स्कीम	को लाकर देश में संग्रहालय आंदोलन को बढ़ावा देना है।			नियम ए को सहायता अनुदान के माध्यम से वित्तीय सहायता भी प्रदान करना।			किया जाना प्रस्तावित है।
(ट)	केन्द्रीय सांस्कृतिक विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता की स्कीम	इसका उददेश्य देश में सांस्कृतिक जागरूकता आंदोलन को बढावा देना है।		0.10	विभिन्न सांस्कृतिक विषयों से संबंधित एक केन्द्रीय सांस्कृतिक विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जानी है।	इतिहास, पुरातत्व, संरक्षण, साहित्य, नृत्य और नाटक के क्षेत्र में विद्वानों और उभरते विद्यार्थियों को लाभ पहुंचाना।	वर्ष के दौरान	12वीं योजना की नई स्कीमों को कार्यान्वित किया जाना प्रस्तावित है।
(ठ)	मानव विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान परिणामों के प्रलेखन और प्रसार के लिए राज्य सरकारों, संस्थानों और संगठनों को सहायता।	मानव विज्ञान के क्षेत्र में प्रलेखन, अंकीकरण आदि के लिए बाह्य संगठन को वित्तीय सहायता प्रदान करना।	--	–	राज्य सरकार के वैज्ञानिक विभाग, विश्वविद्यालयों के मानव विज्ञान विभाग एनजीओं आदि द्वारा प्रस्तावित परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए भारत का मानव विज्ञान सर्वेक्षण	प्रलेखन और अंकीकरण के माध्यम से मानव विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान	इस योजना को एन.एसआई के साथ मिलाने पर विचार किया जा रहा है।	नई स्कीमें 12वीं योजना में कार्यान्वित की जानी प्रस्तावित है।
28.	**राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता**	भारत से संबंधित भारत तथा विदेश में तैयार की गई सभी पठन और सूचना सामग्री के भंडार के रूप में सेवा प्रदान करना।	24.48	16.50				सामान्यतया योजनेत्तर अनुदान का उपयोग

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
								प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।
(i)	संग्रह निर्माण एवं पुस्तक निर्माण सांख्यिकी	भारत में प्रकाशित पुस्तकों तथा अन्य मुद्रित सामग्रियों को एकत्रित करना। विदेशी पुस्तकों तथा पत्रिकाओं का अधिग्रहण।			पुस्तक वितरण अधिनियम के माध्यम से खरीद विदेशी पुस्तकें – 4500 शीर्षक – 720 40,000 भारतीय प्रकाशनों की खरीद का लक्ष्य है।	पाठकों विद्यार्थियों तथा शोध अध्येताओं की संख्या में वृद्धि तथा ज्ञान का प्रसार।	अप्रैल 2013 से मार्च 2014 तक	पुस्तक एवं समाचार–पत्र वितरण अधिनियम, 1954 के तहत् पुस्तक जमा होना मुख्यतः प्रकाशकों के सहयोग पर निर्भर करता है।
(ii)	पाठकों के लिए सेवा ; रेडियो फ्रिक्वेंसी पहचान यंत्र परियोजना (आरएफआईडी) और पुराने, दुर्लभ प्रकाशनों का डिजिटीकरण	रेट्रो–संरक्षण, डिजिटीकरण तथा प्रयोगशाला, परिरक्षण कम्प्यूटर यूनिटों का आधुनिकीकरण।			बाहरी एजेंसी द्वारा रेडियो फ्रिक्वेंसी यंत्र के माध्यम से पुस्तकालय के लिए पुस्तकों की पहचान करना। यह परियोजना प्राचीन दुर्लभ भंगुर पुस्तकों के परिरक्षण के लिए शुरू की गई। 2.5 मिलियन से अधिक पृष्ठों का स्कैन किया गया और 25 लाख पृष्ठों का डिजिटीकरण किया जाना है।	इससे पुरानी और क्षीण हो रही पाठन पुस्तकों का परिरक्षण होगा तथा पाठक सेवाओं हेतु परिरक्षण और संरक्षण का कार्य तथा पुस्तकालय की कम्प्यूटर यूनिटों का उन्नयन होगा।	अप्रैल 2013 से मार्च 2014 तक	प्रशासनिक अनुमोदन की शर्त के अध्यधीन

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(iii)	प्रशासन का सुदृढ़ीकरण	भाषा भवन की सुरक्षा और संरक्षण सेवाओं की आउटसोर्सिंग			पुस्तकालय के लिए आउटसोर्सिंग गार्ड, सफाई वाला और अन्य को भुगतान।	स्टाफ तथा दर्शकों के लिए कार्य के परिवेश में सुधार करना	वर्ष के दौरान	यह समय पर प्रशासनिक अनुमोदन पर निर्भर करता है।
29.	**दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी**	दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के व्यक्तियों को निःशुल्क पुस्तकालय और सूचना सेवाएँ प्रदान करना और दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्र में सचल पुस्तकालय सेवाएँ प्रदान करना।	**12.96**	**5.00**	सामान्यता प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।			सामान्यता प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए गैर योजनागत अनुदान इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	संग्रह विकास	आम जनता में पढ़ने की आदत डालने के लिए पुस्तकालय बढ़ाने के लिए भाषाओं में पुस्तकें, सीडी/डीवीडी की खरीद।			लगभग 5000 शीर्षक ऑडियो तथा वीडियो कैसेटें सन्दर्भ/पुस्तकों आदि के अलावा डी पी एल प्रणाली हेतु अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू, पंजाबी में (60,000 मल्टीपल प्रतियाँ) खरीदी जानी हैं।	पढ़ने की आदतों को हृदयंगम करने के लिए नए संग्रहों की जोड़ने से दिल्ली में पुस्तकालय आंदोलन को सहारा मिलेगा।	सतत् प्रक्रिया और सभी चार तिमाहियों में खरीद की जाएगी।	
(ii)	संरक्षण और परिरक्षण	सावधानी और मरम्मत द्वारा पठन सामग्रियों का अनुरक्षण।			लगभग 20–25 हजार नई पुस्तकों की व्यापारिक पुस्तक जिल्दसाज के माध्यम से जिल्द चढ़वानी है। किराए की एजेंसी द्वारा पुस्तकों के दुर्लभ संग्रह को डिजिटीकृत किया जाना है।	पुराने और दुर्लभ संग्रहों को भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित करना, इससे निःशुल्क पुस्तकालय सेवा	दूसरी तिमाही से यह कार्य किया जाएगा।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						प्राप्त करने के लिए और लोग पुस्तकालय के सदस्य बनेंगे।		
(iii)	पुस्तकालय का आधुनिकीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी विकास	पाठकों को बेहतर सेवाए प्रदान करना। पाठकों को पब्लिक इंटरनेट पहुँच और अन्य आधुनिकीकरण सेवाएं प्रदान करना। इसके साथ ही पुस्तकालयों के पाठकों की संख्या और आगे बढ़ाना।			लीज लाइन कनेक्शन के माध्यम से डीपीएल, 9 इकाइयों में निःशुल्क इंटरनेट पहुँच सेवा प्रदान करता है। ऐसी लीज लाइनों और ब्राड बैंड कनेक्शनों के लिए वार्षिक शुल्क सेवा प्रदाताओं के लिए प्रदान किया जाना है। मौजूदा डीपीएल वैबसाइट संरचना को अपग्रेड करना और केन्द्रीयकृत निर्गम/ पुस्तकों की वापसी के लिए नेटवर्किंगके साथ सभी कम्प्यूटर युक्त पुस्तकालयों को जोड.ना।	पाठकों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करना। इसे अपेक्षाकृत अधिक प्रयोक्ता अनुकूल तथा परस्पर क्रियात्मक बनाना।		
(iii)	आधुनिकीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी विकास	पुस्तकालय कार्यकलापों का आधुनिकीकरण डी पी एल की सतत् प्रकिया हैं। पुस्तकालय की कम्प्यूटर प्रणाली का संवर्धन करने का प्रस्ताव है, जिसके लिए अन्य भारतीय भाषाओं में डाटाबेस का सृजन करने के लिए और अधिक कम्प्यूटरों, सर्वरो स्कैनरों प्रचालन प्रणाली, आई एस एम इत्यादि की			डीपीएल, पटेल नगर, सरोजिनी नगर और सेंट्रल पुस्तकालय को निःशुल्क इंटरनेट सेवाएं प्रदान कर रहा है। यह सेवा अन्य छः यूनिटों अर्थात् करोलबाग, विनोबापुरी, जनकपुरी, नरेला, आर.के. पुरम और शाहदरा पुस्तकालयों को	पाठकों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करना। इसे अपेक्षाकृत अधिक प्रयोक्ता अनुकूल तथा परस्पर क्रियात्मक बनाना।		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	पब्लिक इंटरनेट के जरिए सदस्यता अभियान	आवश्यकता है। इस सेवा को इस वर्ष 5 शाखाओं में प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है।			भी दी गई है। डीवीडी कार्नर की स्थापना पटेल नगर, सरोजिनी नगर और केंद्रीय पुस्तकालय में भी की गई है।			
(iv)	सेमिनार / व्याख्यान / प्रशिक्षण	कर्मचारियों में नया व्यावसायिक कौशल तथा क्षमता विकसित करना। पाठकों के लिए डीपीएल की विभिन्न गतिविधियों का संवर्धन।			वर्ष के दौरान लगभग 25 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाना है। विभिन्न कार्यशालाएं/ सेमिनार आदि आयोजित की जाएंगी। पुस्तकालय की वार्षिक रिपोर्ट	तेजी से बदलते परिवेश में नई समझ ओर सक्षमता विकसित करके कर्मचारियों की सहायता करना।		
	नई स्कीमें सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम अशोक विहार,पटपटगंज और बवाना में पूंजी परियोजनाएं	पाठकों के घर तक पुस्तकालय सेवा पहुँचाना दूरस्थ क्षेत्रों में पुस्तकालय सेवाएं बढ़ाना ब्रेन पुस्तकालय सेवा शुरू करना और दिल्ली का पूर्वोत्तर क्षेत्रों में भी विस्तार करना। दिल्ली के अन्य भागों में उपयुक्त तरीके से पुस्तकालय सेवाओं को प्रदान करना।			समाज के कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों के लिए परामर्शी सेवाएं,शिक्षण सहायता दक्षता को प्रोत्साहन तथा सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का संचालन। अशोक विहार,पटपटगंज और बवाना में पुस्तकालय भवन का निर्माण।	समाज के कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों के लिए परामर्शी सेवाएं,शिक्षण सहायता दक्षता को प्रोत्साहन तथा सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का संचालन। पुस्तकालय के	वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	पुस्तकालय भवन					अन्तर्गत अधिकाधिक सम्भाव्य जनसंख्या और क्षेत्र को कवर करना। पुस्तकालय तथा सूचना सेवाओ को उपलब्ध कराना।		
30.	**राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान'**	देश में सार्वजनिक पुस्तकालय आंदोलन को प्रोत्साहित करना और समर्थन देना।	**4.31**	**36.00**	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।			
	मैंचिंग स्कीम : क) पुस्तकों के पर्याप्त स्टॉक के निर्माण हेतु सहायता। ख) सचल पुस्तकालयों तथा ग्रामीण पुस्तक जमा केन्द्रों के गठन के प्रति सहायता।	पुस्तकालयों के बुक स्टॉक की पुनःपूर्ति। दूरस्थ कोनों में पुस्तकालय सुविधा प्रदान करना। भंडारण सामग्रियाँ प्रदान करना।			10000 पुस्तकालयों को 3 करोड़ पुस्तकों से सहायता दी जानी है। पुस्तकालय – 10 पुस्तकालय – 3700	रूटीन व परंपरागत उत्तरदायित्वों को निभाने के अलावा पुस्तकालय समाज में हो रहे बदलावों के साथ मिलकर चलने में समर्थ होंगे। यह पुस्तकालय सेवा के नए क्षेत्रों पर	राज्य पुस्तकालय समिति फाउंडेशन की विभिन्न स्कीमों के कार्यान्वयन के संबंध में प्रासंगिक वर्ष के लिए कार्यक्रम तैयार करने के लिए उत्तरदायी है। पहली तिमाही में उन्हें कार्यक्रम	राज्य सरकारें समय पर अंशदान देने में असफल रहीं परिणामस्वरूप प्रस्तावों को अंतिम रूप देने में देर लग सकती है। तदनुसार कार्यान्वयन में भी देर हो

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	ग) पुस्तकों के भंडारण के प्रति सहायता। घ) संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और पुस्तक प्रदर्शनियों के प्रति सहायता। ङ) स्थान में वृद्धि करने के लिए सार्वजनिक पुस्तकालयों को सहायता। च) शैक्षिक प्रयोजन हेतु टी वी–सह–वी सी पी के अधिग्रहण/ पुस्तकालय अनुप्रयोग हेतु कम्प्यूटर।	पुस्तकालय व्यवसायिकों को जागरूकता, उन्मुखता उपलब्ध कराना। पुस्तकालय भवन का निर्माण। श्रव्य–दृश्य सहायता की आपूर्ति तथा स्वचलीकरण हेतु कम्प्यूटरों की आपूर्ति। सार्वजनिक पुस्तकालय की नेटवर्किंग।			पुस्तकालय – 120 संगठन – 60 पुस्तकालय – 110	कार्य करेगा तथा साक्षरता आंदोलन को बल प्रदान करने के अलावा विषम समाज को एक समतापूर्ण, प्रगतिशील, ज्ञान–समाज में तब्दील करने में समर्थ होगा।	को अंतिम रूप देने के लिए रा. पु. समिति की बैठक बुलानी होती है। विज्ञापन की आवश्यकता होती है। प्रथम तिमाही प्रस्ताव आमंत्रित करने वाले पिछले वर्ष के शेष प्रस्तावों का कार्यान्वयन। दूसरी तिमाही विभिन्न स्कीमों के अंतर्गत पुस्तकों तथा पुस्तकालयों का चयन। तृतीय तिमाही विभिन्न प्रस्तावों का कियान्वयन। चौथी तिमाही समीक्षा तथा कार्यान्वयन।	सकती है। तदनंतर बड़ी संख्या में प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। वित्तीय वर्ष के एकदम अन्त में।
	गैर–मैचिंग							

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	स्कीमः							
	क) सार्वजनिक पुस्तकालय सेवाएँ उपलब्ध कराने वाले स्वैच्छिक संगठनों को सहायता	पुस्तकालय सेवा प्रदान करने के प्रति स्वैच्छिक उत्साह को प्रोत्साहित करना।			पुस्तकालय – 120			राज्य सरकारें कभी–कभी आवेदन भेजने में असफल रहती हैंपरिणामस्वरूप प्रस्तावों की अंतिम रूप देने में देर हो सकती है।
	(ख) विभिन्न और संबंधित विभिन्न सामान्य सार्वजनकि पुस्तकालयों के विकास के लिए सहायता।	बच्चों में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना।			पुस्तकालय – 120		राज्य सरकारों से प्राप्त आवेदन पत्रों पर कार्रवाई की जाती है और अनुदान स्वीकृत किया जाता है।	
		हाल की कीमती पुस्तकों से पुस्तक स्टॉक की पुनः पूर्ति।			पुस्तकालय – 382		–पुस्तकें प्राप्त की जाती हैं और उनकी सिस्टम में वर्गीकरण तथा लागत कारक सहित इन्द्राज किया जाता है।	–पुस्तक चयन समिति की बैठक पर निर्भर करता है।
	ग) राज्य केन्द्रीय पुस्तकालयों तथा जिला पुस्तकालयों को पुस्तकों के केन्द्रीय चयन के माध्यम से सहायता।				पुस्तकें – 1.5 करोड़			
	घ) सेमिनार	राष्ट्रीय व्यावसायिक संगठनों को			संगठन – 10		प्राप्त आवेदन	– पुस्तकालय

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	सम्मेलन के प्रति अखिल भारतीय पुस्तकालय एसोसिएशन को सहायता।	प्रोत्साहित करना।					पत्रों पर कार्रवाई की जाती है और अनुदान जारी किया जाता है।	एसोसिएशन से वैध प्रस्ताव प्राप्त होने पर।
	ङ)केन्द्रीय प्रायोजित पुस्तकालयों को सहायता	ग्रमीण जनता में पढने की आदत को प्रोत्साहन देना			पुस्तकालय – 37		सम्बन्धित राज्य प्राधिकरण के साथ विचार विमर्श कर इस योजना को संचालित किया जाएगा।	– राज्य प्राधिकरण द्वारा भूमि के आवंटन में कार्यान्वयन में देरी हो सकती है।
	च) शताब्दी समारोह के लिए सार्वजनिक पुस्तकालयों को सहायता	पुराने पुस्तकालयों को प्रोत्साहित करना।			पुस्तकालय – 10		– प्राप्त आवेदन पत्रों पर कार्रवाई की जाती है और	– पुस्तकालय एसोसिएशन से वैध प्रस्ताव
	छ) सांख्यिकी के संग्रहण तथा संकलन के सम्बन्ध में सहायता	बाल प्रयोक्ताओं को आकर्षित करना।			पुस्तकालय – 1		अनुदान जारी किया जाता है।	प्राप्त होने पर।
	ज) बाल कॉर्नर के विकास के सम्बन्ध में				पुस्तकालय – 50		सार्वजनिक पुस्तकालयों की आवश्यकता को	– चूंकि ये कार्यक्रम अनुभव की जा रही

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	सहायता झ)` विकलांगों के कॉर्नर के विकास के सम्बन्ध में सहायता **अन्य संवर्धनात्मक गतिविधियां**	विकलांगों को पुस्तकालय सुविधाएं प्रदान करना।			पुस्तकालय – 20 सेमिनार कार्यशाला –2		दृष्टि में रखते हुए अन्य संवर्धनात्मक गतिविधियों के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जाता है।	आवश्यकता के आधार पर कार्यान्वित किए जा रहे हैं,इसलिए जोखिम कारक स्वतः कम हो जाता है।
31.	**अन्य पुस्तकालय**							
(क)	**केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय, कोलकाता'**	भारतीय राष्ट्रीय सूची ग्रंथ (रोमन लिपि तथा संबंधित भाषा लिपियों में) जो भारतीय संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी के वर्तमान भारतीय प्रकाशनों की ग्रंथ सूची है, का (क) संकलन तथा प्रकाशन और (ख) इंडेक्स इंडियाना का संकलन और प्रकाशन।	**2.40**	**0.63**				सामान्यतया योजनेतर प्रशासनिक तथा स्थापना खर्चों के लिए किया जाता है।

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	भारतीय राष्ट्रीय सूची ग्रंथ तथा इंडेक्स इंडियाना क. भारतीय राष्ट्रीय ग्रंथ सूची वार्षिक खंड 2011 का प्रकाश ख. भारतीय राष्ट्रीय ग्रन्थ सूची वार्षिक खण्ड 2010 और 2011 का संकलन ग. आईएनबी का मासिक अंक जनवरी –दिसम्बर 2013 इंडेक्स इंडिआना 2004–2009	1. आई एन बी वार्षिक खंड 2010 का प्रकाशन। 2. जुलाई 2010 और जनवरी से अक्तूबर 2011 आई एन बी का मासिक अंश 3. इंडेक्स इंडियाना का संकलन तथा प्रकाशन।			 क. आईएनबी 2011 का वार्षिक अंक। ख. 2011 वार्षिक खण्ड ग. 2013 आईएनबी का मासिक अंक इडेक्स इंडियाना 2004–10 का मुद्रण तथा प्रकाशन संचयी खण्ड	250 प्रतियाँ 250 प्रतियां 12 अंक	6 महीने। 6 महीने 12 महीने 6 महीने	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(क)	**अन्य कार्यकलाप** ग्रंथ सूची के संकलन में पुस्तकालय विज्ञान विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षुता	1– ग्रंथ सूची के संकलन में पुस्तकालय विज्ञान विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षुतावृत्ति।			क. 5 विद्यार्थियों के 8 बैच प्रशिक्षित किए जाने हैं।			
(ख)	क्षेत्रीय भाषा में ग्रंथ सूची के संकलन में पूर्वोत्तर क्षेत्र के व्यावसायिकों के लिए प्रशिक्षण।	2– पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास कार्यक्रम।			ख. प्रशिक्षण–सह–कार्यशाला/ सेमिनार			
(ग)	भाषा ग्रंथ सूचीय, बंगाली, तमिल, हिन्दी, मराठी, मलियालम, गुजराती, उर्दू।	3– भाषा ग्रंथसूचियां, बंगाली, तमिल, हिन्दी, मलियालम, उर्दू।			ग. उर्दू गंथसूची 2012,मराठी–2011–12, तमिल 2011–12, असमिया 2010–11,बंगाली 2010–12			
(घ)					घ. आईएनएम डाटाबेस को नेट पर डालना।			
(ड.)	कंप्यूटर नेटवर्क							

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	का उन्नयन पूंजीगत व्यय							
(ख)	**खुदा बख़्श ओरियंटल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना**	यह पुस्तकालय महान पुस्तक प्रेमी तथा विद्वान मौलवी मुहम्मद बख़्श के निजी संग्रह से विकसित किया गया है। इसमें 20,000 से अधिक पांडुलिपियाँ तथा कुछ दुर्लभ मुद्रित पुस्तकें हैं।	**2.67**	**1.75**				सामान्यतया योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता हैजिसमें वेतन,बोनस, एलटीसी,समयोपरि भत्ता,चिकित्सा प्रतिपूर्ति आदि शामिल है।
(i)	अधिग्रहण : पुस्तकों, पांडुलिपियों, माइक्रोफिल्मों, वीडियो तथा ऑडियो कैसेटों की खरीद।	पाठकों के उपयोग हेतु पुस्तकों, पांडुलिपियों, माइक्रोफिल्मों, ऑडियो तथा वीडियो सी डी को प्राप्त करना।			5,000 मुद्रित, 50 पांडुलिपियों तथा 120 पत्रिकाओं की खरीद।	नई पुस्तकों तथा पाडुलिपियों के शामिल किए जाने से पाठक तथा अध्येता लाभान्वित होंगे।		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(ii)	पाण्डुलिपियों के विवरणात्मक सूची को तैयार करना।	बाहरी पाठकों को छिपे खजाने से परिचित करना/ इन पांडुलिपियों की वर्णनात्मक सूचियों का संकलन और तत्पश्चयात मुद्रण/ वेब पर डालना। में छिपे खजाने से परिचित कराना।			300 पाण्डुलिपियों की वर्णनात्मक सूची का संकलन।	ऐसी पाडुलिपियों, जिन्हें अभी तक कैटलाग नहीं किया गया है, के संबंध में सूचना पुस्तक रूप में उपलब्ध होगी।		विद्वान उजरती दर के आधार पर वर्षनात्मक सूची को संकलित करने में लगे हुए हैं।
(iii)	अनुसंधान तथा प्रकाशनः दुर्लभ सामग्री का प्रकाशन,पुस्तक सूची का मुद्रण,अनुसंधान सेमिनार,व्याख्यान तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम,खुदा बख्श अनुसंधान फैलोशिप तथा तिमाही जर्नल का प्रकाशन।	(पपप) पांडुलिपियों के महत्वपूर्ण संस्करण निकालना, दुर्लभ महत्व की पुस्तकों का प्रकाशन तथा विशिष्ट अध्येताओं के व्याख्यान। बाहरी पाठकों को छिपे खजाने से परिचित करना/ इन पांडुलिपियों की वर्णनात्मक सूचियों का संकलन,सेमिनारों का आयोजन,प्रतिष्ठित व्यक्तियों के व्याख्यान।ख्यातिप्राप्त स्कॉलरों को छात्रवृत्तियां। नेमी अनुरक्षण हेतु परिरक्षण प्रयोगशाला जिसमें उपचारात्मक तथा निवारक परिरक्षण भी शामिल हैं। यह पुस्तकों को उपयुक्त हालत में रखने के उददेश्य से है।			20 पुस्तकों का प्रकाशन, 3 का अंग्रेजी अनुवाद, 1 का हिंदी अनुवाद और 2 दुर्लभ पाण्डुलिपियों की अनुकृति। 20 पुस्तकों का प्रकाशन। सूची पत्र के दो खंडों तथा हैंड लिस्ट का 1 खंड का मुद्रण, राष्ट्रीय सेमिनार – 2, वार्षिक व्याख्यान – 1, विस्तार व्याख्यान – 4 लोकप्रिय व्याख्यान – 12 का आयोजन सांस्कृतिक कार्यक्रम – अनेक वरिष्ठ शिक्षावृत्ति – 3 कनिष्ठ शिक्षावृत्ति – 7 अध्येताओं को शोध परियोजनाएं सौपना। 1 टैगोर प्रकाशन पुरस्कृत, राष्ट्रीय तिमाही पत्रिकाओं के 4 अंकों	ऐसी पाण्डुलिपियों के सम्बन्ध में सूचना जो अभी केटलॉग नहीं की गयी है,अनुसंधान स्कॉलरों हेतु पुस्तक के रूप में उपलब्ध की जाएगी।	वर्ष भर	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					का प्रकाशन।			
(iv)	संरक्षण और परिरक्षणः परिरक्षण पुस्तकालय और पुस्तकों के परिरक्षण का विकास तथा रेप्रोग्राफिक सुविधाएं। आधुनिकीकरण और स्वचालन कार्यकलापों तथा प्रदर्शनियों के संगठन	निरोगकारी के साथ–साथ निवारक और परिरक्षण। पुस्तकों को अच्छी हालत में रखना।			पुस्तकों और पांडुलिपियों का परिरक्षण/ मुद्रित पुस्तकों और पांडुलिपियों को अनुबंध आधार पर जिल्दसाजी कराई गयी। पुस्तकालय प्रशासनिक खण्डों के प्रस्तावित अतिरिक्त 2 तलों के लिए आन्तरिक फीटिंग,नए भवन हेतु फर्नीचर की खरीद,नए भवन हेतु फर्नीचर और फिक्चर।पाण्डुलिपियों के डिस्टिजेशन का कार्य लगभग पूरा हो गया है और इसका शेष कार्य 2013–14 के दौरान हाथ में लिया जाएगा।	साहित्य को अच्छी दशा में रखना। पाण्डुलिपि खजाने को अधिक समय तक बनाए रखने हेतु इसका संरक्षण किया जाएगा।	सम्पूर्ण वर्ष	
(ग)	**तंजावुर महाराजा सरफोजी सरस्वती महल पुस्तकालय, तंजावुर**	संस्कृति व ज्ञान का यह एक अमूल्य भंडारण है। 16वीं शती में इसे रायल पैलेस पुस्तकालय के रूप में अभिकल्पित किया गया था।	–	**0.50**				
(i)	संस्कृत, तमिल, मराठी इत्यादि में पांडुलिपियों से पुस्तकों का	पांडुलिपियों को अनूदित करना, उनका लिप्यांकन करना तथा पुस्तकों को प्रकाशित करना।			वर्ष के दौरान 10 नई पुस्तकों तथा 5 पुनर्मुद्रणों पर कार्य किया जाएगा।	विदेशों तथा भारत के विभिन्न भागों से अध्येत्ताओं के	वर्ष भर।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	प्रकाशन					लाभार्थ।		
(ii)	संरक्षण	ताड़पत्रों पर सिट्रोनेला तेल लेपित करना तथा कागज की पांडुलिपियों/मूल्यवान दुर्लभ पुस्तकों इत्यादि का परिरक्षण करना।			पांडुलिपियों के 120000 पत्रों को साफ किया जाना है, 1500 पुस्तकों की दशा सुधारी जानी है तथा उन्हें परिरक्षित किया जाना है।	भावी पीढ़ियों के लिए पुरानी, पांडुलिपियों को परिरक्षित करना।	वर्ष भर।	
(iii)	रिप्रोग्राफी	परिरक्षण हेतु पांडुलिपियों तथा दुर्लभ पुस्तकों का माइक्रोफिल्म।			तमिल की 1 पांडुलिपि का माइक्रोफिल्म किया जाना है। नई पुस्तकों के मुद्रण हेतु 18 कम्प्यूटरों का इष्टतम उपयोग किया जाए।	इन्हें भावी पीढ़ी हेतु परिरक्षित करना।	वर्ष भर।	
(घ)	**केन्द्रीय तिब्बती रचनाओं एवं अभिलेखागार, धर्मशाला, हि. प्र.के लिए पुस्तकालय**	बौद्ध अध्ययन,सांस्कृतिक अनुसंधान,प्रकाशन,शैक्षणिक कार्यक्रम आदि का परिरक्षण एवं प्रोत्साहन।		**0.58**	शोध, शिक्षण प्रकाशन, संवर्धन, परिरक्षण, विकास आदि। पुस्तकालय अभिलेखागार,संग्रहालयों आदि का आधुनिकीकरण/उन्नयन। विद्यार्थी छात्रावासों का निर्माण।	बौद्ध विचारों और तिब्बती संस्कृति अनुसंधान आदि का परिरक्षण और प्रोत्साहन।	वर्ष भर।	योजनेतर क्षेत्र के अन्तर्गत प्राप्त निधियों का उपयोग मुख्यतः स्थापना व्यय के लिए किया जाता है।
(ङ)	**रामपुर रज़ा पुस्तकालय, रामपुर**	पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य भारत–इस्लामी पांडुलिपियों, लघुचित्रों, पुस्तकों तथा पुस्तकालय में अन्य कला तथा विज्ञान वस्तुओं का अधिग्रहण एवं संरक्षण और एक संदर्भ एवं अनुसंधान के केन्द्र के रूप में सेवा प्रदान करना तथा साथ ही अंतर्राष्ट्रीय महत्व की	**1.37**	**3.50**				सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चों के लिए किया जाता

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		कलाओं के केन्द्र के रूप में कार्य करना।						है।
(i)	प्रकाशन एवं मुद्रण	अरबी, फारसी, संस्कृत पांडुलिपियों के पाठों की पुस्तकों का प्रकाशन।			पुस्तकों,जर्नल्स,कलैंडर,तकनीकी रिपोर्टों और पेन्टिंग्स का प्रकाशन।	शिक्षाविदों तथा अध्येताओं के लिए इस साहित्य को परिरक्षित करना।	वर्ष भर।	
(ii)	दो विरासत भवनों का परिरक्षण एवं पुनरूद्धार।	रजा पुस्तकालय के दो ऐतिहासिक महल नामतः हमीद मंजित तथा रंग महल पुरातत्वीय महत्व के स्मारक हैं। इन्हें तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है जिसे रामपुर रजा पुस्तकालय बोर्ड की 37वीं बैठक में अनुमोदित किया गया था।			रजा लाइब्रेरी और ख्याबन–आई–रजा नामक दो भवन पुस्तकालयों के दुर्लभ संग्रहण को दीमक से बचाएंगे।यह उपचार बहुत जरूरी है।इन भवनों तथा इसके परिसरों के लिए दीमक–रोधी,रासायनिक उपचार के कार्य को हाथ में लिया जाएगा।	अंतर्राष्ट्रीय महत्व के महलों को परिरक्षित एवं संरक्षित करना।	यह एक जारी रहने वाली परियोजना है।	
(iii)	पुस्तकों, पांडुलिपियों का अधिग्रहण, छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार, सेमिनार/ कार्यशालाएँ/ प्रदर्शनियाँ और संग्रहों का	शोध छात्रों की मांगों को पूर्ण करने के लिए दुर्लभ पांडुलिपियों, पुस्तकों और कलावस्तुओं का अधिग्रहण। अध्येताओं, शिक्षाविदों के मेलमिलाप हेतु शैक्षिक तथा सांस्कृतिक कार्यकलाप आयोजित करना। पुस्तकालय के बहुमूल्य संग्रह का संरक्षण करना।			पुस्तकों का अधिग्रहण एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है। 2013–14 के दौरान पुस्तकों,दुर्लभ एमएसएस प्राप्त किए जाएंगे।8 छात्रवृत्तियां,2 पुरस्कार,लगभग 45 अनुवादक को दुर्लभ एमएसएस का अनुवाद कार्य सौंपा जाएगा, 2 सेमिनार,2 कार्यशालाएं,5		वर्ष भर।	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	संरक्षण। कंप्यूटरीकरण और आईटी का प्रयोग, सीआईएसएफ प्रशिक्षण कार्यक्रम और दरबार हाल संग्रहालय का आधुनिकीकरण।				प्रदर्शनियां और 4 व्याख्यान मुशायरा और कवि सम्मेलन।एमएसएस का प्रलेखीकरण, पेटिंग्स, कला वस्तुओं आदि का प्रलेखीकरण। दुर्लभ एमएसएस के लगभग 10,000 पैट्स,पुस्तकों,पेटिंग्स आदि को संरक्षित रखा जाएगा। सुलेखन लगभग 4लाख पृष्ठों के एमएसएस नमूनों को डिजिटलाइज किया जाएगा। 26 गॉर्डो को नियोजित किया जाएगा। मशीनरी उपस्कर,फर्नीचर तथा फिक्चर,बगीचों तथा लॉन का रखरखाव,प्रचार तथा विज्ञापन,सीआईएसएपफ का नियोजन,आईटी आवेदन पत्र का कार्य भी हाथ में लिया जाएगा।दरबाल हॉल म्यूजियम का आधुनिकीकरण जैसाकि इसकी बोर्ड की 37वीं बैठक में अनुमोदित था।			

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(iv)	सौंध भवन	नई पुस्तकों को उचित तरीके से रखना तथा भवन की रक्षा, पुस्तकालय के लिए स्टोरेज हेतु अतिरिक्त स्थान की जरूरत होती और पुस्तकालय हेतु सौंध भवन की आवश्यकता है।			निर्माण कार्य 3/4 चरणों में पूरा कर लिया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2013–14 में पहला चरण पूरा कर लिया जाएगा।	नई पुस्तकों,पाण्डु लिपियों को रखने के लिए अतिरिक्त स्थान।	यह एक निरन्तर चलने वाली परियोजना है।	
(च)	**राष्ट्रीय पांडुलिपि परिरक्षण मिशन**	मिशन का उद्देश्य पूरे देश की बहुमूल्य पांडुलिपियों के कैटेलॉग बनाना, उनका संरक्षण करना और संग्रह करना तथा पांडुलिपि संसाधन केन्द्रों, पांडुलिपि संरक्षण केन्द्रों को सुदृढ़ बनाना और गौरवपूर्ण पांडुलिपियों के कैटेलॉगों का डिजिटीकरण करना है।		9.00				
(i)	राष्ट्रीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय एवं माइक्रोफिल्मिमंग।	राष्ट्रीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय बनाना और माइक्रोफिल्मिंग में डिजिटीकृत आंकड़े बनाना।			दो वर्षों में राष्ट्रीय पाण्डुलिपि पुस्तकलाय बनाना। माइक्रोफिल्मिंग में डिजिटीकृत आंकड़े बनाना।	डिजिटीकृत पाण्डुलिपि को स्थायी आधार पर सुरक्षित रखना। दीर्घ अवधि के लिए माइक्रोफिल्मिंग में डिजिटीकृत आंकडों के सुरक्षित संरक्षण हेतु।	वर्ष भर	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(ii)	एम आर सी के माध्यम से नेटवर्किंग	एम पी सी में उपलब्ध पांडुलिपियों का प्रलेखन करना।			56 मौजूदा एमआरसी हैं अनुदान 4.5 लाख जमा 4.5 लाख जमा 4.5 जमा 6 लाख की दर से जारी किया जाता है जो वास्तविक निष्पादन के आधार पर सीमित किया जाता है।	सभी एमआरसी को वार्षिक अनुदान जारी किया जाता है। 3 लाख और पाण्डुलिपियों को प्रेलेखित करने की योजना है।	वर्ष भर	
(iii) पांडुलिपि संरक्षण केन्द्रों	(एम सी सी)के माध्यम से नेटवर्किंग	संरक्षण और एवं संबद्ध क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने का लक्ष्य एवं मांग के आधार पर भी संरक्षण मुहैया कराना।			50 मौजूदा एमसीसी हैं। अनुदान 2.5 लाख जमा 2.5 लाख की दर से जारी किया जाता है जो वास्तविक निष्पादन के अनुसार सीमित होता है।	सभी एमसीसी को अनुदान जारी किया जाता है। निवारक संरक्षण का 15 लाख फोलियो तथा 3 लाख और निवारक संरक्षण के फोलियो की योजना है।	वर्ष भर	
(iv)	संरक्षण कार्यशाला और प्रशिक्षण	मांग के आधार पर निवारक दुर्लभ सहायता, क्योरिटिव कार्यशाला आदि			निवारक, दर्लभ सहायता, क्योरेटिव कार्यशाला चलाना और मांग के आधार पर संरक्षण प्रदान करना	750 उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु क्षेत्रवार 20 कार्यशाला	वर्ष भर	
(v)	अनुसंधान और	मुद्रित पुस्तकों का संपादन और प्रकाशन			शोध और प्रकाशन। तत्वबोध	दुर्लभ	वर्ष भर	प्राचीन तथा

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	प्रकाशन एवं सार्वजनिक लोगों तक पहुंच	करना। तत्वबोध व्याख्यानों का आयोजन करना और सेमिनारों / प्रदर्शनियों का आयोजन।			पर व्याख्यान श्रृंखलाओं का आयोजन करना। तत्वबोध व्याख्यानों का संचालन और सेमिनारों/ प्रदर्शनियों का आयोजन।	पाण्डुलिपियों का सम्पादन और प्रकाशन, समरक्षिका और तत्वबोध के साथ संख्या 50. वैदिक परम्पराओं जैसे अनछुए विषयों पर 24 व्याख्यानों का आयोजन। प्राचीन तथा मध्यकालीन भारत में लेखन परम्परा,विज्ञान और प्रौद्योगिकी आदि।		मध्यकालीन भारत में वैदिक परम्परा,लेखन परम्परा,विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान देना।
(vi)	डिजिटीकरण	महत्वपूर्ण पांडुलिपियों का डिजिटीकरण			महत्वपूर्ण पांडुलिपियों का डिजिटीकरण	चयनित पक्षों द्वारा डिजिटीकरण का कार्य जारी रखना। 1 करोड़ इमेजों का डिजिटीकरण।	वर्ष भर	
(vii)	राष्ट्रीय सर्वेक्षण और सर्वेक्षणोत्तर	पांडुलिपियों को पहचानने के लिए राष्ट्रीय सर्वेक्षण करना।			सर्वेक्षण में एमएसएस की उपलब्धता का पता करना और पता चले एमएसएस का प्रलेखन करना।	25 लाख और एमएसएस को पहचानने के लिए 10 राज्यों के	वर्ष भर	

परिणाम बजट 2013-14

अध्याय -II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013-14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
						शेष जिलों को कवर करना और 1.5 लाख एमएसएस पहचानने के लिए 5 राज्यों को शामिल करना।		
(viii)	पांडुलिपि विज्ञान और प्राचीन शिला लेख अध्ययन कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	विश्वविद्यालयों के माध्यम से पांडुलिपि विज्ञान को प्रोत्साहित करना।			ध्ध्ध्ध्ध्ध्ध् स्तर की कार्यशाला और प्रशिक्षण आयोजित करना।	450 शोध छात्रों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु क्षेत्रवार 15 कार्यशाला चलाना और 12 एमएसएस का संपादन। एमआरसी / एमसीसी चल रहे हैं।	वर्ष भर	
(छ)	**राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन तथा उसके बाद एक आयोग की स्थापना।**	विशेष रूप से सार्वजनिक पुस्तकालयों की समस्याओं पर ध्यान देना तथा एक निर्धारित समय-सीमा में सार्वजनिक पुस्तकालयों के बुनियादी ढॉंचे तथा प्रौद्योगिकीय स्थिति का उन्नयन।		50.00	इस मिशन के अन्तर्गत, आरआरआरएलएफ आधुनिकीकरण तथा नेटवर्किंग हेतु 100 संगठनों को सहायता प्रदान करेगा,मॉडल लाइब्रेरी के निर्माण हेतु 62 संगठन,आधारभूत संरचना के उन्नयन हेतु 105 संगठन। 1	राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन की स्कीम को इस वर्ष शुरु किया जाएगा। इससे पब्लिक पुस्तकालयों की अवसंचरना का		21वीं सदी के भारत को नॉलेजसोसाइटी में परिवर्तित करने के चुनौतीपूर्ण अधिदेश को

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					संगठन राष्ट्रीय वर्चुअल पुस्तकालय तथा विषयवस्तु सृजन हेतु।45000 संगठन पुस्तकालय संगणना हेतु,10 संगठन मॉडल समुदाय सूचना केन्द्रों और 10 संगठन सलाह तथा आउटरीच कार्यक्रम हेतु।	उन्नयन होगा।		देखते हुए राष्ट्रीय मिशन पुस्तकालय को 12वीं योजना के दौरान कार्यान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।
(ज)	**एशियाटिक सोसायटी मुम्बई**	एशिया के संबंध में सामान्य तौर पर और भारत के संबंध में विशेष तौर पर दर्शन, भाषा, कला और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में एक प्रमुख शोध संस्थान। इसकी भूमिका को बनाए रखने और उसे बढ़ाने के लिए दुर्लभ पाण्डुलिपियों और कला वस्तुओं का एक पुस्तकालय और विरासत संग्रहालय या सोसायटी बनाए रखती है।	--	1.25	600 मुद्रित पुस्तकों की खरीद, प्रतिदिन 800 पृष्ठों की माइक्रोफिल्म बनाना, दुर्लभ पुस्तकों का डिज्टीजेशन – 750 पृष्ठ प्रतिदिन, 1450 पुस्तकों का रक्षण/ रसायन उपचार जिन्हें धुआं दिया जाएगा,60000 पृष्ठों की जरदोजी की जाएगी और 2000 नक्शों को धुआं दिया जाएगा। अल्पकालिक अनुसंधान अध्ययन,मिमिओग्राफ़ड अथवा मुद्रित ओकोसैंड प्रकाशन। साहित्यिक उत्सवों का आयोजन, 19वीं शताब्दी के दुर्लभ समाचार पत्रों का परिरक्षण। कैटेलॉग को तैयार करना तथा उसका मुद्रण।	भावी पीढ़ी के उपयोग के लिए और पाठक तथा शोध छात्रों के लिए परिरक्षण। पुस्तकालय सदस्यों, विद्वानों आगन्तुकों, पाठकों को बेहतर सुविधा। यह सतत प्रक्रिया है। छोटे–मोटे अनुसंधान अध्ययन, आकस्मिक प्रकाशनों के रूप में मीमियोग्राफ या मुद्रित।		

परिणाम बजट 2013-14

अध्याय -II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013-14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
(झ)	**आडियो/विजुअल के लिए राष्ट्रीय अभिलेखागार**	यह अमूर्त सांस्कृतिक विरासत पर केन्द्रीय डाटा बैंक के रूप में एकीकृत ज्ञान एवं वास्तविक प्रलेखन सामग्री के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।	- -		इस स्कीम के विवरण के लिए प्रयास किया गया और यह संग्रह एसएनए, आईजीएनसीए अथवा किसी दूसरे संस्थान में रखा जाएगा।	एकीकृत ज्ञान, सूचना के लिए जागरुकता पैदा करना तथा वास्तविक प्रलेखन सामग्री प्रणालीगत के रूप में प्रसार के लिए संयोजित की जाएगी।	पूरे वर्ष भर इस योजना को आईजीएनसीए के अन्तर्गत मिलाया गया है।	इस योजना को आईजीएनसीए के साथ मिलाने पर विचार किया जा रहा है।
(ञ)	**राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय, मुम्बई**	प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 तथा पुस्तक वितरण अधिनियम, 1954 के प्रावधानों के तहत पुस्तकों तथा पत्रिकाओं का अधिग्रहण तथा उन्हें भावी पीढ़ी के लिए परिरक्षित करना।	0.01	0.25				
	राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय का आधुनिकीकरण/ कम्प्यूटरीकरण/ डिजिटीकरण/ उन्नयन।	दुर्लभ पुस्तकों तथा पांडुलिपियों का डिजिटीकरण : डी बी ए पुस्तकों का कम्प्यूटरीकरण / रूपांतरण			डी. बी. ए. सेक्शन में प्राप्त 20000 पुस्तकों, 500 पत्रिकाओं, 300 समाचार पत्रों को तकनीकी रूप से प्रोसेस किया जाना है तथा 2 लाख पाठ्कों को मुहैया कराया जाना है।	पठन सामग्री को जरूरतमंद पाठ्कों, अनुसंधान-कर्ताओं तथा अध्येयताओं को उपलब्ध कराना।	सतत् / नियमित प्रक्रिया।	रिट्रो-कन्वर्सन,डिज्टजेशन,आईटी अनुपयोग को भी पुस्तकालय के लिए प्राथमिकतातौर पर रखा जाता है।
(ट)	**कोन्नेमारा पब्लिक लाइब्रेरी, चेन्नई**	यह यथा संशोधित पुस्तकालय, पुस्तक एवं समाचार-पत्र (सार्वजनिक पुस्तकालय) वितरण अधिनियम, 1954 के प्रावधानों	0.35	0.65	पुस्तकालय का उन्नयन तथा सही समय पर सही प्रयोगता को सही सूचना प्रदान करना।	पुस्तक वितरण अधिनियम के तहत् प्राप्त पठन	वर्ष भर	सामान्ययया योजनेतर अनुदान का

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		के तहत् भारत में प्रकाशित सभी सामग्रियों को निःशुल्क प्राप्त करने वाले चार सार्वजनिक भंडारणों में से एक है। यह यूनेस्को सूचना केन्द्र के रूप में कार्य करता है और यूनेस्को के सभी प्रकाशनों को प्राप्त करता है। मंचकला और थियेटर के माध्यम से संस्कृति और विरासत के सम्वर्धन से संबंधित कार्यकलाप शुरू करना।			पठन सामग्री की खरीदे गए मुद्रित प्रलेखों का डिजिटीकरण। सदी प्राचीन पुस्तकालय भवन का रखरखाव और नया जोड.ा गया पुस्तकालय भवन	सामग्री को जरूरतमंद पाठकों, अनुसंधान–कर्ताओं, अध्येताओं को उपलब्ध कराना। यह सिर्फ चेन्नै के निवासियों के लिए नहीं बल्कि पूरे देश के लोगों के लिए है।		उपयोग प्रशासनिक तथा स्थापना सम्बन्धी व्यय के लिए किया जाता है और जिसमें वेतन,बोनस,एलटीसी,समयोपरि भत्ता,चिकित्सा प्रतिपूर्ति आदि शामिल है।
(ठ)	**प्रकाशन योजना**	मंच कलाओं और थियेटरों के माध्यम से सांस्कृतिक तथा विरासत के प्रोत्साहन से सम्बन्धित गतिविधियों को हाथ में लेना।	–	0.50				
	1. पुस्तक मेलों, पुस्तक प्रदर्शनियों और अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेलों/प्रकाशन कार्यक्रमों में प्रतिभागियों के लिए वित्तीय सहायता	क्षेत्रीय जन राष्ट्रीय पुस्तक मेलों, दुर्लभ प्रकाशनों की प्रदर्शनियों / पांडुलिपियों / सरकारी दस्तावेजों और अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भागीदारी आयोजित करना।			कालम सं. 3 में उल्लिखित उद्देश्य के लिए संस्थानों, सोसायटियों आदि सहित गैर–लाभकारी संगठनों को वित्तीय सहायता दी जायेगी।	गुणवत्ता वाली पुस्तकों के संवर्धन द्वारा भारतीय संस्कृति को लोकप्रिय बनाना और ऐसा वातावरण सृजित करना जिसमें लोग बड़ी संख्या पुस्तकें खरीदें और पढ़े।	पूरे वर्ष के दौरान	
	2. क. संस्कृति संबंधी	इसका अभिप्राय संस्कृति विरासत और संस्कृति से संबंधित महत्वपूर्ण कार्य है।			संस्कृति से संबंधित शोध कार्यों विरासत और संस्कृति से	भारतीय देशों और संस्कृति के बारे में	वर्ष भर के दौरान	इस योजना को प्रकाशन योजना

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	शोध (ख) महत्वपूर्ण पांडुलिपि (ग) इतिहास का रिकार्ड (घ) संस्कृति संबंधी पुस्तक के सह–प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता	ऐतिहासिक महत्व के रिकार्ड पुस्तकों के सह–प्रकाशन आदि।			संबंधित पांडुलिपियों के प्रकाशन के लिए सोसायटी के न्यासों, विश्वविद्यालयों सहित गैर–लाभकारी संगठनों को वित्तीय सहायता दी जायेगी।	जागरूकता का प्रसार करना।		के साथ मिलाने हेतु विचार किया जा रहा है।
	3.पुराने और दुर्लभ प्रलेख/ पाडुलिपि के संरक्षण और परिरक्षण के लिए पुस्तकालय/ केन्द्रीय संस्थान को वित्तीय सहायता। ग.इतिहास का रिकार्ड रखना घ.संस्कृति से सम्बन्धित पुस्तक का सह	पांडुलिपि सहित पुराने और दुर्लभ कागजात का उचित रख–रखाव और परिरक्षण तकनीकी का इस्तेमाल।			पांडुलिपि सहित पुराने और दुर्लभ कागजात का उचित रख–रखाव और परिरक्षण के लिए पुस्तकालयों / सांस्कृतिक संस्थानों को वित्तीय सहायता दी जाएगी।	पुस्तकालयों, न्यास/गैर सरकारी संगठनों के अधिकार में पांडुलिपि सहित पुराने और दुर्लभ कागजात के उचित अनुरंक्षण के लिए	सम्पूर्ण वर्ष के दौरान	

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	प्रकाशन							
32.	**पूर्वोत्तर क्षेत्र और सिक्किम की परियोजना/स्कीमों के लिए प्रावधान।**			---				
32.1	**कला और संस्कृति के संवर्धन के लिए परियोजना/स्कीम**	पूर्वोत्तर क्षेत्र की विशिष्ट कला और संस्कृति का संवर्धन, प्रसार और संरक्षण।		**56.00**	पूर्वोत्तर राज्यों के प्रोन्नयन में कला और संस्कृति के क्षेत्र में विविध कार्यक्रम स्कीमें आयोजित करना तथा विभागीय स्कीमों के माध्यम से गैर सरकारी संगठनों/व्यक्तियों को लाभ पहुँचाना।	पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारतीय कला और संस्कृति और परंपरा की जागरूकता में वृद्धि करना तथा उत्तर क्षेत्र की विशिष्ट कला एवं संस्कृति को भी देश के अन्य भागों में प्रोत्साहित करना।	पूरे वर्ष के दौरान	
32.2	**पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय**	पुरातत्व, अभिलेखागारों और संग्रहालयों के क्षेत्र में सांस्कृतिक कार्यकलापों का संवर्धन।		**67.20**	पूर्वोत्तर क्षेत्र में संग्रहालयों का विकास करना और अभिलेखीय कार्यकलापों के क्षेत्र में पूर्वोत्तर क्षेत्र में एन. जी. ओ. को वित्तीय सहायता प्रदान करना। उत्तर–पूर्व क्षेत्र में स्थित	पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारत की प्राचीन संस्कृति के लिए जागरूकता का निर्माण करना।	पूरे वर्ष के दौरान	पूर्वोत्तर में क्षेत्र अनेक प्राचीन स्मारकों/ स्थलों का संरक्षण और सुरक्षा

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					विभिन्न प्राचीन स्मारकों/स्थलों का संरक्षण व परिरक्षण।			
32.3	**पुस्तकालय**	पूर्वोत्तर क्षेत्र में पुस्तकालय कार्यकलापों का संवर्धन		4.35	पूर्वोत्तर क्षेत्र में पुस्तकालय कार्यकलापों का विकास करना।	पुस्तकालय आंदोलन के माध्यम से पढ़ने की आदतों में वृद्धि करना।	पूरे वर्ष के दौरान	
32.4	**बौद्ध तथा तिब्बती अध्ययन**	पूर्वोत्तर क्षेत्र में बौद्ध/ तिब्बती संस्कृति को प्रोत्साहन देना।	--	14.70	इस क्षे; में पूर्वोत्तर क्षेत्र में कई कार्यक्रम हाथ में लिए जाएंगे।	बौद्ध/तिब्बती संस्कृति का परिरक्षण और प्रसार।		
32.5	**स्मारक,शताब्दी और अन्य**	गांधीवाद/नेहरू तथा मौलाना आजाद के विचारों को पूर्वोत्तर में फैलाने हेतु प्रोत्साहन।	–	1.25	जीएसडीएस,एनएमएमएल और एमएकेएआईएएस पूर्वोत्तर क्षेत्र में सांस्कृतिक गतिविधियों को हाथ में लेगा।	गांधीवाद/नेहरू तथा मौलाना आजाद के विचारों को पूर्वोत्तर में फैलाने हेतु प्रोत्साहन।		
	योग (पूर्वोत्तर क्षेत्र हेतु व्यवस्था)		--	143.50				
	जोड (राजस्व)							
33.	**संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों की**							

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
	भवन परियोजनाएँ							
1.	**भारत का राष्ट्रीय अभिलेखागार**		–	6.00				
	(i)	राष्ट्रीय अभिलेखागार भवन सौंध में नया कार्य तथा मरम्मत । जयपुर,पाडिचेरी और भोपाल में रिकार्ड सेंटर			यह परियोजना वर्ष 2012–13 के दौरान शुरू की जा सकती है।	बड़े कार्यो के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना तथा अभिलेखागार में उपलब्ध बहुमूल्य अभिलेखों को संरक्षित भी करना।		
	(ii)	अभिलेख केन्द्र, भुवनेश्वर के प्रकार्यात्मक भवन का निर्माण			निर्माण कार्य प्रगति पर है।			
	(iii)	राष्ट्रीय अभिलेखागार सौंध भवन में एसी प्लांट को हटाना।			राष्ट्रीय अभिलेखागार सौंध भवन में एसी प्लांट को हटाना।			
	(iv)	ऑडीटोरियम तथा छात्रावास भवन का निर्माण						
2.	**भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण**		–	14.00				
		साल्ट लेक, कोलकाता में द्वितीय चरण के कार्यालय भवन का निर्माण			मुख्यालय भवन साल्ट लेक,कोलकाता भवन चरण	भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण की		

परिणाम बजट 2013–14

अध्याय –II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013–14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रकियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
					दूसरे का निर्माण	विकासात्मक गतिविधियों हेतु अतिरिक्त स्थान की आवश्यकता है।		
3.	**राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला, लखनऊ**	आरसीएल मैसूर में प्रयोगशाला का निर्माण	–	1.00	कार्य प्रगति पर है।	प्रयोगशाला की महत्वपूर्ण गतिविधियों हेतु।	सीपीडब्यूडी द्वारा निर्माण कार्य किया जा रहा है।	निर्माण कार्य का पूरा होना सीपीडब्यूडी की क्षमता पर निर्भर करता है।
4.	**राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय**	दिल्ली में आवधिक वीथि के लिए एनजीएमए पुराने रख–रखाव के भवन का नवीकरण/ विकास और रख–रखाव।	–	1.00	वर्ष के दौरान कार्य को हाथ में लिया जाएगा।			
5.	**राष्ट्रीय संग्रहालय,नई दिल्ली**	राष्ट्रीय संग्रहालय में विभिन्न लम्बित निर्माण कार्यों का रख–रखाव तथा उन्नयन।	––	1.00	स्ंग्रहालय भवन के रख–रखाव / विकास कार्य हेतु।	राष्ट्रीय संग्रहालय की वीथिकाओं और सरकारी स्कन्ध में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना।	वर्ष के दौरान पूरा कर लिया जाएगा।	
6.	**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण**	नागपुर में एएसआई के लिए कार्यालय भवन का निर्माण,24,तिलक मार्ग,नई दिल्ली में भवन निर्माण,औरंगाबाद में रसायन प्रयोगशाला हेतु कार्यालय भवन	––	15.00	कार्य चल रहा है।	ए एस आई के कर्मचारियों की आवास समस्या का समाधान किया		

परिणाम बजट 2013-14

अध्याय -II

क्र.सं. सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	वर्ष 2013-14 के लिए परिव्यय (करोड़ रुपए)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय	टिप्पणियां/जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत				
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8
		का निर्माण,औरंगाबाद सर्किल कार्यालय के कार्यालय भवन का निर्माण। आगरा में निदेशक ; बागवानी ध्के लिए कार्यालय भवन का निर्माण। गांव करवाना,मुस्तकली में सीआईएसएफ और एएसआई स्टाफ के लिए आधारभूत संरचना का निर्माण और तैयार शुदा भवन आवास की खरीद/ विभिन्न स्थानों में एएसआई कार्यालय भवन का निर्माण । विभिन्न स्थानों में केन्द्रीय तौर पर संरक्षित स्मारकों के निकट भूमि का अधिग्रहण।				जाएगा।		
7.	**सार्वजनिक पुस्तकालय**	**राष्ट्रीय पुस्तकालय** टाइप द्वितीय और तृतीय क्वार्टरों और साथ ही नए पुस्तकालय भवन का निर्माण।	-	1.00	संस्कृति मंत्रालय से निकासी प्राप्त करने के पश्चात इस परियोजना को शुरू किया जा सकता है।	पुस्तकालय स्टाफ को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना।		
		योग (भवन परियोजनाएँ)	--	39.00				
		सकल योग (कला और संस्कृति)	627..00	1435.00				